- लालू के बेटे की सरकार बनी तो अपहरण हत्या व रंगदारी के तीन नए मंत्रालय होंगे - 12

- कंपनियों के तिमाही नतीजों और वैश्विक रुख तय करेंगे शेयर बाजार की दशा - 12

- दक्षिण चीन सागर में चीनी गतिविधि का दृढ़तापूर्वक मुकाबला करे आसियान - 13

- वाशिंगटन की तूफ़ानी पारी से भारत ने ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराया - 14

आज का मौसम

29.0° अधिकतम तापमान

15.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.25

सूर्यास्त 05.26

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष त्रयोदशी 02:06 उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2082

सोमवार, 3 नवंबर 2025, वर्ष 6, अंक 344, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के लॉन्च पैड से उड़ान भरता इसरो का प्रक्षेपण यान। ● एजेंसी

इसरो ने रचा इतिहास, बाहुबली रॉकेट से सबसे भारी उपग्रह प्रक्षेपित

अपनी वांछित कक्षा जीटीओ में सफलतापूर्वक हुआ स्थापित, बड़े समुद्री क्षेत्र में प्रदान करेगा बेहतर दूरसंचार कवरेज

श्रीहरिकोटा, एजेंसी

नई पीढ़ी के स्वदेशी बाहुबली एलवीएम 3- एम- रॉकेट से रविवार को सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किए गए सबसे भारी संचार उपग्रह सीएमएस- 03 को सफलतापूर्वक वांछित भू समकालिक स्थानांतरण कक्षा (जीटीओ) में स्थापित कर दिया गया।

इसरो ने इसे दुर्लभ उपलब्धि बताते हुए कहा कि सीएमएस-03 एक बहु-बैंड संचार उपग्रह है जो भारतीय भूभाग सहित एक विस्तृत समुद्री क्षेत्र में सेवाएं प्रदान करेगा। इसरो के अनुसार यह उपग्रह 2013 में प्रक्षेपित की गई जीसैट 7 शृंखला का प्रतिस्थापन भी है। इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने याद दिलाया कि रॉकेट का पिछला प्रक्षेपण सबसे प्रतिष्ठित चंद्रयान 3 था, जिसने राष्ट्र को गौरव दिलाया। रविवार को भारी उपग्रह के साथ सफलता प्राप्त करने के बाद इसने एक और गौरव प्राप्त किया। प्रायोगिक मिशन सहित एलवीएम 3 के सभी आठ प्रक्षेपण सफल रहे हैं, जो 100 प्रतिशत सफलता दर दर्शाते हैं। अंतरिक्ष विभाग के सचिव नारायणन ने इस प्रक्षेपण को आत्मनिर्भर भारत का एक और उदाहरण बताते हुए कहा, इस उपग्रह को कम से कम 15 वर्षों तक संचार सेवाएं प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने रविवार को भारतीय धरती से सबसे भारी संचार उपग्रह के सफल प्रक्षेपण पर इसरो के वैज्ञानिकों को बधाई दी।

पूरी तरह स्वदेशी

यह स्वदेशी रूप से डिजाइन एवं विकसित किया गया है। ये जटिल होती सुरक्षा चुनौतियों के बीच आत्मनिर्भरता के मार्ग पर चलते हुए उन्नत प्रौद्योगिकी का प्रभावी उपयोग कर राष्ट्र के समुद्री हितों की रक्षा करने के संकल्प का प्रतीक है।

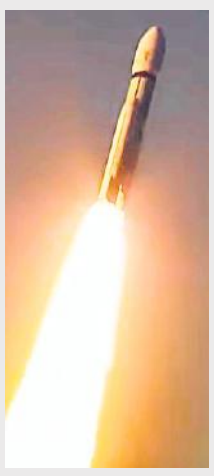

सबसे भारी उपग्रह

4410 किलोग्राम का यह उपग्रह अब तक का देश का सबसे भारी संचार उपग्रह होगा। इसमें कई उन्नत स्वदेशी तकनीकी घटक शामिल हैं, जिन्हें नौसेना की परिचालन और सामरिक जरूरतों को पूरा करने के लिए विकसित किया गया है।

देगा बेहतर कवरेज

जीसैट-7आर उपग्रह हिंद महासागर क्षेत्र में व्यापक और बेहतर दूरसंचार कवरेज प्रदान करेगा। इसके पेलोड में ऐसे उन्नत ट्रांसपोंडर लगाए गए हैं, जो विभिन्न संचार बैंडों पर ध्वनि, डेटा और वीडियो लिंक को सपोर्ट करने में सक्षम हैं।

नौसेना की दक्षता और क्षमता बढ़ाएगा जीसैट- 7 आर

श्रीहरिकोटा। इसरो की ओर से रविवार शाम प्रक्षेपित किया गया संचार उपग्रह जीसैट-7आर (सीएमएस-03) भारतीय नौसेना को अधिक दक्षता प्रदान करेगा।। यह उपग्रह भारतीय नौसेना का अब तक का सबसे उन्नत संचार प्लेटफॉर्म होगा जो इसकी अंतरिक्ष-आधारित संचार प्रणाली और समुद्री क्षेत्र जागरूकता क्षमताओं को अधिक बढ़ाएगा। उच्च क्षमता वाली बैंडविड्थ के साथ यह उपग्रह भारतीय नौसेना के जहाजों, विमानों, पनडुब्बियों और समुद्री संचालन केंद्रों के बीच सुरक्षित, निर्बाध तथा वास्तविक समय संचार को सुनिश्चित करेगा।

ब्रीफ न्यूज

प्रधानमंत्री 7 को दो दिवसीय दौरे पर पहुंचेंगे वाराणसी

वाराणसी। भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल ने रविवार को बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने दो दिवसीय दौरे पर 7 नवंबर को सायंकाल बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री हवाई अड्डे पहुंचेंगे। वहां उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। वहां से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सड़क मार्ग से सीधे बरेका गेस्ट हाउस पहुंचेंगे। तत्पश्चात् प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसी दिन वरिष्ठ भाजपा नेताओं एवं प्रमुख लोगों के साथ बैठक करेंगे। पटेल ने बताया कि 8 नवंबर को पूर्वाह्न प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बनारस रेलवे स्टेशन (मंडुआडीह) पर वाराणसी से खजुराहो तक चलने वाली वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

ट्रेन से गिरा राष्ट्रीय स्तर का तीरंदाज, मौत

कोटा। महाराष्ट्र के रहने वाले राष्ट्रीय स्तर के एक तीरंदाज की राजस्थान के कोटा जंक्शन पर ट्रेन से कथित तौर पर गिरने के कारण मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, नासिक निवासी अर्जुन सोनवाले (20) पंजाब के बठिंडा में एक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद अपने साथियों और कोच के साथ घर लौट रहे थे। वह शकूर बस्ती-मुंबई सेंट्रल एसी स्पेशल ट्रेन से महाराष्ट्र जा रहे थे। रात करीब साढ़े आठ बजे कोटा जंक्शन पर ठहराव के लिए जब ट्रेन की गति धीमी हो रही थी, अर्जुन खाना खाने के लिए दूसरे डिब्बे में जाने के वास्ते बी4 डिब्बे के गेट पर खड़े थे, तभी गलती से फिसल गए तथा ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच के अंतराल में गिर गए।

46 से घटकर 38 रह गए नक्सल प्रभावित जिले

नई दिल्ली। भारत में नक्सल हिंसा से प्रभावित जिलों के वर्गीकरण की ताजा समीक्षा में पाया गया कि अप्रैल में नौ राज्यों में इनकी संख्या 46 थी जो अब घटकर 38 रह गई है और चिंताजनक जिलों की श्रेणी में केवल चार तथा सबसे अधिक प्रभावित जिलों की श्रेणी में महज तीन जिले रह गए हैं। यह समीक्षा 'वामपंथी उग्रवाद से निपटने के लिए राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना 2015' के एक हिस्से के रूप में की गई।

भारतीय महिला टीम बनी विश्व चैंपियन दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराया

बेटियों ने 47 साल बाद रचा इतिहास, प्रतिद्वंद्वी टीम को 246 पर किया ऑल आउट

- भारत ने 7 विकेट खोकर बनाए थे 298 रन, दीप्ति शर्मा ने झटके 5 विकेट

नवी मुंबई, एजेंसी

नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में विश्व कप का फाइनल मैच जीतने के बाद जश्न मनातीं भारतीय खिलाड़ी।

भारत की बेटियों ने आखिरकार 47 साल के लंबे इंतजार के बाद इतिहास रच ही दिया। हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने रविवार को यहां वनडे विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर पहली आईसीसी ट्रॉफी जीती।

भारत ने शेफाली वर्मा (78 गेंद में 87 रन) और दीप्ति शर्मा (58 रन) के अर्धशतक की बदौलत सात विकेट पर 298 रन बनाए। इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम दीप्ति शर्मा के पांच झटकों के सामने कप्तान लौरा वोलवार्ट (101 रन) के शतक के बावजूद 45.3 ओवर में 246 रन पर सिमट गई। दीप्ति ने 39 रन देकर पांच विकेट झटके। शेफाली वर्मा ने भी दो विकेट और श्री चरणी ने एक विकेट हासिल किया। इससे पहले शेफाली ने वनडे में अपनी सर्वश्रेष्ठ पारी के दौरान सात चौके और दो छक्के लगाये। दीप्ति ने 58 गेंद में तीन चौके और एक छक्का जड़ा।

सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने 45 रन और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष ने 34 रन का योगदान दिया। महिला वनडे वर्ल्ड कप की शुरुआत 52 साल पहले 1973 में हुई थी। तब भारत ने हिस्सा नहीं लिया था। 47 साल पहले 1978 में इंडिया विमेंस ने डायना एडल्जी की कप्तानी में पहली बार टूर्नामेंट में हिस्सा लिया। 2005 में टीम इंडिया पहली बार फाइनल में पहुंची, लेकिन ऑस्ट्रेलिया से हार गई। 2017 में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को ही सेमीफाइनल हराकर फाइनल में एंट्री की, लेकिन इंग्लैंड ने फाइनल हरा दिया। 2025 में टीम ने फिर एक बार ऑस्ट्रेलिया को सेमीफाइनल हराया, लेकिन इस बार फाइनल में साउथ अफ्रीका को हराकर ट्रॉफी जीत ही ली।

इंडिया विमेंस सीनियर टीम की यह किसी भी फॉर्मेट में पहली आईसीसी ट्रॉफी रही। टीम एक बार टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में भी हार चुकी है।

जोधपुर में हुए भीषण सड़क हादसे में 15 लोगों की मौत

राजस्थान के जोधपुर जिले में हादसे के बाद टेंपो-ट्रैवलर से लोगों को निकालते लोग।

- धार्मिक कार्यक्रम से लौट रहे श्रद्धालुओं से भरा टेंपो ट्रैवलर सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से टकराया, दो लोग घायल

जयपुर, एजेंसी

राजस्थान के जोधपुर जिले में फलोदी के पास रविवार रात एक भीषण सड़क हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार हादसे में मरने वालों में ज्यादातर महिलाएं हैं। ये सभी लोग एक धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद लौट रहे थे।

पुलिस के अनुसार, यह हादसा भारतमाला राजमार्ग पर मतोड़ा गांव के पास हुआ। यात्रियों को लेकर जोधपुर की ओर आ रहा एक टेंपो ट्रैवलर सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से टकरा गया। जोधपुर के पुलिस आयुक्त ओम प्रकाश ने इस हादसे में 15 यात्रियों की मौत और दो के गंभीर रूप से घायल होने की पुष्टि की। घायलों को पहले प्राथमिक उपचार के लिए ओसियां के अस्पताल ले जाया गया और बाद में जोधपुर रेफर कर दिया गया। पुलिस के अनुसार पीड़ित जोधपुर के सूरसागर इलाके के निवासी थे और बीकानेर के पास कोलायत में कपिल मुनि आश्रम में पूजा-अर्चना करने के बाद लौट रहे थे। सभी शवों को ओसियां के सरकारी अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया गया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हादसे पर शोक जताया है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों का समुचित उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक्स पर लिखा, फलोदी के मतोडा में सड़क हादसे में 18 लोगों की मृत्यु का समाचार मिला है। मैं ईश्वर से दिवंगतों की आत्मा की शांति और उनके परिजनों को हिम्मत देने की प्रार्थना करता हूं।

नेपाली हाथियों ने सो रहे बुजुर्ग की ली जान

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- शारदा नदी पार इलाके में हाथियों के झुंड ने किया हमला, झोपड़ी में सो रहा था बुजुर्ग

अमृत विचार: नेपाल की ओर से आए हाथियों के झुंड ने शारदा नदी इलाके में धावा बोल दिया। इस दौरान झुंड में शामिल एक हाथी ने झोपड़ी में सो रहे एक बुजुर्ग को रौंदकर मार डाला। रविवार सुबह वन विभाग की टीम ने पुलिस के साथ मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। शव का पोस्टमार्टम कराकर परिवार के सुपुर्द कर दिया।

घटना कलीनगर तहसील क्षेत्र में शारदा नदी पार गांव ढकिया ताल्लुके महाराजपुर में शनिवार रात हुई। नेपाल की ओर से जंगली हाथियों का एक बड़ा झुंड गांव में घुस आया। यहां हाथियों ने जमकर उत्पात मचाया। इस दौरान हाथियों के झुंड में शामिल एक जंगली हाथी ने झोपड़ी में सो रहे पुन्नो (73) को रौंद डाला। हाथियों ने बुजुर्ग की झोपड़ी को भी तहस नहस कर दिया। घटना की जानकारी पर ग्रामीणों ने शोर-शराबा कर बमुश्किल हाथियों से पीछा छुड़ाया। घटना की जानकारी पर रविवार सुबह बराही रेंज की टीम पुलिस के साथ मौके पर पहुंची। जांच पड़ताल करने के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस मामले में बराही रेंज के क्षेत्रीय वनाधिकारी अरुण मोहन श्रीवास्तव ने बताया कि घटनास्थल पर जांच पड़ताल की गई है। हाथियों के पैरों के निशान मिले हैं। ग्रामीणों को सतर्क करने के साथ टीमों को निगरानी के लिए लगाया गया है।

हवा की रफ्तार थमने से दिल्ली में और दमघोंटू हुआ प्रदूषण

नई दिल्ली। हवा की धीमी गति के कारण प्रदूषकों का फैलाव कम होने के बीच दिल्ली की हवा और ज्यादा दमघोंटू हो गई। राष्ट्रीय राजधानी का एक्यूआई रविवार सुबह 386 रहा, जबकि शनिवार को एक्यूआई 303 ही था। दिल्ली के लिए वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली के अनुसार शनिवार शाम और रात के दौरान उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा की गति आठ किमी घंटे से कम हो गई, जिससे वायु प्रदूषण और सघन हो गया। एक्यूईडब्ल्यूएस के अनुसार, वायु गुणवत्ता के चार नवंबर तक बेहद खराब श्रेणी में रहने की संभावना है। दिल्ली में 17 निगरानी केंद्रों ने 400 से ऊपर के एएक्यूआई के साथ गंभीर श्रेणी की वायु गुणवत्ता दर्ज की। वजीरपुर में सबसे अधिक 439 एक्यूआई दर्ज किया गया। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, 20 अन्य केंद्रों पर 300 से ऊपर के एक्यूआई के साथ बेहद खराब गुणवत्ता रिकॉर्ड हुई है।

पादरियों-धर्मांतरित ईसाइयों के प्रवेश पर रोक का पोस्टर असंवैधानिक नहीं

बिलासपुर, एजेंसी

- छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने राज्य के आठ गांवों में प्रतिबंध लगाने वाली याचिकाओं का किया निपटारा

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने राज्य के आठ गांवों में पादरियों और धर्मांतरित ईसाइयों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने वाले होर्डिंग को हटाने के अनुरोध वाली दो याचिकाओं का निपटारा कर दिया। उच्च न्यायालय ने कहा कि ये होर्डिंग प्रलोभन या धोखाधड़ी के जरिये धर्मांतरण को रोकने के लिए लगाए गए थे और इन्हें असंवैधानिक नहीं कहा जा सकता।

मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति बिभु दत्ता गुरु की खंडपीठ ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि संबंधित ग्राम सभाओं ने ये होर्डिंग स्थानीय जनजातियों और सांस्कृतिक विरासत के हितों की रक्षा के लिए एहतियाती उपाय के रूप में लगाए हैं। खंडपीठ ने कांकेर जिले के दिग्बल टांडी और बस्तर जिले के नरेंद्र भवानी की ओर से दायर याचिकाओं का निपटारा करते हुए 28 अक्टूबर को यह फैसला सुनाया। याचिकाकर्ताओं ने ईसाइयों और उनके धर्म गुरुओं को मुख्यधारा के ग्रामीण समुदाय से कथित तौर पर अलग-थलग किए जाने का मुद्दा उठाया था।

विकसित बिहार का मतलब है युवाओं को रोजगार देना : मोदी

- मोदी बोले- जंगलराज को करना पड़ेगा करारी हार का सामना
- आरा में आयोजित चुनावी सभा में विपक्षी दलों पर साधा निशाना

आरा/नवादा, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि विकसित भारत की बुनियाद बिहार है और विकसित बिहार का अर्थ है राज्य के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना।

उन्होंने दावा किया कि इस बार बिहार की जनता राजग को रिकॉर्ड संख्या में सीट दिलाने जा रही है और जंगलराज को करारी हार का सामना करना पड़ेगा। प्रधानमंत्री ने आरा में आयोजित एक चुनावी सभा में कहा, राजग का घोषणापत्र बिहार के तेज विकास के लिए समर्पित एक दूरदर्शी दस्तावेज है। यह ईमानदार और स्पष्ट सोच वाला घोषणापत्र है, जबकि जंगलराज वाले झूठे वादों का पुलिंदा लेकर आए हैं। लेकिन, ये जनता है, सब जानती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, किसानों के हित में कदम और महिलाओं के सशक्तीकरण के उपाय-ये सभी राजग के घोषणापत्र के प्रमुख बिंदु हैं। मोदी ने कहा, 1.30 करोड़ महिलाओं को उनके खातों में 10,000 रुपये मिले हैं।

कांग्रेस और राजद बिहार की पहचान मिटाना चाहते हैं : मोदी ने कहा, चाहे कांग्रेस हो या राजद, दोनों बिहार की पहचान मिटाना चाहते हैं। ये घुसपैठियों की रक्षा करना चाहते हैं। बिहार की जनता को तय करना है कि राज्य के संसाधनों पर हक बिहार के लोगों का होगा या घुसपैठियों का।

समारोह | मुख्यमंत्री ने डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में की शिरकत

सुदृढ़ न्यायिक व्यवस्था से ही पूरे होंगे सुशासन के लक्ष्य : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सुदृढ़ न्यायिक व्यवस्था ही सुशासन की आधारशिला है। न्याय जितना सशक्त होगा, समाज में व्यवस्था और विश्वास उतना ही गहरा होगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था की सफलता के लिए न्याय का सुदृढ़ तंत्र आवश्यक है।

मुख्यमंत्री रविवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (आरएमएलएनएलयू) लखनऊ के चतुर्थ दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सत्य बोलना और धर्म का आचरण करना केवल विश्वविद्यालय का दीक्षा मंत्र नहीं, बल्कि जीवन का सर्वोच्च मार्गदर्शन है। धर्म हमारे लिए केवल आस्था नहीं, बल्कि जीवन पद्धति का हिस्सा है। योगी ने कहा कि प्रदेश सरकार न्यायिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। ई-कोर्ट प्रणाली, साइबर लॉ और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित प्रशिक्षण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इस अवसर पर सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली, प्रदेश मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय, विवि के कुलपति प्रो. अमर पाल सिंह आदि उपस्थित रहे।

मेधावी छात्रा को उपाधि प्रदान करते मुख्यमंत्री योगी, सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली और कुलपति अमरपाल सिंह।

केस जीतने से जरूरी न्याय मिलना : न्यायमूर्ति सूर्यकांत

देश के भावी प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि मैं जब लोकल कोर्ट में प्रैक्टिस करता था तब एक प्रापर्टी विवाद का केस अति आत्मविश्वास में हार गया था। उस दिन से मैं एक नोटबुक अपने पास रखने लगा। उसमें सबकुछ नोट करता हूं, ताकि रिव्यू कर सकूं। स्टेट में एडवोकेट जनरल रहने के दौरान भी मैंने बहुत कुछ सीखा। सेल्फ एग्जामिनेशन की आदत डाली। उन्होंने यह भी बताया कि मैंने ऐसे वकीलों को देखा है जो एक्सीलेंट थे। लेकिन खुद को अपग्रेड न करने की वजह से आउटडेटेड हो गए। डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विवि के बतौर मुख्य अतिथि उन्होंने विधि विद्यार्थियों से यह भी कहा कि केस जीतने से ज्यादा महत्वपूर्ण न्याय मिलना है।

अमृत विचार

बरेली, सोमवार, 3 नवंबर 2025

पीलीभीत

न्यूज ब्रीफ

अजहरुद्दीन के मंत्रिमंडल में शामिल होने पर हर्ष

पीलीभीत, अमृत विचार : अखिल भारतीय पठान महासंघ की बैठक में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन को तेलंगाना सरकार के मंत्रिमंडल में शामिल होने पर हर्ष जताया गया। उनके मंत्री बनने पर खेल प्रेमियों ने खुशी का भी इजहार किया। शहर के मोहल्ला भूरे खां में हुई महासंघ की बैठक में मुदस्सिर खां, शुऐब अहमद, पूर्व सभासद मोहम्मद आमिर खां, सरताज वली खां, मोहम्मद असद खां, मुजफ्फर हुसैन खां समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

शिविर में पहुंचे 40 मरीज, मिला इलाज

बीसलपुर, अमृत विचार : नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मोहल्ला दुबे में मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। जिसमें 40 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण डॉ .अमित कुमार द्वारा किया गया। मरीजो को निशुल्क दवाइयां दी गई। फार्मासिस्ट अमित कुमार ने दवा वितरण किया। खांडेपुर प्राथमिकता स्वास्थ्य केंद्र, शिवपुरी नवदिया व चुरा प्राथमिक स्वस्थ्य केंद्रों पर भी जन आरोग्य मेला लगा। हालांकि मरीजों की शुगर की जांच नहीं हो सकी।

दंपती से की मारपीट रिपोर्ट दर्ज

बिलसंडा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव पिपरगहना निवासी फरीन बेगम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 31 अक्टूबर की शाम साढ़े सात बजे गांव का शाकिर, शादिर और आलम ने आकर गाली गलौज की। विरोध करने पर उसे व पति पर हमला कर पिटाई कर दी। आसपास के लोगों के जमा होने पर धमकी देकर भाग गए। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

मांग पूरी नहीं होने पर विवाहिता को पीटा

पीलीभीत,अमृत विचार : थाना जहानाबाद क्षेत्र के ग्राम ढकिया नथा निवासी तारावती ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी शादी 20 अप्रैल 2024 को अनिल निवासी ग्राम परोथी थाना नबावगंज जिला बरेली से हुई थी। शादी के बाद से पति अनिल, ससुर पोपराम, सास शीला देवी, जेठ ताराचंद, जिठानी उषा, छोटे जेठ मनोज, जिठानी सोनम, देवर उमेश व देवरानी सोनी दहेज में एक लाख रुपये की मांग करने लगे। इसके पूरा न होने पर मारपीट करते थे। 26 सितंबर को पीटा। मायके वाले आए तो उनसे भी अभद्रता की गई।

पीटीआर में वीकेंड पर और ढीली होगी जेब

टाइगर कंजेवशन फाउंडेशन की शासी निकाय बैठक में लिए गए निर्णय, सफारी के प्रवेश शुल्क में बढ़ोत्तरी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

शासी निकाय के सदस्यों के बैठक करते वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना।

- वन मंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक, मुख्य सचिव वन, पीसीसीएफ समेत सदस्य रहे मौजूद

अमृत विचार: वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना की अध्यक्षता में पीलीभीत टाइगर कंजर्वेशन फाउंडेशन के शासी निकाय की दूसरी बैठक हुई। जिसमें मुख्य सचिव वन, प्रधान मुख्य संरक्षक समेत नामित कार्यकारिणी के सदस्यों ने हिस्सा लिया। बैठक में कई महत्वपूर्ण सुझाव रखे गए। जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया। बैठक में पीलीभीत टाइगर रिजर्व आने वाले सैलानियों और सफारी वाहनों के प्रवेश शुल्क में बढ़ोत्तरी की गई। साथ ही वीकेंड पर सैलानियों और सफारी वाहनों को और भी ज्यादा शुल्क देना होगा। इस दौरान ईको विकास संबंधी, ईको पर्यटन को बढ़ावा देने आदि पर चर्चा की गई।

जनपद के पीलीभीत-माधोटांडा रोड स्थित एक रिसोर्ट में बीते शनिवार शाम वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना की अध्यक्षता में टाइगर कंजर्वेशन फाउंडेशन के शासी निकाय की दूसरी बैठक संपन्न हुई। बैठक में गत शासी निकाय की बैठक की पुष्टि की गई। इसके बाद वित्तीय वर्ष 2025-26 में बाघ संरक्षण फाउंडेशन में प्राविधानित विभिन्न क्षेत्रों में होने कार्यों संबंधी बजट वन मंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया। इसमें पीलीभीत टाइगर रिजर्व एवं निकटवर्ती क्षेत्रों के प्राकृतिक वातावरण को सुरक्षित रखने में सहयोग करने संबंधी कार्य, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक विकास को प्रोत्साहित करने संबंधी कार्य एवं इससे संबंधित आवश्यक संसाधनों के जुटाने पर होने वाले खर्च पर चर्चा की गई। पीलीभीत टाइगर रिजर्व में पर्यटन सत्र को सुदृढ़ करने और सतत पर्यावरण को बढ़ाबा देने पर भी चर्चा हुई। सैलानियों की संख्या बढाने के लिए सफारी वाहनों के लिए एकीकृत आनलाइन बुकिंग प्रणाली के क्रियान्वयन के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। बैठक में ईको पर्यटन, ईको विकास, अनुसंधान, प्रबंधन आदि पर चर्चा करते हुए इस पर होने वाले व्यय संबंधी प्रस्ताव रखे गए। जिन्हें सर्वसम्मति से पास कर दिया गया। इस दौरान इको टूरिज्म पर आधारित एक फीचर फिल्म का भी विमोचन किया गया। साथ ही प्रकृति आधारित पर्यटन को बढ़ावा देने के राज्य के प्रयासों पर प्रकाश डाला गया। वनमंत्री द्वारा पीलीभीत टाइगर रिजर्व के संरक्षण और पर्यटन क्षमता को बढाने के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की गई। बैठक में मुख्य सचिव वन अनिल कुमार, प्रधान मुख्य वन संरक्षक/विभागाध्यक्ष सुनील चौधरी, प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्यजीव अनुराधा वेमुरी, वन निगम के महाप्रबंधक अरविंद कुमार सिंह, अपर मुख्य वन संरक्षक प्रोजेक्ट टाईगर रामकुमार, मुख्य वन संरक्षक पीपी सिंह, फील्ड डायरेक्टर रमेश चंद्रा, हरीश गुलेरिया, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया तराई पूर्वी हेड डॉ. मुदित गुप्ता, डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह समेत कार्यकारणी के नामित सदस्य मौजूद रहे।

अब पीटीआर में इस तरह बढ़ाया गया है किराया

शासी निकाय बैठक में प्रवेश शुल्कों में बढ़ोत्तरी के साथ ही पीलीभीत टाइगर रिजर्व आने वाले सैलानियों से अब वीकडेज (सोमवार से शुक्रवार तक) और वीकेंड (शुक्रवार व शनिवार) अलग-अलग शुल्क लेने का निर्णय लिया गया। लिए गए निर्णय के मुताबिक वीकडेज में प्रति सैलानी अभी तक 100 रुपये प्रवेश शुल्क लिया जाता था। जिसे बढ़ाकर अब 120 कर दिया गया है। साथ ही वीकेंड के दौरान प्रति सैलानी प्रवेश शुल्क अब 150 रुपये वसूला जाएगा। वहीं टाइगर रिजर्व में प्रति सफारी वाहन प्रवेश शुल्क 300 रुपये लिया जा रहा है। वीक डेज में यह प्रति सफारी वाहन 400 रुपये प्रवेश शुल्क देना होगा। वहीं वीकेंड में प्रति सफारी वाहन 500 रुपये प्रवेश शुल्क अदा करना होगा।

सुबह जंगल सफारी पर आधा घंटा और मिलेगा

पीलीभीत टाइगर रिजर्व में पर्यटन सत्र के दौरान दो शिफ्टों में सुबह और शाम जंगल सफारी वाहनों का संचालन किया जा रहा है। दोनों की पालियों में 03-03 घंटे सफारी वाहनों का संचालन किया जाता है। शासी निकाय की बैठक में लिए गए निर्णय के मुताबिक अब सुबह की पाली में 03 घंटे के स्थान पर 3 .30 घंटे जंगल सफारी की जा सकेगी। हालांकि दूसरी पाली में पूर्व की भांति की सैलानियों को 03 घंटे का ही समय मिलेगा।

श्रीराम वनगमन प्रसंग का मंचन देख भावुक हुए दर्शक

लीला का मंचन करते कलाकार। ● अमृत विचार

बिलसंडा, अमृत विचार: नगर में आयोजित रामलीला में कलाकारों ने राम वन गमन के प्रसंग का मार्मिक वर्णन किया । मंचन देख दर्शक भावुक हो उठे।

राजा दशरथ की आज्ञा के बाद श्रीराम माता कौशल्या के पास जाकर वन जाने की आज्ञा मांगते हैं। वह आज्ञा देती हैं कि वह पिता के वचनों का मान रखकर वनवास को जाएं। श्रीराम वन गमन के लिए प्रस्थान करने के लिए सीता से कहते हैं कि मैं वन जा रहा हूं। आप सबका ध्यान रखिएगा। इस पर सीता कहती हैं जहां पति होगा, वहीं पत्नी को भी होना चाहिए। पत्नी का स्थान पति के साथ है न कि राजमहल में। इसलिए मैं आपके साथ वन चलूंगी । यह देखकर लक्ष्मण श्रीराम से आग्रह करते हैं कि वह भी उनके साथ सेवा के लिए चलेंगे। उनके बिना वह महल में नही रहेंगे। राम के बहुत समझाने पर वह नही मानते और वह भी राम और सीता के साथ वन गमन के लिए प्रस्थान करते हैं। यह देखकर राज्य की प्रजा बहुत दुखी होती है और वह भी उनके साथ चलने के लिए प्रार्थना करती है। उनके मना करने पर कुछ दूर तक प्रजा साथ चलती है और यह देखकर भगवान राम सभी अयोध्यावासियों से कहते हैं कि आप लोग वापस जाइये, मैं चौदह वर्षों के बाद पुनः अयोध्या वापस आऊंगा।

युवती को परेशान कर रहा शोहदा, एफआईआर

संवाददाता, बिलसंडा

- आईडी हैक कर आपत्तिजनक पोस्ट डालने समेत कई आरोप
- आरोपी ने बदनाम करने के लिए अनर्गल स्टेटस भी पोस्ट कर दिए

अमृत विचार: गांव का ही रहने वाला एक शोहदा युवती के लिए मुसीबत बन गया है। उसका घर से निकलना दूभर कर दिया है। रिश्तेदारों को भी आपत्तिजनक फोटो वीडियो भेजकर बदनाम कर रहा है। पुलिस ने नामजद रिपोर्ट दर्ज की है।

युवती ने पुलिस को दी तहरीर में बताया गांव का ही दीपू गंगवार आए दिन उसको जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर अपमानित करता है। पीड़िता का घर सड़क के किनारे है। ऐसे में घर के सामने से निकलते वक्त अश्लील शब्दों का प्रयोग करता है।

जिससे वह काफी परेशान हो चुकी है। घर से निकलना दूभर हो गया है। विरोध करने पर छोटे भाइयों को मारने की धमकी दी जाती है।

रिश्तेदारों को मोबाइल पर अश्लील फोटो भेजा करता है। आरोपी ने पीड़िता की इंस्टाग्राम आईडी हैक कर ली और बदनाम करने के लिए अनर्गल स्टेटस भी पोस्ट कर दिए। इससे युवती की बदनामी हो रही है। आरोपी उसे धमकी देता है कि उसकी बात नहीं मानी तो गांव में रहने लायक नहीं छोड़ेगा या फिर खुदकुशी करने को विवश कर देगा। एसओ सिद्धांत शर्मा ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच कराई जा रही है।

अब जंगल सफारी को भी देना होगा टैक्स, लेना होगा परमिट

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

मुस्तफाबाद के पास खड़े जंगल सफारी वाहन। ● अमृत विचार

- परिवहन विभाग की ओर से पीटीआर को लिखा पत्र, कई ने गाड़ियां कराई पंजीकृत
- कामर्शियल में चलने वाली बाइकों के लिए जारी होंगी पीली प्लेट लगेगा रोड टैक्स

अमृत विचार : अब पीलीभीत टाइगर रिजर्व में दौड़ रहे सफारी वाहनों पर भी टैक्सी परमिट का नियम लागू होगा। रोमांच और पर्यटन के नाम पर सफारी चलाने वालों को अब परिवहन विभाग के दायरे में आना होगा।

विभाग ने इसके लिए पीटीआर प्रशासन को पत्र भेजकर स्पष्ट कर दिया है कि सफारी में प्रयोग होने वाले वाहनों को टैक्सी परमिट लेना अनिवार्य होगा और निर्धारित टैक्स चुकाना पड़ेगा। कई वाहन स्वामियों ने नियमों का पालन करते हुए अपने वाहनों का पंजीकरण भी करा लिया है। यही नहीं, इसके अलावा कामर्शियल रुप से चलने वाली बाइकों पर भी पीली प्लेट लगेगी। उनको भी टैक्स अदा करना होगा। इससे परिवहन विभाग की आय बढ़ेगी। बता दें कि पीलीभीत टाइगर रिजर्व स्थापित होने के बाद पर्यटकों को चूका और अन्य जंगल की सैर कराने के लिए जंगल सफारी लगाई गई थी। जोकि पीटीआर की ओर से निर्धारित किए गए किराये पर पर्यटकों को जंगल की सैर करती थी। इसके एवज पीटीआर की ओर से वाहन का 300 रुपये शुल्क लिया जाता था। अब वर्तमान में शुल्क में बढ़ोत्तरी कर दी गई है। यह गाड़ियां अभी तक कामर्शियल श्रेणियों से बाहर थी। करीब 80 से अधिक जंगल सफारी और जिप्सी संचालित हो रही है। इनमें अधिकतर गाड़ियां कामर्शियल नहीं है, जो कि बिना रोड टैक्स अदा किए ही व्यवसाय में चल रही है। परिवहन विभाग की नियमावली के तहत व्यवसाय में प्रयोग होने वाले वाहन कामर्शियल की श्रेणी में आते हैं। जिन्हें परिवहन विभाग को टैक्स अदा करना होता है। यह टैक्स वाहनों की कैटगरी पर निर्धारित किया जाता है।

इसको देखते हुए जंगल सफारी वाहनों पर भी रोड टैक्स लागू किया जा रहा है। इसको लेकर एआरटीओ वीरेंद्र सिंह की ओर से पीटीआर के जिम्मेदारों को पत्र लिखा है। जिसमें उन्होंने पीटीआर में चलने वाली जंगल सफारी वाहनों को कामर्शियल कराने के लिए कहा है। हालांकि इस व्यवस्था के लागू होने के बाद जंगल सफारी वाहन के संचालकों में रोष है। उनका तर्क है कि वह जंगल परिधि में वाहन चला रहे हैं। जिसका टैक्स वह पीटीआर को देते हैं, लेकिन अब रोड टैक्स भी देना होगा। पत्र जारी होने के बाद कई वाहनों मालिकों ने वाहन को कामर्शियल में तब्दील भी करा लिया है। इधर, तमाम फ्रेंचाइजी ने डिलीवरी पहुंचाने के लिए बाइक लगा रखी हैं, जो खाने से लेकर अन्य सामग्री की डिलीवरी पहुंचाते हैं। ऐसी बाइकों पर भी अब रोड टैक्स लागू होगा। यह बाइकें भी कामर्शियल श्रेणी में आएंगी। जिन पर पीली प्लेट लगाई जाएगी।

इन वाहनों पर तीन-तीन माह का देना होगा टैक्स

एआरटीओ वीरेंद्र सिंह ने बताया कि पीटीआर की जंगल सफारी वाहनों पर रोड टैक्स लागू होगा। इसको लेकर संबधित विभाग को पत्र भी जारी कर दिया गया है। इन वाहनों पर तीन-तीन माह का टैक्स लागू होगा या फिर सालभर का एक बार में भी जमा कर सकतें हैं। तीन माह का टैक्स करीब चार हजार रुपये अदा करना होगा। कई वाहन स्वामियों ने पंजीकरण कराकर वाहन को कमर्शियल में तब्दील कर दिया है। बाइकों को चिन्हित किया जा रहा है। उन पर भी टैक्स लागू किया जाएगा।

लौह पुरुष के व्यक्तित्व पर कवियों ने सुनाई रचनाएं

संवाददाता, बीसलपुर

कार्यक्रम में सम्मानित किए गए लोग, कवि और आयोजक। ● अमृत विचार

- व्यापारी, अफसर, शिक्षक, अधिवक्ता और साहित्यकार सम्मानित

अमृत विचार: लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर अखिल भारतीय कवि सम्मेलन व प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमे प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। कवियों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कर समां बांध दिया। देर रात तक कवियों की कविताओं पर श्रोताओं की तालियां बजती रही।

बीसलपुर के गांव महावा में शनिवार रात आयोजित समारोह में व्यापारियों, मीडियाकर्मियों, शिक्षकों, अधिकारियों व उनके परिजनों, अधिवक्ताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कवि सम्मेलन में फर्रुखाबाद से आए डॉ.शिवओम अम्बर, टूंडला से लटूरी लट्टु, बाराबंकी से ओपी वर्मा ओम, बस्ती के रामकृष्णलाल जगमग, मध्य प्रदेश के अनिल अनगढ़, राजस्थान के हरीश हंगामा, दिल्ली के अजय मिश्रा दबंग, लखनऊ के हेमा पाण्डेय, कानपुर से डॉ. अंजना कुमार, लखनऊ से अंकिता शुक्ला, बाराबंकी से अजय प्रधान, आगरा के अंशू अवनी छौंकर, माधोटांडा के राजेंद्र अवस्थी किनंकर, भीकमपुर के राजेश मिश्रा प्रयास आदि ने कविताएं सुनाई। जिसने श्रोताओं को खूब गुदगुदाया और वीर रस के कवियों ने अपनी वाणी से लोगों में उत्साह भर दिया। प्रतिभा सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि सपा नेत्री दिव्या गंगवार और फिल्म अभिनेता नलनीश नील को भी सम्मानित किया गया। आयोजक पातीराम गंगवार ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर मोहित अग्रवाल, वीरेंद्र अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, प्रांजल अग्रवाल, गोपाल कृष्ण अग्रवाल, अवनीश शुक्ला, राजगोपाल, रवि सक्सेना, सुबोध मिश्रा, चौधरी प्रदीप सिंह पटेल, रामबाबू पटेल, वीरेंद्र गंगवार, हरप्रसाद गंगवार, निहाल रस्तोगी, आदित्य प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

सुरालियों ने महिला को मारपीट कर घर से निकला

बीसलपुर, अमृत विचार: दहेज की मांग पूरी न होने पर ससुरालियों ने विवाहिता को मारपीट कर घर से निकाल दिया। पीड़िता के भाई से मिली तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। कोतवाली में दी गई तहरीर में मोहल्ला भोगापुर निवासी शशि प्रकाश ने बताया कि उसकी बहन राजेश्वरी देवी की शादी पांच साल पहले ग्राम चुर्रासकतपुर निवासी वीरेंद्र से हुई थी। आरोप लगाया कि शादी के कुछ समय बाद से ही ससुराल पक्ष अतिरिक्त दहेज में बाइक और सोने की चेन की मांग कर रहा था। इसके पूरा न करने पर रविवार को मारपीट कर बहन को घर से निकाल दिया। बिना मांग पूरी किए वापस आने पर मारने की धमकी दी गई। कोतवाल संजीव शुक्ला ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है।

शिविर में 20 लोगों ने किया रक्तदान

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

रक्तदान शिविर का उद्घाटन करते डीएम ज्ञानेंद्र सिंह। ● अमृत विचार

- मेडिकल कॉलेज ब्लड बैंक में लगाया गया शिविर

अमृत विचार: मेडिकल कॉलेज के ब्लड सेंटर में विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल के सहयोग से हुतात्मा दिवस के अवसर पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे डीएम ज्ञानेंद्र सिंह, विशिष्ट अतिथि प्राचार्या मेडिकल कॉलेज डॉ. संगीता अनेजा, सीएमएस डॉ. रामाकांत सागर, उप-प्राचार्य डॉ. अरुण सिंह ने शुरुआत कराई।

डीएम ने रक्तदान का महत्व बताते हुए लोगों को रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया। रक्तदाताओं को कार्ड, सर्टिफिकेट भी दिए गए। रक्त की निःशुल्क जांचे की गई। सुबह नौ बजे शुरू हुआ रक्तदान शिविर दोपहर तीन बजे तक चला। 20 कार्यकर्ताओं ने रक्तदान किया। डीएम, प्राचार्य मेडिकल कॉलेज, सीएमएस आदि को प्रतीक चिन्ह भेंट किए गए। पैथोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. विभूति गोयल, ब्लड सेंटर प्रभारी डॉ. परिक्षित सिंह, संकाय सदस्य डॉ. अमृता सिंह, डॉ. राशी, डॉ. सौरभ ने भी रक्तदान के प्रति जागरुकता बढ़ाने पर जोर दिया। इस मौके पर विहिप जिलाध्यक्ष श्रीकृष्ण गंगवार, जिला उपाध्यक्ष प्रवीन मोहन अग्रवाल, परविंदर सिंह, श्वेता अग्रवाल, परमजीत कौर ,अमित अग्रवाल,रणवीर पाठक, राजीव राय ,राहुल यादव, भानु प्रताप, संजय कुमार, नंदकिशोर गंगवार ,शिवम, गौरव गुप्ता, राजेंद्र कौर, प्रीतम शर्मा,संजीव पाल,ओमपाल , नीरज शुक्ला ,राजेश हरीश आदि मौजूद रहे।

केपीएस क्रिकेट अकादमी बना विजेता

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

बल्लेबाजी करता खिलाड़ी। ● अमृत विचार

- लगातार दूसरे शतक पर अंश सिंह रहे मैन ऑफ द मैच

अमृत विचार: फ्यूचर स्टार्स यू-14 प्राइज मनी क्रिकेट लीग के पांचवें रविवार को लीग मैच हुए। केपीएस क्रिकेट अकैडमी ने लिटिल स्टार्स को 114 रनों से हराकर शानदार जीत दर्ज की। अंश सिंह को लगातार दूसरे शतक के लिए मैन ऑफ़ द मैच का अवार्ड दिया गया।

22 याड्र्स क्रिकेट एकेडमी और इनिशियम ग्लोबल स्कूल के मैदान पर खेले गए टूर्नामेंट के पांचवें मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए केपीएस क्रिकेट एकेडमी की टीम ने 35 ओवरों में सात विकेट खोकर 283 रनों का स्कोर खड़ा किया।अंश सिंह ने 99 गेंद पर 18 चौकों की मदद से सर्वाधिक 119 रन बनाए। हर्ष चौधरी ने 71 रन की पारी खेली। लिटिल स्टार्स के वंश चौहान ने तीन और सोनू अल्वी ने दो विकेट चटकाए। इसके जवाब में लिटिल स्टार्स की पूरी टीम 31.2 ओवर में 169 रन पर आउट हो हुई । विजय मौर्य ने सर्वाधिक 36 रनों की पारी खेली और वंश चौहान ने 28 रन बनाए। विनीत गुप्ता ने भी 24 रन बनाए। केपीएस क्रिकेट एकेडमी की तरफ़ से फ़ैज़ ने तीन विकेट और संकेत में दो विकेट चटकाए। अंश सिंह को शानदार बल्लेबाज़ी के लिए मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। अंपायर की जिम्मेदारी सैयद नातिक अली और राजेश व स्कोरिंग संकेत रावत और एकांश ने की। इस मौके पर परमवीर सिंह पैरी, पुनीत धमेजा, कोच रिज़वान खान, सर्वराज,गगनप्रताप सिंह, परवेज़, मिलन,पवन, गोल्डी सिंह, विजारत अर्शी, सूरज, कपिल देव, मोनू सिंह आदि मौजूद रहे।

जल्द बढ़ेगा शिक्षा का दायरा, खुलेंगे तीन नए इंटर कॉलेज

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमरिया तहसील क्षेत्र में चल रहा कॉलेज का निर्माण। ● अमृत विचार

- समग्र शिक्षा अभियान के तहत मिली स्वीकृति, 3.96 करोड़ लागत
- अमरिया तहसील क्षेत्र में बनाए जा रहे तीन कॉलेज, अलग से रखा जाएगा स्टाफ और शिक्षक

समग्र शिक्षा अभियान के तहत अमरिया तहसील क्षेत्र में दो और बीसलपुर क्षेत्र में एक कॉलेज का निर्माण कराया जा रहा है। इसके लिए 3 .96 करोड़ का बजट मिला है। निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। यह कॉलेज कक्षा नौ से 12 तक संचालित होंगे। इन कॉलेजों से आसपास के क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को आसपास में ही शिक्षा मिल सकेगी।

– राजीव कुमार सिंह, डीआईओएस

अमृत विचार : अमरिया और बीसलपुर तहसील के शिक्षा परिदृश्य में अब एक नई रोशनी फैलने जा रही है। तीन नए राजकीय इंटर कॉलेजों की स्थापना की तैयारी शुरू हो गई है। समग्र शिक्षा अभियान के तहत स्वीकृत इन कॉलेजों से ग्रामीण अंचलों के हजारों बच्चों को अब दूर दराज भटकने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इन कॉलेजों के लिए निर्माण के लिए 3.96 करोड़ का बजट जारी किया गया है। बजट मिलने के बाद संस्था की ओर से निर्माण कार्य भी शुरु कर दिया गया है। हर कॉलेज में अलग से स्टाफ और शिक्षक नियुक्त किए जाएंगे, ताकि बच्चे उज्जवल भविष्य की नई राह पर कदम बढ़ा सकें।

बता दें कि जिले में माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से करीब 1117 कॉलेज संचालित हैं। इसमें 35 राजकीय, 22 एडेड और 132 वित्तविहीन कॉलेज हैं। आलम यह है कि कॉलेजों में शिक्षकों की लंबे समय से कमी बनी हुई है। जिस वजह से यूपी बोर्ड में राजकीय कॉलेज बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। इस स्थिति को सुधारने के लिए शिक्षकों की भर्ती के अलावा दूर दराज के बच्चों के लिए उनके ही क्षेत्र में शिक्षा मुहैया कराने के उदेश्य से जनपद में तीन नए राजकीय इंटर कॉलेज स्वीकृति किए गए हैं। बीते दिनों अमरिया और बीसलपुर तहसील क्षेत्र के लिए प्रस्ताव भेजा गया था। जिस पर अब अनुमति मिल गई है।

शासन की ओर से अमरिया तहसील क्षेत्र में देवरनिया व दलेलगंज और बीसलपुर क्षेत्र के दियोहना गांव में कुल तीन कॉलेज बनाए जाएंगे। स्वीकृति मिलने के बाद माध्यमिक शिक्षा विभाग ने राजस्व विभाग की मदद से जमीन भी कई माह पहले ही चिन्हित कर ली थी। शासन ने एक कॉलेज के निर्माण को 1.32 करोड़ का बजट आवंटित किया गया है। इस हिसाब से तीन कॉलेजों के लिए 3.96 करोड़ का बजट मिला है। बजट मिलने के बाद इनके निर्माण का जिम्मा सीएनडीएस संस्था को सौंपा गया है। जिस जमीन का मूल्यांकन करने के बाद काम शुरु कर दिया है। तीनों जगह कॉलेज की बुनियाद तैयार कर ली गई है अब तेजी से ऊपर की फाउडेंशन का कार्य किया जा रहा है। यह भवन दो मंजिला होगा। जिसमें क्लास रुम के अलावा, कार्यालय, हॉल, शौचालय, किचन और स्टोर रुम भी बनाया जाएगा। साथ ही बच्चों के लिए खेलने के लिए मैदान भी बनाया जाएगा। कॉलेज का निर्माण तेजी से चल रहा है। उम्मीद जताई जा रही है आगामी शैक्षिक सत्र में इनका शुभारंभ किया जाएगा। इन कॉलेजों में अलग से शैक्षिक स्टाफ और अन्य स्टाफ की भर्ती भी की जाएगी। यह कॉलेज कक्षा नौ से 12 तक संचालित होंगे।

शहर में आज

- जीजीआईसी समेत दो केंद्रों पर डीएलएड परीक्षा सुबह 9 बजे से।
- इनिशियम ग्लोबल स्कूल के मैदान पर टूर्नामेंट के तहत क्रिकेट मैच सुबह 7 बजे से।
- यातायात माह नवंबर के तहत शहर में जागरूकता कार्यक्रम सुबह 10 बजे से।
- भारतीय योग संस्थान की ओर से अशोक कॉलोनी ग्राउंड पर योग शिविर सुबह 5 .30 बजे।

न्यूज ब्रीफ

नो एंट्री में घुसे ई- रिक्शा का किया चालान

पीलीभीत, अमृत विचार : यातायात माह नवंबर की शुरुआत हो चुकी है। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कारवाई के साथ ही जागरूक किया जा रहा है। बाजार में ई रिक्शा का प्रवेश बंद है। मगर, चालक गलियों से प्रवेश कर जाते है, जिससे जाम की स्थिति रहती है। इसे देखते हुए रविवार को भी चेकिंग की गई। टीएसआई राघवेंद्र सिंह ने टीम के साथ चेकिंग की। सिपाही साहिर गैस चौराहा नो एंट्री प्वाइंट पर थे। इस दौरान बाजार से आते वक्त वाहनों को रोक चेक किया गया और चालान काटा गया।

हाईवे पर बाइकों की टक्कर, जुटी भीड़

गजरौला, अमृत विचार : असम हाईवे पर दो बाइकों की टक्कर हुई और दोनों के चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा रविवार देर शाम अटकोना पुलिया के पास हुआ। बाइक टकराई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल दोनों चालको को अस्पताल भिजवाया। बेसुध होने के कारण दोनों बाइक चालकों के नाम पते की जानकारी नहीं हो सकी। पुलिस इसे लेकर प्रयास करती रही।

सीड प्लांट मालिक नहीं कर सकेगा धान का स्टॉक

पीलीभीत, अमृत विचार : अवैध स्टॉक पकड़ने के बाद जुर्माना भरने के बाद भी अभी सीड प्लांट स्वामी धान का स्टॉक फिलहाल नहीं कर सकेगा। उसके आवेदन पर अभी अनुमति नहीं मिल सकी है। इसे लेकर मंडी की टीम निगरानी भी कर रही है। ऐसे में मंडी सचिव प्रवीण कुमार अवस्थी के निर्देश पर मंडी सहायक जाहिर अहमद की अगुवाई में टीम में छापा मारा और दिवाली से पहले 400 कुंतल से अधिक अवैध स्टॉक पकड़ा था। जुर्माना भी वसूला गया। सीड प्लांट मालिक की ओर से आढ़त से गोदाम अटैच करने का आवेदन किया था। जिस पर अभी अनुमति नहीं मिली है।

नेपाली हाथियों के झुंड ने गांव में उत्पात मचाया और चले गए

बुजुर्ग की जान लेने से पहले झोपड़ी की तहस नहस, फसलें भी उजाड़ीं, नेपाली हाथियों का बढ़ता जा रहा है कहर, सीमांत गांवों में दहशत का आलम

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

शारदा नदी पार ढकिया गांव में मृत बुजुर्ग की तहस-नहस झोपड़ी देखती टीम।

अमृत विचारः नेपाल के हाथियों का उपद्रव बढ़ता जा रहा है। शनिवार रात आए 20 से अधिक हाथियों के झुंड ने शारदा पार इलाके में जमकर उत्पात मचाया। घरों में सो रहे ग्रामीण हाथियों के चिंघाड़ने सहम गए। बताते हैं इसी झुंड में शामिल एक हाथी ने पहले बुजुर्ग की झोपड़ी को तहस नहस किया और फिर सो रौंदकर मार डाला। आसपास खेतों में खड़ी फसलों को उजाड़ने के बाद लौट गए। इससे सीमांत गांवों में दहशत है।

नेपाल की शुक्ला फांटा सेंचुरी की सीमा पीटीआर से सटी हुई है। कई सालों से नेपाली हाथी यहां आते-जाते रहते हैं। यह दीगर बात है कि पिछले कुछ सालों की नेपाली हाथियों की आमद में कमी आई है। मगर, पिछले कुछ माह से नेपाली हाथियों की दस्तक बढ़ने के साथ इनका उपद्रव भी बढ़ा है। पिछले सप्ताह भर से दो नेपाली हाथी पीलीभीत टाइगर रिजर्व की महोफ रेंज में डेरा जमाए हुए ही हैं। इधर शनिवार रात नेपाल से आए 20 से अधिक हाथियों के झुंड ने कलीनगर तहसील क्षेत्र के अंतर्गत शारदा नदी के पार ग्राम पंचायत नगरियाखुर्द के गांव ढकिया ताल्लुके महाराजपुर इलाके में धावा बोल दिया। ग्रामीणों के मुताबिक हाथियों के झुंड ने पहले रास्ते में पड़ने वाली गन्ने और सोयाबीन की फसलों को रौंदा। वहीं जद में आ रही झोपड़ियों को भी तहस नहस करना शुरू कर दिया। घरों में सो रहे ग्रामीणों ने जब हाथियों के चिंघाड़ने की आवाज सुनी तो इधर-उधर भागना शुरू कर दिया।

बताते हैं कि हाथियों ने पांच से अधिक ग्रामीणों की झोपड़ियो को तहस नहस कर दिया। इस बीच हाथियों के झुंड में शामिल एक हाथी ने गांव के बुजुर्ग पुन्नो की झोपड़ी पर हमला कर दिया। पहले हाथी ने बुजुर्ग की झोपड़ी को तहस नहस कर डाला। इसी बीच हाथी ने सो रहे 73 वर्षीय बुजुर्ग पुन्नों को रौंद डाला। जिससे बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। बुजुर्ग ग्रामीण के हाथ-पैरों के अलावा शरीर के अन्य हिस्सों में जख्म मिले। बुजुर्ग की मौत की जानकारी लगने के बाद कुछ ग्रामीणों ने हिम्मत जुटाते हुए शोर-शराबा करना शुरू कर दिया। तब कहीं काफी देर बाद हाथियों का झुंड नेपाल की ओर वापस चला गया। घटना की जानकारी रविवार सुबह ग्राम प्रधान विवेकानंद ने पुलिस को दी। इसके बाद ग्राम प्रधान, डिप्टी रेंजर मोहम्मद आरिफ और रमनगरा पुलिस शारदा पार इलाके में पहुंचे। टीम ने जांच पड़ताल करने के बाद ग्रामीणों से जानकारी ली। ग्रामीणों ने बताया कि घटना के बाद हाथी रात को ही नेपाल की ओर चले गए। जंगल से गांव की दूरी करीब 04 किमी बताई जा रही है। घटना को लेकर सीमांत गांवों में दहशत फैली हुई है। सुरक्षा की दृष्टि से बराही रेंज की टीमों को निगरानी के लिए लगाया गया है। इंस्पेक्टर माधोटांडा अशोक पाल ने बताया कि ग्राम प्रधान की ओर प्रार्थना पत्र दिया गया। इसमें बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

दो दशक पहले भी इसी क्षेत्र जान ले चुके नेपाली हाथी

करीब दो दशक पूर्व नेपाली हाथियों ने तीन ग्रामीणों की जान ले ली थी। उस वक्त मानव-वन्यजीव संघर्ष से जुड़ी घटना गुन्हान क्षेत्र में हुई थी। स्थानीय लोगों के अनुसार उन दिनों नेपाली हाथियों का काफी आतंक रहता था। फसल उजाड़े जाने पर किसान उग्र हो गए थे और हाथियों को घेरने की कोशिश की गई थी। इसी बीच जंगली हाथी हमलावर हो गए और उनहोंने गुन्हान के 03 ग्रामीणों को पटक कर जान ले ली थी। इसके बाद भीड़ भी जमा हुई और हाथियों को खदेड़ दिया था। बताते हैं कि इसके बाद कई साल तक नेपाली हाथी वापस नहीं लौटे थे। इसके अलावा करीब दो साल पहले भी करीब पांच नेपाली हाथियों का झुंड लग्गा-भग्गा होते हुए पीलीभीत टाइगर रिजर्व के जंगल में आ पहुंचा था। उस दौरान इन हाथियों ने खेत से काम करके घर लौट रहे तीन ग्रामीणों पर हमला कर दिया था। हमले में माधोटांडा थाना क्षेत्र के गांव मूसेपुर निवासी रमेश की मौके पर ही मौत हो गई थी। जबकि उसके दो अन्य साथी घायल हो गए थे।

प्रधान की मांग परिवार को मिले मुआवजा

इधर ग्राम प्रधान विवेकानंद ने बताया कि मृतक पुन्नो लंबे समय से शारदा पार इलाके में झोपड़ी डालकर अकेला ही रहता था। उसके परिवार के अन्य सदस्य चंदिया हजारा क्षेत्र में रहते हैं। मृतक परिजनों को मुआवजा दिया जाना चाहिए। इस संबंध में पीलीभीत टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह ने बताया कि जंगली हाथियों के आने की सूचना मिली थी। जिसके बाद संबंधित रेंज निगरानी बढ़ाई गई है।

पांच दिन से देखे जा रहे थे हाथी, निगरानी के नाम पर खानापूरी

घटना के बाद से ढकिया ताल्लुके महाराजपुर समेत आसपास के सीमांत गांवों में दहशत फैली हुई है। ग्रामीणों के मुताबिक गांव में पर 20 से अधिक नेपाली हाथियों ने हमला किया था। करीब पांच से दिन जंगली हाथी रात को क्षेत्र में देखे जा रहे हैं। फसलों को नुकसान पहुंचाने के बाद हाथी रात को ही नेपाल की ओर लौट जाते हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि जंगली हाथियों के लगातार आने की सूचना वन विभाग को भी लगातार दी जा रही है। इसके बावजूद निगरानी के नाम पर महज खानापूरी ही की जा रही है। क्षेत्रीय वनकर्मी यहां झांकने तक नहीं आ रहे हैं। यदि इसी तरह चलता रहा तो जंगली हाथी किसी दिन अन्य ग्रामीणों की भी जान ले सकते हैं।

त्रिवेणी एक्सप्रेस से गिरा युवक, दोनों पैर कटे

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- शनिवार रात हुआ हादसा, आरपीएफ लेकर पहुंची थी मेडिकल कॉलेज

अमृत विचार : त्रिवेणी एक्सप्रेस पर चढ़ने के दौरान एक युवक गिर गया। जिससे उसके दोनों पैर कट गए। आरपीएफ जवान घायल को मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी लेकर पहुंचे। वहां उसे भर्ती करने को लेकर विवाद हो गया। इसको लेकर काफी नोकझोंक हुई। विवाद के बाद डॉक्टरों की टीम ने घायल को भर्ती कर उसका इलाज शुरू किया।

मामला शनिवार देर रात का है। शक्ति नगर से टनकपुर जा रही त्रिवेणी एक्सप्रेस पीलीभीत स्टेशन से पास हो रही थी। तभी एक युवक ट्रेन पर चढ़ने के चक्कर में नीचे गिर गया। जिससे उसके दोनों पैर कट गए। हादसे के बाद ट्रेन रोकी गई। आरपीएफ और जीआरपी के जवान मौके पर पहुंच गए। इसके बाद घायल को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। पूछताछ में घायल ने अपना नाम मोतीराम पुत्र लालता प्रसाद निवासी मोहल्ला बशीर खां बताया।

इमरजेंसी पहुंचने के बाद उसे भर्ती करने को लेकर अस्पताल के स्टाफ से कहासुनी हो गई। इस पर पुलिस टीम और अस्पताल स्टाफ के बीच कहासुनी हो गई। मौके पर मौजूद अन्य डॉक्टरों ने समझा बुझाकर मामला शांत कराया। इसके बाद घायल का इलाज शुरु हो सका। आरपीएफ इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार ने बताया कि घायल को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराय है।

राज्य कर्मियों की समस्याओं पर नहीं दिया जा रहा ध्यान

पीलीभीत, अमृत विचारः राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की बैठक में कर्मचारियों की समस्याओं पर चर्चा की गई। साथ ही समस्याओं को उच्च स्तर पर रखने का निर्णय लिया गया।

शहर स्थित परिषद कार्यालय पर रविवार को कर्मचारियों की बैठक हुई। बैठक में जिला संयोजक संजय प्रकाश सक्सेना ने कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं का नजरअंदाज किया जा रहा है। उन्होंने एनपीएस और यूपीएस समाप्त करते हुए ओपीएस को बहाल करने, कोविड के दौरान रोके गए डीए को बहाल करने, सभी विभागों में राज्य कर्मियों की तरह आउटसोर्स में भी मृतक आश्रित की नियुक्त देने, विभागों में रिक्त पदों को पदोन्नति कर भरे जाने, विभागों में आउटसोर्स एवं नियमितीकरण बंद करने समेत विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की ।

अवैध संबंध में की गई थी आशीष की हत्या

संवाददाता, बीसलपुर

आशीष हत्याकांड के पकड़े गए आरोपी। ● अमृत विचार

- भड़रिया मोड़ से पुलिस ने की आरोपियों की गिरफ्तारी
- लापता युवक की हत्या कर नहर किनारे शव फेंकने का मामला

अमृत विचार : आशीष हत्याकांड का बीसलपुर पुलिस ने खुलासा कर दिया। पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। हत्या के पीछे एक आरोपी की पत्नी से मृतक के संबंध को वजह बताया गया है। पुलिस ने हत्या करने में इस्तेमाल डंडा, सरिया आदि भी बरामद कर लिया है।

बता दें कि दियोरियाकलां कोतवाली क्षेत्र के ग्राम ढकिया रंजीत निवासी 24 वर्षीय आशीष कुमार गंगवार 26 अक्टूबर की शाम करीब चार बजे बीसलपुर गए थे और वापस नहीं लौटे। दूसरे दिन 27 अक्टूबर को उसका शव बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र में केकेएस विद्या मंदिर स्कूल के पास नहर किनारे पड़ा मिला था। पत्नी अनामिका की ओर से पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ नामजद हत्या की रिपोर्ट दर्ज की थी। पुलिस ने मामले में जांच पड़ताल की और हत्या की गुत्थी सुलझ गई। हत्या के पीछे वजह एक आरोपी के परिवार की महिला से संबंध होना निकला। पुलिस ने इस मामले में बीसलपुर के मोहल्ला दुर्गाप्रसाद निवासी अतुल उर्फ छोटू पुत्र पुत्तूलाल, मोहल्ला पटेल नगर निवासी मनोज पुत्र राजपाल, धीरेंद्र प्रताप गंगवार उर्फ क्लिंटन पुत्र मंगलसेन, रजत मिश्रा उर्फ सौरभ पुत्र राजबहादुर और रामू राठौर पुत्र राजपाल को भड़रिया मोड़ के पास से गिरफ्तार कर रविवार को भेज दिया है। आरोपियों की निशानदेहीर पर लकड़ी का डंडा , सरिया आदि भी बरामद किया गया।

> मृतक की पत्नी की ओर से दी गई तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना कराई जा रही थी। इसी दौरान अन्य आरोपियों के नाम भी प्रकाश में आए। पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। – **संजीव शुक्ला**, कोतवाल बीसलपुर

पहले पिलाई शराब फिर किए वार

पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने पूछताछ में हत्या की पूरी बात कबूल की है। आरोपी अतुल उर्फ छोटू की पत्नी के मृतक आशीष कुमार से संबंध हो गए थे। जिसे लेकर हत्या की साजिश रची गई थी। उसी के तहत 26 अक्टूबर को आरोपी अतुल ने अपने साथियों की मदद से पहले आशीष को साथ बैठाकर जमकर शराब पिलाई। इसके बाद लाठी डंडे और लोहे की सरिया से वार करके हत्या कर दी गई थी। शव को छिपाने के उद्देश्य से घटनास्थल पर फेंक दिया गया था। हत्या के बाद मृतका की पत्नी की तहरीर पर पुलिस ने मामले की जांच की ।

जिले का लक्ष्य 15344, महज 5337 को मिली पहली किस्त

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः जनपद की ग्राम पंचायतों में अब अभियान चलाकर व्यक्तिगत शौचालयों को लेकर डोर-टू-डोर सर्वे के पात्रों के ऑनलाइन आवेदन कराए जाएंगें। साथ ही पोर्टल पर लंबित आवेदन पत्रों के सत्यापन करते हुए मांग सूची सप्ताह भर में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। यदि ब्लॉक स्तर से सप्ताह भर के अंदर मांग सूची प्राप्त नहीं होती है तो ग्राम पंचायत में कोई पात्र परिवार न मानते हुए अतिरिक्त लक्ष्य शासन को वापस कर दिया जाएगा।

जनपद में 720 ग्राम पंचायतें हैं। खुले में शौच से मुक्ति दिलाने के लिए ग्राम पंचायतों में व्यक्तिगत शौचालयों का निर्माण कराया जा रहा है। इधर चालू वित्तीय के लिए भी शासन ने जनपद की ग्राम पंचायतों में व्यक्तिगत शौचालय निर्माण का लक्ष्य तय किया है। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण फेज-2 के तहत जनपद को 15344 व्यक्तिगत शौचालयों का लक्ष्य दिया गया है।

जिला पंचायत राज अधिकारी के मुताबिक लक्ष्य के सापेक्ष विकासखंडों से प्राप्त मांग सूची के अनुसार अभी तक महज 5357 लाभार्थियों को ही प्रथम किस्त की धनराशि आवंटित की गई है, जबकि जनपद स्तर पर अभी लक्ष्य के सापेक्ष 9987 लाभार्थियों को पहली किस्त आवंटित किया जाना बाकी है।

इधर पिछले दिनों मिशन निदेशक द्वारा वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से विभागीय समीक्षा की गई थी। समीक्षा के दौरान मिशन निदेशक ने पोर्टल पर लंबित आवेदन पत्रों के सत्यापन कराने के साथ एक विशेष अभियान चलाकर सभी ग्राम पंचायतों से मांग सूची प्राप्त करने के बाद धनराशि आवंटन के लिए मांग पत्र निदेशालय को भेजने के निर्देश दिए थे।

जनपद में विकासखंड पर पोर्टल पर लंबित आवेदनों की संख्या वर्तमान में 2623 हैं। जिसके बाद डीपीआरओ रोहित भारती ने सभी पंचायत सहायकों को पोर्टल पर लंबित आवेदनों के सत्यापन के बाद पाए गए लाभार्थियों की मांग सूची के साथ ग्राम पंचायतों में डोर टू डोर व्यक्तिगत शौचालयों के सर्वे में पात्र पाए गए लाभार्थियों का ऑनलाइन आवेदन कराते हुए मांग सूची एक सप्ताह में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। डीपीआरओ ने बताया कि यदि किसी ग्राम पंचायत में कोई भी लाभार्थी पात्र नहीं है तो उसके संबंध में प्रमाण पत्र पर संबंधित ग्राम पंचायत से सूचना प्राप्त कर विकास खंड स्तर से बीडीओ और एडीओ पंचायत इस आशय का प्रमाण पत्र उपलब्ध कराएंगे। यदि एक सप्ताह के अंदर किसी ब्लॉक से मांग सूची अप्राप्त होती है तो यह मानते हुए कि जनपद कार्यालय पर उपलब्ध मांग सूची के अतिरिक्त कोई पात्र परिवार अवशेष नहीं है, शासन से प्राप्त अतिरिक्त लक्ष्य वापस कर दिया जायेगा। लक्ष्य वापस करने के बाद यदि ब्लाक में कोई पात्र परिवार व्यक्तिगत शौचालय की सुविधा से वंचित रह जाता है तो उसके लिए संबंधित ग्राम प्रधान, पंचायत सचिव एवं एडीओ पंचायत संयुक्त रुप से उत्तरदायी होगे।

यह है ब्लॉकवार स्थिति

ब्लॉक	कुल आवेदन	स्वीकृत	रिजेक्ट	लंबित	भेजे गए लाभार्थी	लंबित सत्यापन
अमरिया	17800	3724	13878	198	76	62
बरखेड़ा	19639	5931	13556	152	24	102
बिलसंडा	19004	4411	14397	196	00	142
बीसलपुर	15316	4320	10666	330	00	267
ललौरीखेड़ा	17027	4637	12205	185	54	91
मरौरी	22861	5163	17380	318	99	206
पूरनपुर	49333	18058	28825	2450	294	1753

- व्यक्तिगत शौचालय के 2623 आवेदन अभी भी पोर्टल पर लंबित
- पात्रों के आवेदन कराने व लंबित आवेदन के सत्यापन सूची उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

लखनऊ से फोन आने पर शुरू हुआ काम

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- टाटा कंपनी को मिला है पेयजल लाइन का टेंडर
- खींचतान को लेकर एडीएम ने भी ईओ को जारी किया पत्र

अमृत विचार : 24 घंटे पेयजल परियोजना को लेकर मचे घमासान ने आखिर शासन तक दस्तक दे दी। सभासदों द्वारा कार्य रुकवाए जाने की शिकायत जैसे ही लखनऊ पहुंची, तो शासन का फोन सीधे जिला प्रशासन के पास घनघना उठा। आदेश मिलते ही टाटा कंपनी ने तत्काल पाइपलाइन बिछाने का कार्य दोबारा शुरू कर दिया। पेयजल लाइन का यह टेंडर टाटा कंपनी को मिला था, लेकिन स्थानीय स्तर पर चल रही खींचतान के चलते सभासदों ने काम ठप पड़ा था। अब शासन स्तर से हुए पत्राचार और निर्देशों के बाद प्रशासन हरकत में आया है। इसी बीच एडीएम ने भी ईओ को पत्र जारी कर स्थिति स्पष्ट करने को कहा है।

बता दें कि शहर के वार्ड नंबर पांच में अमृत 2.0 के तहत शासन से दो साल पहले 24 करोड़ का बजट मिला था। इस योजना के तहत इस वार्ड में बने घरों में 24 घंटे पानी की सप्लाई दी जाएगी। इस प्रोजेक्ट के तहत पाइप लाइन में बिछाने के अलावा दो ओवरहेड टैंक बनाए जाने हैं। यह टेंडर देश की प्रसिद्ध कंपनी टाटा को इसका टेंडर मिला है। नगरपालिका ने बिना पड़ताल के ही नेहरू पार्क के पास एक जमीन को आवंटित कर दिया था। जिस पर पहले मियावाकी वन को लेकर बवाल हुआ। ऐसे में जेई शुभभ अग्रवाल पर 50 हजार का जुर्माना भी डाला गया था। इसके बाद नगरपालिका ने जमीन हैंडओवर कर दी, तो वहां खड़े पेड़ कटान की अनुमति में पेंच फंस गया। ऐसे में कार्यदायी संस्था ने पाइप लाइन बिछाने का काम शुरु किया। कुछ सभासदों ने वहां पहुंचकर काम रुकवा दिया था। इस पर संस्था ने जल निगम को पत्र भेजकर स्थिति स्पष्ट करने के लिए कहा था। इधर, मामले की जानकारी जब शासन तक पहुंची तो वहां से फोन घनघना शुरू हो गए। इसके बाद डीएम ने ईओ और अन्य अफसरों को तलब करते हुए कार्य रुकने का कारण पूछा। अफसर भी स्थिति स्पष्ट नहीं कर सके। इधर, काम रुकवाने वाले सभासद भी मुकर गए। उनका तर्क था कि उन्होंने एक दिन काम रोकने के लिए कहा था। अब शनिवार से कार्यदायी संस्था ने पाइप लाइन का काम शुरु कर दिया है। मगर 30 अगस्त को मिली पेड़ कटान की अनुमति के बाद भी पेड़ कटान नहीं हो सका ऐसे में ओवरहेड टैंक का काम अधर में लटका हुआ है। इस योजना को लेकर मचे घमासान को लेकर एडीएम ऋचु पुनिया ने भी ईओ और जेई को पत्र जारी करते हुए तीन दिन में जवाब मांगा है। जेई शुभम अग्रवाल ने बताया कि पूर्व में सभासदों ने काम रुकवाया था। फिलहाल अब प्रशासनिक हस्तक्षेप के बाद पाइप लाइन काम शुरू हो गया। पेड़ कटान होना बाकी है।

आज दोबारा होगी निगम बोर्ड की बैठक

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- इस बार भी हंगामे की आशंका सभासदों में चल रही है खींचतान
- 18 अगस्त को हुई थी बैठक पुलिस बल भी रहेगा तैनात

अमृत विचार : नगर पालिका के बजट पर खींचतान और टकराव का दौर एक बार फिर गर्माता दिख रहा है। 18 अगस्त को हुई बोर्ड बैठक में एक पक्ष के सभासदों के विरोध और हंगामे के चलते अधूरी रह गई कार्यवाही अब डीएम के निर्देश पर दोबारा से प्रस्तावित की गई है। इस बार भी माहौल शांत रहने की उम्मीद कम ही दिख रही है। सभासदों के बीच जारी आपसी मतभेद और गुटबाजी के कारण बजट पारित होना चुनौती से कम नहीं है। हालांकि प्रशासन ने एहतियातन पुलिस बल की तैनाती के निर्देश दिए हैं।

बता दें कि नगरपालिका की ओर से वित्तीय वर्ष 2025-26 का मूल बजट स्वीकृति करने के लिए 18 अगस्त को बोर्ड बैठक बुलाई गई थी। मगर नगरपालिका में सभासदों के बीच चल रहे दो फाड़ की वजह से बैठक में जमकर हंगामा हुआ था। विरोध में उतरे 14 सभासदों का आरोप था कि प्रोसिडिंग की कॉपी तत्काल उपलब्ध कराई जाए। साथ ही पूर्व में खर्च किए गए आय व्यय का ब्योरा और एक अप्रैल से अब तक जो पैसा बोर्ड फंड में इकट्ठा हुआ और जो खर्च किया गया, उसका विवरण उपलब्ध हो। इसी बात पर बैठक का बाहिष्कार कर दिया था। इन 14 सभासदों ने बजट बैठक पर आपित्त जताई थी। मगर पालिका की ओर से मूल बजट 2025-26 में 81 करोड़ 70 लाख 90 हजार रुपये आय के सापेक्ष 68 करोड़ 89 लाख 7 हजार व्यय का बजट पास होना बताया था। इस मामले में विरोधी सभासदों ने शासन प्रशासन से शिकायत की थी। उन्होंने दोबारा से मूल बजट की बैठक पास कराने की मांग उठाई थी। शिकायत पर संज्ञान लेते हुए अब दोबारा से सोमवार को नगरपालिका में बोर्ड बैठक बुलाई गई है। जिसकी अध्यक्षता चेयरमैन डॉ. आस्था अग्रवाल करेंगी। इसकी सूचना भी समस्त सभासदों तक पहुंचा दी गई है, लेकिन बैठक से एक दिन पहले रविवार को बोर्ड बैठक को लेकर तमाम चर्चाए चलती रही। गुटबाजी को देखते हुए पुलिस बल भी तैनात रखा जाएगा। फिलहाल जिम्मेदारों का कहना है कि पूर्व में हुई बैठक को लेकर प्रशासनिक अफसरों से कुछ सभासदों ने आपत्ति दर्ज कराई थी।

पीआरडी जवान से मारपीट करने वाले पर एफआईआर

पीलीभीत, अमृत विचार : दो दिन पहले पीआरडी जवान के साथ हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की। सुनगढ़ी थाने में आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

पीआरडी जवान मोहम्मद शमसेर ने थाना सुनगढ़ी में दी तहरीर में बताया कि वह शनिवार दोपहर में थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के छिपियान चौराहे के पास डयूटी कर रहे थे। इस दौरान नशे में धुत युवक एक ई-रिक्शा में बैठकर कहीं जा रहा था। ई-रिक्शा चालक ने छिपीयान चौराहा के पास सवारियों के लिए ई-रिक्शा रोक लिया था। तभी उसमें बैठा आरोपी नशा करने लगा। उसने ट्रैफिक व्यवस्था सुचारू रखने के लिए ई-रिक्शा हटाने के लिए कहा तो चालक की जगह युवक पीआरडी जवान से अभद्रता करने लगा।

लापरवाही से सीएम डैशबोर्ड पर रैंक गड़बड़ाई

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- 15वें वित्त आयोग से मिली धनराशि शत प्रतिशत खर्च न करने का मामला
- डीपीआरओ ने लापरवाही पर सात सचिवों की एक अस्थाई वेतनवृद्धि पर साल भर के लिए लगाई रोक

अमृत विचार : 15वें वित्त आयोग से मिली धनराशि शत- प्रतिशत खर्च न किए जाने पर मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर रैंक गड़बड़ा गई। डीएम के निर्देश पर जिला पंचायत राज अधिकारी ने लापरवाही पर 16 सचिवों को प्रतिकूल प्रविष्टि जारी की है। वहीं सात सचिवों की एक-एक अस्थाई वेतन वृद्धि पर साल भर के लिए रोक लगा दी है। कार्रवाई से सचिवों में खलबली मची हुई है।

जनपद को 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर सितंबर में बी रैंक प्राप्त हुई है। जबकि ग्राम पंचायतों में तैनात सचिवों और सहायक विकास अधिकारियों (पंचायत) को पिछले वर्ष और वर्तमान वर्ष में प्रति जूम मीटिंग, विभागीय समीक्षा बैठकों एवं पत्रों के माध्यम से 15वें वित्त आयोग की धनराशि को शत -प्रतिशत खर्च करने के निर्देश भी दिए गए थे। इतना ही नहीं गत वर्ष के 7 माह बीत जाने के बाद भी तमाम निर्देशों के बाद भी धनराशि को खर्च नहीं किया गया। जिस कारण मिशन मोड पर की जा रही समीक्षा में जनपद को 15वें वित्त आयोग में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर बी ग्रेड मिला। इस मामले में डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने भी खासी नाराजगी जताते हुए लापरवाही कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। इधर लगातार निर्देशों के बाद भी ग्राम पंचायतों में बरती गई घोर लापरवाही एवं पदीय दायित्वों का निर्वहन न करने पर जिला पंचायत राज अधिकारी रोहित भारती ने 16 पंचायत सचिवों को प्रतिकूल प्रविष्टि जारी की है। साथ ही इसमें से 07 सचिवों को प्रतिकूल प्रविष्टि जारी करने के साथ ही एक-एक अस्थाई वेतन वृद्धि पर साल भर के लिए रोक लगा दी है। डीपीआरओ की कार्रवाई से सचिवों में हड़कंप मचा हुआ है।

इन सचिवों को मिली प्रतिकूल प्रविष्टि

जिला पंचायत राज अधिकारी की ओर से बीसलपुर ब्लॉक के पंचायत सचिव जाकिर अली, पुष्कर राना, संतोष कुमार, बिलसंडा के प्रवीण कुमार मौर्य, विवेक वर्मा, पूरनपुर के मंजुल मिश्रा, पंकज आर्या, सुबोध कुमार, अमरिया के लाल बहादुर मौर्य, रामप्रकाश, गौरव कुमार, सचिन कुमार, बरखेड़ा के रुपेश कुमार सिंह, लाल बहादुर, मरौरी के मेवालाल और ललौरीखेड़ा के राजीव प्रकाश को प्रतिकूल प्रविष्टि जारी की गई है। इसके साथ ही पंचायत सचिव जाकिर अली, मंजुल मिश्रा, पुष्कर राना, रामप्रकाश, सुबोध कुमार, गौरव कुमार और सचिन कुमार की एक-एक अस्थाई वेतन वृद्धि पर साल भर के लिए रोक लगाई गई है।

> 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत शत प्रतिशत धनराशि व्यय न किए जाने पर जनपद की रैंक प्रभावित हुई है। तमाम निर्देशों के बाद भी पंचायत सचिवों द्वारा लापरवाही बरती गई। जिलाधिकारी के निर्देश पर 16 लापरवाह पंचायत सचिवों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। – **रोहित भारती**, डीपीआरओ

लकड़ी लदी ट्रैक्टर ट्रॉली से कुचलकर युवक की मौत

दियोरियाकलां-बीसलपुर मार्ग पर मकरंदापुर चौराहे के पास हुआ हादसा

संवाददाता, दियोरियाकलां

हादसे के बाद मौके पर लगी भीड़। ● अमृत विचार

हादसा स्थल के बाद पलटी ट्रैक्टर ट्रॉली।

अमृत विचार: लकड़ी लदी ट्रैक्टर ट्रॉली बाइक को टक्कर मारने के बाद अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि ट्रैक्टर चालक मौके से भाग गया। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस ने मौका मुआयना कर जानकारी की। शव पोस्टमार्टम को भेज दिया। हादसे की सूचना मिलने के बाद मृतक के परिवार में चीख पुकार मची रही।

कस्बा दियोरियाकलां निवासी शिवम गुप्ता (27) रविवार सुबह बाइक से बीसलपुर जाने के लिए निकले थे। दियोरियाकलां-बीसलपुर रोड पर मकरंदापुर चौराहे के पास पहुंचते ही सामने से आ रही लकड़ी लदी ट्रैक्टर ट्रॉली ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद ट्रैक्टर ट्रॉली भी अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में पहिए से कुचलकर बाइक सवार शिवम की मौके पर ही मौत हो गई। ट्रैक्टर ट्रॉली छोड़कर उसका चालक भाग गया। कुछ ही देर में मौके पर भीड़ जमा हो गई। राहगीरों ने सूचना पुलिस को दी। कोतवाल दिगंबर सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और हादसे की जानकारी की। जानकारी मिलने पर मृतक के परिजन भी आ गए। उनका रोकर बुरा हाल रहा। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेज दिया है। वाहन भी कब्जे में ले लिए हैं।

मृतक शिवम गुप्ता।

- पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजा, परिवार में मचा कोहराम

चार भाई-बहनों में बड़ा था शिवम

हादसे के बाद ट्रैक्टर ट्रॉली ओवरलोड होने की बात कही जाती रही। एक दिन पहले ही यातायात माह नवंबर की शुरुआत हुई है। इधर, हादसे के बाद नियमों की अनदेखी भी सामने आ गई। जिसे लेकर चर्चाएं की जाती रही। मृतक शिवम चार भाई बहनों में सबसे बड़ा और अविवाहित था। उससे छोटी बहन महिमा और दो भाई सत्यम व छुट्टन हैं। पिता की गांव में ही दुकान है। सत्यम कहीं बाहर रहकर काम कर रहा है।

> ट्रैक्टर ट्रॉली और बाइक की टक्कर हो गई थी। हादसे में बाइक सवार की मौत हुई है। शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वाहन पुलिस ने कब्जे में लिए हैं। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई कराई जाएगी। – **दिगंबर सिंह**, कोतवाल दियोरियाकलां

पिंजड़े में 36 घंटे से कैद तेंदुआ को मिली आजादी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

पिंजड़े में कैद तेंदुआ।

- दो नामजद समेत अज्ञात के विरुद्ध विभागीय केस दर्ज, जांच जारी
- शनिवार सुबह लदपुरा गांव के पास फंदे में फंसे तेंदुए का मामला

अमृत विचार: फंदे में फंसने के बाद रेस्क्यू किए गए तेंदुआ को आखिकार 36 घंटे बाद पिंजड़े से आजादी मिल गई। अधिकारियों के निर्देश पर तेंदुआ को पीलीभीत टाइगर रिजर्व के जंगल में छोड़ दिया गया। इधर इस मामले में सामाजिक वन प्रभाग की ओर से दो नामजद समेत अज्ञात के विरुद्ध विभागीय केस दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी गई है।

शनिवार सुबह मरौरी ब्लॉक के गांव लदपुरा के समीप एक तेंदुआ लोहे के तार के बने फंदे में फंस गया था। ग्रामीणों ने इसकी जानकारी वन विभाग को दी। जिसके बाद सामाजिक वानिकी प्रभाग के डीएफओ भरत कुमार डीके टीम के साथ मौके पर पहुंचे थे। तेंदुआ को रेस्क्यू करने का प्रयास किया गया, मगर टीम सफल नहीं हो सकी। इस पर डीएफओ ने मामले से उच्चाधिकारियों को अवगत कराते हुए तेंदुआ का ट्रेंकुलाइज कर रेस्क्यू करने की अनुमति मांगी थी। शासन से अनुमति मिलने के बाद ट्रेंकुलाइज एक्सपर्ट डॉ. दक्ष गंगवार की मदद से फंदे में फंसे तेंदुआ को ट्रेंकुलाइज कर रेस्क्यू कर लिया गया था। इसके बाद रेस्क्यू किए गए तेंदुआ को सामाजिक वानिकी प्रभाग मुख्यालय लाकर निगरानी में रखा गया था। तेंदुआ के रेस्क्यू किए जाने की जानकारी उच्चाधिकारियों को दे दी गई थी। तेंदुआ को छोड़ने के संबंध में उच्चाधिकारियों के आदेश का इंतजार किया जा रहा था। इधर घटना के दूसरे दिन भी सामाजिक वानिकी प्रभाग फंदे की गुत्थी को नहीं सुलझा सका। हालांकि रेंज कार्यालय में इस मामले में दो नामजद समेत अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

> रेस्क्यू किए गए तेंदुआ को अधिकारियों के निर्देश पर पीलीभीत टाइगर रिजर्व में रिलीज किया गया है। इस मामले में विभागीय केस दर्ज करने के साथ छानबीन की जा रही है। जल्द ही आरोपियों को पकड़ा जाएगा। – **भरत कुमार डीके**, डीएफओ सामाजिक वानिकी प्रभाग

फुटबॉल टूर्नामेंट की हुई शुरुआत

मझोला, अमृत विचार: श्रीगुरु गोविंद सिंह फुटबॉल टूर्नामेंट की रविवार से शुरुआत हुई। चीनी मिल खेल मैदान में हुए टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में न्यूरिया कॉलोनी और बनबसा की टीमें आमने-सामने रहीं। रोमांचक मुकाबले में बनबसा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4-0 से जीत दर्ज की। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, प्रदीप शर्मा, रजनीश भटनागर, रंजन अग्रवाल, तेजेन्द्र सिंह, होशियार सिंह आदि मौजूद रहे।

नाप के दौरान राजस्व टीम के सामने मारपीट

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- अधिकारियों के सामने एक पक्ष ने कर दिया दूसरे पर हमला
- सूचना पर पहुंची पुलिस, हंगामे के बीच राजस्व टीम को लौटना पड़ा

अमृत विचार : जमीन की नाप को लेकर सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला भूरे खां में रविवार दोपहर नायब तहसीलदार और राजस्व टीम के सामने ही एक पक्ष ने दूसरे पर हमला बोल दिया। मारपीट में एक युवक घायल हो गया। राजस्व टीम को अपनी सुरक्षा को देखते हुए मौके से भाग खड़ी हुई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन हमलावर तब तक भाग गए। पुलिस ने घायल का मेडिकल कराया है।

कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला भूरे खां में विवादित भूमि की नपत के लिए रविवार दोपहर नायब तहसीलदार प्रखर टीम के साथ पहुंचे थे। बताते हैं कि पुलिस को कोई सूचना नहीं दी गई थी। मौके पर एक पक्ष के करीब 20 लोग पहले से ही लाठी-डंडे लेकर मौजूद थे। जैसे ही नपत की प्रक्रिया शुरू हुई, दूसरे पक्ष ने आपत्ति जताते हुए कहा कि राजस्व टीम के साथ पुलिस बल नहीं है और नपत के दौरान अभिलेख भी एक ही पक्ष के पास हैं। इस बात पर नायब तहसीलदार के सामने दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते मारपीट हो गई। एक पक्ष के लोगों ने अफसार मियां नामक युवक पर हमला कर दिया, जिससे वह लहूलुहान हो गया। घटना के बाद राजस्व टीम मौके से भाग गई। बताते हैं कि पूर्व में भी कई बार पैमाइश हो चुकी है। साथ ही कई बार टकराव की स्थिति बन चुकी है। सूचना मिलने पर कोतवाल सत्येंद्र कुमार पुलिस बल के साथ पहुंचे लेकिन तब तक हमलावर भाग चुके थे। पुलिस ने घायल को अस्पताल भिजवाया।

ईओ ने भी पोल्ट्री फार्म हटाने को दिया था नोटिस

इस मामले में कॉलोनाइजर ने पोर्टल पर पोल्ट्री फार्म की शिकायत की थी। इस पर गत दिनों ईओ संजीव कुमार टीम के साथ मौके पर गए थे और आबादी के बीच से पोल्ट्री फार्म हटाने के लिए नोटिस दिया था। इससे पहले भी इस जमीन को लेकर विवाद हो चुका है। नजदीक में ही कॉलोनी स्थापित की जा रही है। ऐसे में चर्चा ये भी है कि कॉलोनी के रास्ते में पोल्ट्री फार्म बाधा बन रहा है।

> कोर्ट के आदेश के अनुपालन में नाप कराई जा रही थी। दोनों पक्षों में मतभेद के चलते कहासुनी हो गई थी। पुलिस को सूचना दी गई थी और नपत पूरी हो चुकी है। रिपोर्ट जिला प्रशासन और हाईकोर्ट को भेजी जा रही है। – **श्रद्धा सिंह**, एसडीएम सदर

यज्ञ में दी आहुतियां जन कल्याण की कामना की

बीसलपुर, अमृत विचार: शान्तिकुंज हरिद्वार द्वारा संचालित स्टेशन रोड पर स्थित गायत्री शक्तिपीठ बीसलपुर में विश्व शांति व जन कल्याण के लिए गायत्री यज्ञ और गोष्ठी सामूहिक जप ध्यान का आयोजन हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में परिजनों ने भागीदारी की। बीसलपुर के मुख्य प्रबन्ध ट्रस्टी सत्यपाल सिंह यादव ने कहा कि परिवर्तनकारी युग में जागृत और जीवंत प्रतिभाशाली कर्मवीरों की बहुत बड़ी आवश्यकता है। सभी परिजन नवयुग के निर्माण में अपनी भागीदारी का संकल्प लें। कार्यक्रम में परिजनों ने यज्ञ में आहुतियां दी। यज्ञ परिक्रमा कर जयघोष एवं आरती की गई।

मटेहना के युवक की फिरोजाबाद में मौत

संवाददाता, घुंघचिहाई

मृतक अजीत।

- कंबाइन चलाते वक्त हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से हुई युवक की मौत
- साथियों से मिली सूचना पर परिजन फिरोजाबाद रवाना

अमृत विचार: ग्राम मटेहना के युवक की फिरोजाबाद जिले में कंबाइन से धान काटने के दौरान करंट लगने से मौत हो गई। वह खेत के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया था। कंबाइन में भी आग लग गई थी। साथ गए श्रमिकों से सूचना पर परिवार वाले भी पहुंच गए। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मचा रहा। एटा पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है।

महेटना गांव निवासी अजीत (22) कंबाइन चलाता था। वह 16 सितंबर को गांव के ही सर्वेश, अरविंद के साथ फिरोजाबाद के सिकोहाबाद तहसील क्षेत्र के हुसैनपुरा गांव में कंबाइन चलाने गया था। रविवार दोपहर 12 बजे परिवार को अजीत के करंट लगने से मौत होने की जानकारी मिली। साथ गए श्रमिकों ने बताया कि अजीत कंबाइन चला रहा था। खेत में धान कटाई करने के दौरान हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर उसकी मौत हो गई। कंबाइन में भी आग लग गई। स्थानीय पुलिस द्वारा शव का पोस्टमार्टम को भेज दिया। इधर, अजीत की मौत की सूचना मिलते ही घर में चीख पुकार मच गई। पिता राधेश्याम ने बताया कि उनके पास नाममात्र जमीन है। तीन पुत्र हैं जिसमें अजीत दूसरे नंबर का था। सीजन में कंबाइन चलाने जाता था। परिवार का भरण पोषण करता था।

परिवार की खुशियां मातम में बदली

अजीत की बहन शीतल की इसी माह 25 नवंबर को शादी है। इसे लेकर घर परिवार में खुशनुमा माहौल था। बहन की धूमधाम से शादी करने की तैयारी अजीत भी कर रहा था। मगर, हादसे में बहन की शादी से पहले ही उसकी मौत हो गई। ये खबर सुनकर बहन का भी रोकर बुरा हाल रहा। फिलहाल पिता के साथ परिवार के कई सदस्य एटा के लिए रवाना हो गए हैं। ताकि शव गांव लाया जा सके।

रोड पर उड़ रही धूल से राहगीर हो रहे परेशान

एक दिन पहले कराया जाता रहा पानी का छिड़काव। ● अमृत विचार

रविवार दोपहर को धूल के गुबार के बीच गुजरते राहगीर। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- असम चौराहा पर निर्माणाधीन फ्लाईओवर के चलते मुश्किलों भरी राह

अमृत विचार: असम रोड चौराहा पर फ्लाईओवर का निर्माण कार्य पूरा होने में अभी काफी इंतजार करना पड़ेगा। निर्माण कार्य के चलते उड़ती धूल राहगीरों के लिए मुसीबत बनी हुई है। पिछले दिनों वीआईपी जनपद में आए तो कुछ राहत मिल सकी थी। पानी का छिड़काव कराया जाता रहा , लेकिन अब दोबारा से धूल का गुबार राहगीरों के लिए मुसीबत बन चुका है। एक तरफ कपड़ों में धूल लग रही है, वहीं सांस के रोगियों को अधिक दिक्कत आ रही है।शहर के बाहरी इलाके में यातायात व्यवस्था सुगम बनाने के लिए असम चौराहे पर फ्लाईओवर निर्माण कराया जा रहा है। 1.08 किमी लंबे फ्लाईओवर का निर्माण कार्य वर्ष 2022 से चल रहा है, जो कि अभी तक पूरा नहीं हो सका है। दिवाली के बाद श्रमिकों की वापसी होते ही दोबारा से काम चालू हो चुका है।

मार्ग पर कई जगह खोदाई की गई है। मिट्टी के ढेर भी लगे हुए हैं। ऐसे में बड़े वाहनों की आवाजाही और हवा चलने पर धूल का गुबार उड़ता है। बड़ी संख्या में आवागमन इस मार्ग पर होता है। राहगीरों की दिक्कतों कम नहीं हो पा रही है। जिम्मेदार जनवरी 2026 तक काम पूरा कराने की बात कह रहे हैं लेकिन वर्तमान में परेशानियां राहगीरों को झेलनी पड़ रही हैं। अभी गत दिनों विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए वीआईपी एंट्री हुई। इस दौरान दिन में कई बार पानी के टैंकर लगाकर छिड़काव भी कराया जाता रहा। जिससे दिग्गजों के साथ ही आम राहगीरों को भी कुछ राहत मिली थी। मगर, अब पुनः हालात जस के तस बन गए हैं।धूल के गुबार ने राहगीरों की मुसीबत बढ़ा दी है। एक किमी के हिस्से से गुजरने के दौरान धूल के गुबार से होकर जाना पड़ता है। राहगीरों का कहना है कि अगर पानी का छिड़काव कराया जाता रहे, तो कुछ राहत मिलेगी।

दुकानों पर रखे खाद्य पदार्थ में भी पहुंचती है धूल

चौराहा व आसपास के हिस्से में कई चाय नाशते आदि खाद्य पदार्थ की दुकानें है। चौराहा पर दिन ही नहीं देर रात तक यात्रियों की भीड़ रहती है। खाद्य पदार्थ की दुकानों पर सामान खुले में ही रखा जाता है। उस पर भी धूल उड़कर पहुंचती रहती है। जिसका सेवन यात्री करते हैं। ऐसे में उनकी सेहत पर भी इसका बुरा प्रभाव पड़ सकता है। इस दिशा में भी कोई सख्त कदम नहीं उठाया जा सका है।

NSNH NEW SHRI NARAYANA HOSPITAL
न्यू श्री नारायणा हॉस्पिटल
डा. प्रदीप कुमार एम.बी.बी.एस., एम.एस. Retd. ACMO जनरल सर्जन
डॉ. राम निवास एम.बी.बी.एस. एम.डी. (एनेस्थेसियोलॉजिस्ट) जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ
डॉ. राजा गुप्ता जनरल फिजिशियन
डॉक्टर्स पैनल
डा. प्रदीप कुमार | डा. ओमवती | डा. अहमद अली अंसारी | डा. राम निवास | डा. कुन्दन कुमार | डा. अमन अग्रवाल | डा. सुजाय मुखर्जी | डा. निशान्त गुप्ता | डा. प्रिया सिंह | डा. आशुतोष कुमार | डा. रहबर इदरीश | डा. राजा गुप्ता
उपलब्ध सुविधायें :
● सिर एवं चेहरे की समस्त चोट, बुखार, खांसी, मलेरिया, टायफाइड का इलाज ● दिमाग एवं रीढ़ की हड्डी के समस्त प्रकार के आपरेशन की सुविधा ● दूरबीन विधि द्वारा पेट के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा ● दूरबीन विधि द्वारा गुर्दा (किडनी) एवं मूत्र रोगों के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा। ● छोटे चीरे द्वारा हड्डी के समस्त आपरेशन एवं जोड़ प्रत्यारोपण ● घुटना व कूल्हा बदलने की सुविधा उपलब्ध ● नॉर्मल डिलीवरी व दर्द रहित प्रसव एवं बच्चेदानी के समस्त प्रकार के आपरेशन ● बच्चों के समस्त प्रकार के रोगों को इलाज ● वेन्टीलेटर, वाईपाइप युक्त ICU, NICU
डॉ. विवेक कुमार मैनेजिंग डायरेक्टर
ठाकुर हरीश रावत चेयरमैन
समस्त प्रकार के दूरबीन व चीरे वाले ऑपरेशन की सुविधा 24x7 भर्ती एवं एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध
लाल फाटक शांतिकुंज स्कूल के पास, निकट ओवर ब्रिज, बदायूं रोड, बरेली
हेल्पलाइन नं. : 8057953868

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न ● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा) ● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य ● कैशलेस ईलाज
बरेली का सबसे बड़ा केवल आंखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल... नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

बवासीर-भगन्दर-फिशर
पाइलोनाइडल साइनस Mob.: 8126164170
डॉ. वी.के. सिसोदिया वरिष्ठ क्षार सूत्र विशेषज्ञ B.Sc., B.A.M.S. Proctologist (Ayur.), N.D.D.Y., C.C.K.S. (MUMBAI)
बरेली एनोरक्टल क्लीनिक

डॉ. प्रेम गंगवार B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior) वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक मो. 8859517808
सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
11 वर्षों का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी) Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल

डॉ. दर्शन मेहरा एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन) Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

न्यूज ब्रीफ

पेंशनर्स कल्याण संस्था की बैठक कल

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश पेंशनर्स कल्याण संस्था के जिला मंत्री नरेश चंद्र वर्मा ने बताया कि जनपद शाखा की बैठक 4 नवंबर मंगलवार को सुबह 10 :30 बजे पेंशनर्स भवन जिला कोषागार में आयोजित होगी, जिसकी अध्यक्षता डॉ. ओपी श्रीवास्तव करेंगे। बैठक में संस्था के अधिवेशन, पेंशन कम्यूटेशन, नए सदस्य बनाने व वर्तमान सदस्यों का नवीनीकरण करने के संबंध में विचार-विमर्श किया जाएगा।

50 प्रतिशत अनुदान पर मिलेंगे रबी के बीच

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : जिला कृषि अधिकारी सूर्य प्रताप सिंह ने बताया कि रबी फसलों के प्रमाणित बीज जैसे चना, मटर मसूर, सरसों और गेहूं आदि 50 प्रतिशत अनुदान पर किसानों को उपलब्ध कराया जा रहा है। किसान राजकीय कृषि बीज भंडारणों से बीच प्राप्त कर सब्सिडी ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक किसान को दो हेक्टेयर के लिए बीज उपलब्ध कराया जाएगा।

हाईटेंशन लाइन के टूटे तार से गन्ना जला

बेहजम, अमृत विचार : थाना नीमगांव के गांव बेहटा में 11 हजार की हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर गांव निवासी अमर सिंह के गन्ने के खेत में गिर गया। इससे गन्ने में आग लग गई। जब तक लोग समझ पाते और आग पर काबू करने का प्रयास करते। इससे पहले ही गन्ना जलकर नष्ट हो गया। किसान का कहना है कि उन्होंने कई बार बिजली विभाग के अधिकारियों को जर्जर तार बदलने के लिए मांग पत्र दिया था, लेकिन अफसरों ने कोई ध्यान नहीं दिया।

सप्तरंग सांस्कृतिक सप्ताह आज से

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : भारत विकास परिषद का सप्तरंग सांस्कृतिक सप्ताह 2025 का आयोजन 3 नवंबर 2025 से 9 नवंबर 2025 तक होगा। सोमवार को गुरुनानक विद्यक सभा बालिका इंटर कॉलेज में कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। इस दौरान पर्यावरण गोष्ठी आयोजित होगी। मंगलवार को श्रीराम चरित मानस एवं श्रीमद् भगवत गीता प्रश्नमंच आदि कार्यक्रम आयोजित होंगे।

आयुष्मान आरोग्य मेले में 98 मरीजों का हुआ इलाज

संवाददाता, मझगईं

- छेदुई पतिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में लगा मेला

अमृत विचार: निघासन विकासखंड के छेदुई पतिया पीएचसी में रविवार को आयोजित आयुष्मान आरोग्य मेला में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने अपनी जांच और उपचार कराया। मेले में डॉ. शोएब खान ने कुल 98 मरीजों का इलाज किया, जिनमें 43 पुरुष, 48 महिलाएं और 7 बच्चे शामिल थे।

अस्पताल पहुंचने वाले अधिकांश मरीज बुखार, खांसी-जुकाम, कमर, गर्दन और घुटनों के दर्द, जोड़ों के दर्द तथा सिरदर्द की शिकायत लेकर आए थे। इसके अलावा डायबिटीज, टाइफाइड और एलर्जी से पीड़ित मरीजों की भी जांच की गई। लैब टेक्नीशियन संघ प्रकाश ने 16 मरीजों के शुगर, टाइफाइड, मलेरिया और हीमोग्लोबिन की जांच की। डॉ. खान ने बताया कि हर रविवार को आयोजित इस मेले में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। अधिकांश मरीजों को अस्पताल से ही आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराई गईं, जबकि कुछ दवाएं बाहर से लाने के लिए प्रिस्क्रिप्शन दिया गया। मेले के दौरान लैब टेक्नीशियन संघ प्रकाश, वार्ड बॉय तेज प्रकाश, वॉचमैन नरेंद्र कुमार सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

मैलानी से पलिया और बेलरायां होते हुए नानपारा तक इंजन दौड़ाकर किया ट्रायल

4 माह से बंद मैलानी-नानपारा रेलखंड पर 4 से चलेंगी ट्रेनें

संवाददाता, पलियाकलां

अमृत विचार: मैलानी-नानपारा रेलखंड चार महीने से बंद है। इस रेलखंड पर यात्रा करने वाले मुसाफिरों के लिए खुशी की खबर है कि रविवार को ट्रायल हो गया और अब चार नवंबर से ट्रेनें चलने लगेंगी। इससे लोगों के लिए नानपारा तक के लिए यात्रा सुगम हो जाएगी।

पलिया-भीरा के मध्य अतरिया के आगे चार माह महीने पहले जून में शारदा नदी का जल रेलवे ट्रैक के नीचे से निकलने लगा था। जिसे देखकर रेलवे प्रशासन ने इस रूट पर ट्रेनों का संचालन बंद कर दिया था। जिससे क्षेत्रीय लोगों की परेशानी बढ़ गई थी। इस पर रेल चलाओ पलिया क्षेत्र बचाओ संघर्ष समिति के संयोजक कमलेश राय के नेतृत्व में करीब दो सप्ताह तक क्रमिक धरना-प्रदर्शन करते हुए तहसीलदार पलिया ज्योति वर्मा को प्रधानमंत्री, केंद्रीय रेल मंत्री व मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपकर तत्काल ट्रेन चलाने की मांग की थी। इसके अतिरिक्त क्षेत्र के हजारों नागरिकों ने भी रेल अधिकारियों को डाक से पत्र भेजकर तत्काल ट्रेन चलाने की मांग की थी।

रेलवे स्टेशन पर रेल ड्राइवर व अधिकारियों का स्वागत करते स्टेशन अधीक्षक एवं नागरिक।

उधर, बेलरायां एवं बिछिया आदि स्टेशनों पर भी लोगों ने धरना प्रदर्शन कर रेल अधिकारियों को ज्ञापन सौंपे थे। समाजसेवी राजेश भारतीय द्वारा इस संदर्भ में उच्च न्यायालय में एक मुकदमा भी दायर किया गया था। इन सबको देखते हुए रेलवे के उच्च अधिकारियों के निर्देश पर चार नवंबर से मैलानी से पलिया-बेलरायां होते हुए नानपारा तक दो ट्रेन चलाई जाएगी। रेलवे सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इसकी सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

मैलानी के एईएन रेलवे, पीडब्ल्यूआई व तिकुनियां के पीडब्ल्यूआई के दिशा निर्देशन व मौजूदगी में आज रेलवे के पॉवर इंजन द्वारा मैलानी से भीरा, पलिया, बेलरायां, तिकुनिया, निसान गाढ़ा होते हुए नानपारा तक रेल पथ पर ट्रायल किया गया। जिसे रेलवे ड्राइवर तेजराम मीना ने चला कर सब की बाहवाही लूटी।

पलिया रेलवे स्टेशन पहुंचने पर स्टेशन अधीक्षक रमेश कुमार सहित सभी रेल कर्मचारियों व कई नागरिकों ने रेलवे स्टेशन पर सभी रेल अधिकारियों व रेलइंजन ड्राइवर का स्वागत किया। इसके बाद चालक रेलवे इंजन लेकर दुधवा होते हुए आगे बढ़ गया। रेलवे सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ट्रायल पास हो गया है।अब नानपारा में खड़े दो ट्रैक लेकर यही पावर इंजन सोमवार को मैलानी लौटेगा। जिसमें वहां खड़ा एक अन्य रैक जोड़कर 4 नवंबर से इस रूट पर एक ट्रेन 52262 जाएगी व एक ट्रेन 52261 आएगी। इससे क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर है।

चक्रवात का असर खत्म, कोहरे से ढकी तराई

सुबह भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में छाया रहा घना कोहरा, नौ बजे के बाद दिखा सूरज, ठंड ने भी दे दी दस्तक

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: चक्रवात के असर के कारण तीन दिनों तक हुई बारिश थमने के बाद रविवार को तराई का इलाका कोहरे से ढक गया। मौसम के बदलने के साथ ही अब कोहरे ने भी दस्तक दे दी है। रविवार की सुबह भारत-नेपाल सीमा से सटा इलाका घने कोहरे की चादर से लिपट गया। हालात यह थे कि वाहन चालकों को लाइट और पार्किंग लाइटों को जलाकर चलना पड़ा। सुबह करीब नौ बजे कोहरा छंटा तो लोगों को सूर्य के दर्शन हुए।

मोंथा चक्रवात का असर जिले में चार दिन देखने को मिला। रिमझिम तो कहीं तेज बारिश से खेतों में कटी पड़ी धान की फसल बर्बाद हो गई। चक्रवात का असर समाप्त होने के बाद मौसम में बदलाव के साथ ही अब तराई क्षेत्र में सर्दी का असर दिखने लगा है। रविवार सुबह भारत-नेपाल सीमा से सटे इलाकों में घना कोहरा छा गया। कोहरे की परत इतनी घनी थी कि चारों ओर कुछ ही मीटर तक देख पाना मुश्किल हो गया। दृश्यता अत्यंत कम होने के कारण सड़कों पर चलने वाले वाहन चालकों को हेडलाइट और पार्किंग लाइट जलाकर चलना पड़ा।

सुबह-सुबह काम पर निकलने वाले लोग, किसान और स्कूल जाने वाले बच्चे कोहरे के कारण परेशान दिखाई दिए। बाइक सवारों को धीरे-धीरे चलना पड़ा, वहीं बसों और ट्रकों की रफ्तार भी सामान्य से काफी कम रही। कई जगहों पर सड़कों पर वाहन एक-दूसरे को मुश्किल से देख पा रहे थे। कोहरे के साथ ही ठंडी हवाओं ने भी लोगों को कंपकपा दिया। खेतों में खड़ी फसलों पर ओस की मोटी परत जम गई। किसान इसे मौसम के बदलने का संकेत मान रहे हैं। उनका कहना है कि कोहरे के आने से अब ठंड का असर बढ़ेगा। करीब नौ बजे जब सूरज की किरणें धरती पर उतरीं, तब जाकर कोहरे की परत धीरे-धीरे छंटनी शुरू हुई और लोगों को सूर्य के दर्शन हुए। इसके बाद सड़क यातायात सामान्य होने लगा।

रविवार को अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिनों में न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है। सुबह और देर रात कोहरे की तीव्रता बढ़ने की संभावना है। विभाग ने वाहन चालकों को सुबह और शाम के समय सतर्कता बरतने की सलाह दी है।

घने कोहरे से ढका कस्बा बेलरायां। ● अमृत विचार

कोहरे में यह बरतें सावधानियां

- आगे चल रहे वाहन से करीब 30-50 मीटर की दूरी बनाएं रखें।
- वाहन के आगे और पीछे रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप लगाएं।
- दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग करें।
- रात में वाहन चलाते समय फॉग लाइट का अवश्य प्रयोग करें।
- वाहन 20-30 किमी प्रति घंटा की स्पीड से चलाएं।
- हाईवे पर सड़क किनारे वाहन खड़ा करते समय आगे और पीछे के इंडीकेटर जला कर रखें।
- कोहरे की धुंध में सड़क पर लगे साइन मार्क और ब्लिंकर्स साइन देख कर चलें।
- बिना लाइट के कतई वाहन को न चलाएं।
- वाहनों में लो बीम लाइट का प्रयोग करें, ताकि सामने से आने वाले वाहन चालक को दिक्कतें न हो।

पुलिस ने ग्राम प्रधानों को दी बदले नियमों की जानकारी

खेतौसा में प्रधानों को जानकारी देते एसआई हेमंत कटियार। ● अमृत विचार

संवाददाता, केशवापुर

अमृत विचार: थाना हैदराबाद पुलिस ने खेतौसा ग्राम पंचायत सभागार में प्रधानों के साथ बैठक कर बदले हुए नियमों कानूनों की जानकारी दी।

उपनिरीक्षक खेमेंद्र कुमार और हेमंत कटियार ने बताया कि तलाशी और जब्ती की वीडियोग्राफी कार्यवाही के दौरान ऑडियो वीडियो इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से रिकॉर्डिंग अनिवार्य कर दी हैं। इलेक्ट्रॉनिक समन, वारंट और अन्य न्यायिक दस्तावेजों को भेजने के लिए इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों, हिट एंड रन के लिए कठोर दंड नया और कठोर प्रावधान है। यदि ड्राइवर दुर्घटना के बाद पुलिस या मजिस्ट्रेट को सूचित किए बिना भागता है तो 10 साल तक की सजा और जुर्माने का प्रावधान है।

राजद्रोह और आत्महत्या के प्रयास की धारा को हटा दिया है। पीड़ितों को दंड के बजाय देखभाल, उपचार और पुनर्वास प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करता है। अनिवार्य फॉरेंसिक साक्ष्य उन अपराधों के लिए जिनमें सात वर्ष या उससे अधिक कारावास की सजा है। पुलिस के लिए अपराध स्थल पर फॉरेंसिक विशेषज्ञ को बुलाना और साक्ष्य संग्रह का दस्तावेजीकरण करना अनिवार्य होगा। बैठक में प्रधान नत्थूलाल, जसवंत वर्मा, पंकज शर्मा, किशोरी लाल वर्मा, जवाहरलाल, विश्वदेव वर्मा आदि मौजूद रहे।

एसपी ने ठूठवा मेले की तैयारियों को देखा

संवाददाता, धौरहरा

अमृत विचार: कार्तिक पूर्णिमा पर लगने वाले ऐतिहासिक ठूठवा मेला कतकी मेला की तैयारियों को लेकर रविवार को एसपी संकल्प शर्मा ने मेला स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्नान घाटों, यातायात व्यवस्था और सुरक्षा प्रबंधों की बारीकी से समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान एसपी ने कहा कि कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है, ऐसे में सभी व्यवस्थाएं सुदृढ़ और व्यवस्थित रहनी चाहिए। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, शौचालय, चिकित्सा सुविधा, नियंत्रण कक्ष और सहायता केंद्र जैसी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित की जाएं। एसपी संकल्प शर्मा ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए महिला पुलिसकर्मियों की संख्या बढ़ाई जाए तथा संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त निगरानी रखी जाए। यातायात व्यवस्था की समीक्षा करते हुए एसपी ने कहा कि मेले के दौरान पूर्व निर्धारित ट्रैफिक रूट प्लान को सख्ती से लागू किया जाए ताकि भीड़भाड़ या जाम की स्थिति न बने। साथ ही पार्किंग स्थलों को स्पष्ट रूप से चिन्हित करने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सीओ धौरहरा शमशेर बहादुर सिंह, थानाध्यक्ष ईसानगर निर्मल तिवारी, धौरहरा प्रभारी निरीक्षक शिवाजी दुबे सहित पुलिस बल मौजूद रहा।

ईसानगर के ठूठवा मेले का निरीक्षण करते एसपी संकल्प शर्मा। ● अमृत विचार

- कार्तिक पूर्णिमा स्नान से पहले सुरक्षा व ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर दिए निर्देश

मैच देखकर लौट रहे युवक पर हमला

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: थाना खीरी क्षेत्र के श्यामलालपुरवा निवासी मोहम्मद उबैद ने बताया कि मोहल्ला बाजार निवासी उसका मौसेरा भाई मोहम्मद सालिम फुटबॉल मैच देखने कलर फील्ड गया था। वहां उसका झगड़ा हकीक, अरबाज, वसीक और तीन अज्ञात युवकों से हुआ था। दिन में सुलह होने के बाद शनिवार शाम करीब 5:30 बजे जब सालिम मैच देखकर पुलिया के पास से लौट रहा था, तभी उन्हीं लोगों ने दोबारा उसे गाली गलौज करते हुए रोक लिया और ईंट व लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में सालिम को गंभीर चोटें आईं। नाक पर ईंट लगने से काफी खून बहा। मौके पर भीड़ एकत्र होने पर हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। घायल सालिम को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। एसओ निराला तिवारी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

24 को जंतर-मंतर चलो की तैयारी में शिक्षक संघ

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ की बैठक रविवार को शहर स्थित छाउछ में एक मैरिज लॉन में हुई। बैठक में डिजिटलाइजेशन और ऑनलाइन रजिस्टरों का विरोध मुखर हुआ। साथ ही 24 नवंबर को जंतर मंतर चलो आंदोलन की तैयारी पर चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विनोद कुमार मिश्रा ने की, जबकि संयोजन जिला महामंत्री संतोष भार्गव ने किया।

बैठक में टीईटी की अनिवार्यता के विरोध में आगामी 24 नवंबर को दिल्ली के जंतर मंतर पर होने वाले आंदोलन की तैयारी और इस आंदोलन की रूपरेखा, ब्लू प्रिंट और शिक्षक सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए रणनीति तय की गई। डिजिटलाइजेशन और ऑनलाइन रजिस्टरों के विरोध पर चर्चा, शिक्षकों के चयन वेतनमान, ई सर्विस बुक और संगठन की सदस्यता पर विशेष चिंतन मंथन किया गया।

बैठक में जिलाध्यक्ष विनोद मिश्रा ने कहा कि शिक्षक समाज अब अन्याय नहीं सहेगा। टीईटी की अनिवार्यता जैसी पुनरावृत्ति न केवल पहले से कार्यरत शिक्षकों के सम्मान को ठेस पहुंचाती है, बल्कि यह शिक्षण व्यवस्था पर अविश्वास भी प्रकट करती है। संगठन इस अनावश्यक शर्त का सख़्त विरोध करता है। 24 नवंबर को लाखों शिक्षक दिल्ली के जंतर मंतर पर अपनी आवाज बुलंद करेंगे। कहा कि सभी ब्लॉक अध्यक्ष अपने-अपने क्षेत्रों में तत्काल बैठकें आयोजित करें, और अपने ब्लॉक के शिक्षकों की सूची तैयार कर आंदोलन के लिए उनकी सहभागिता सुनिश्चित करें। प्रत्येक ब्लॉक से पर्याप्त संख्या में शिक्षक दिल्ली पहुंचें, यह सुनिश्चित करना संगठन का सामूहिक दायित्व है।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि 16 जुलाई 2024 को शासन और संगठन के बीच हुए समझौते के अनुसार जब तक गठित कमेटी का निर्णय नहीं आ जाता, तब तक किसी भी प्रकार की ऑनलाइन उपस्थिति या रजिस्टर प्रणाली स्वीकार नहीं की जाएगी। यदि किसी जनपद में अधिकारियों द्वारा वेतन रोकने या दंडात्मक कार्रवाई की जाती है, तो संगठन सामूहिक आंदोलन के लिए बाध्य होगा। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष राम प्रकाश त्रिवेदी, जिला महामंत्री संतोष भार्गव आदि मौजूद रहे।

बैठक में मौजूद जिलाध्यक्ष विनोद कुमार मिश्रा व शिक्षक। ● अमृत विचार

- डिजिटलाइजेशन और ऑनलाइन रजिस्टरों के विरोध में मुखर हुए शिक्षक

खेल महोत्सव: कबड्डी प्रतियोगिताओं का किया आयोजन

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: स्वच्छ भारत नगरीय के अंतर्गत नगर पालिका परिषद द्वारा आयोजित युवा शक्ति का उत्सव गोला खेल महोत्सव के द्वितीय दिवस बालक और बालिका वर्ग में कबड्डी प्रतियोगिताएं कराई गईं।

गांधी स्मारक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के मैदान में मुख्य अतिथि समाजसेवी डॉ. समर्पित मिश्रा, विशिष्ट अतिथि गांधी स्मारक विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. सौरभ दीक्षित, गोला पब्लिक स्कूल के प्रबंधक बीए खान, भारत विकास परिषद छोटी काशी के अध्यक्ष अनुज खरे, समाजसेवी दीपक हालन, उन्नकिसेस कोचिंग संस्थान संचालक विनीत सिंह भदौरिया, धीरज टंडन, प्रमोद सिंह, रामनरेश मिश्रा एवं पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने फीता काटकर शुभारंभ किया। पहला मैच बालिका अंडर 17 कोर्ट नंबर दो पर कस्तूरबा आवासीय बालिका विद्यालय अहमदनगर और रन स्पोर्ट्स क्लब गोला के मध्य हुआ। जिसमें 23-7 से कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय अहमदनगर विजेता रही। विजेता टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को मुख्य अतिथि डॉ. स्मिता तिवारी ने 101 रुपये नगद राशि दी। दूसरा मैच अंडर 19 बस्लीपुर और सेंट जॉन्स गोला के मध्य प्रारंभ हुआ, जिसमें वसलीपुर की टीम 40-12 अंक प्राप्त कर विजयी रही।

तीसरा मैच इस्लामनगर और चौहान क्लब के मध्य प्रारंभ हुआ, जिसमें 27-16अंकों से यह मैच चौहान क्लब ने जीतकर अगले राउंड में पहुंची। अंडर-19 बालिका वर्ग में फाइनल में कृषक समाज इंटर कॉलेज और रन स्पोर्ट्स क्लब के मध्य हुआ, जिसमें रन स्पोर्ट्स ने 28-14अंकों से विजय प्राप्त की। फाइनल में अंडर 17 बालिका वर्ग में कस्तूरबा आवासीय बालिका विद्यालय अहमदनगर और कस्तूरबा आवासीय विद्यालय बांकेगंज के मध्य हुआ, जिसमें 18-16 से कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय बांकेगंज विजेता रही। अंडर 19 वर्ग में रन स्पोर्ट्स और कृषक समाज इंटर कालेज के मध्य हुआ, जिसमें रन स्पोर्ट्स 25-12 से जीत लिया।

अंडर 17 बालक वर्ग में गांधी विद्यालय और कृषक समाज के मध्य हुआ जिसमें कृषक समाज 44-09 से विजेता रहे। अंडर 19 बालक वर्ग में चौहान क्लब और बसलीपुर के बीच मैच हुआ, जिसमें बसलीपुर 39-19 से विजयी रहा। गोला खेल महोत्सव संयोजक श्याममूर्ति शुक्ला, सभासद सुरेश जायसवाल, साहिद अंसारी, कफील अहमद, एसआई संदीप वर्मा, लेखाकार मोहित अवस्थी, जेई अनिल यादव, रविन्द्र कटियार, निर्णायक कुलदीप वर्मा, राजू बाथम, निशान्त वर्मा, अनुज भारद्वाज, सलामत अली, पंकज वर्मा, जगवीर यादव, ऋषिकेश पांडे, प्रियम शुक्ला, धनंजय यादव, नसरफ अली, सारिका रानी, चित्रा त्रिपाठी, कदीर, वीरेन्द्र भारद्वाज, राजर्षि शुक्ला आदि मौजूद रहे।

गोला के गांधी विद्यालय में कबड्डी प्रतियोगिता में दमखम दिखातीं बालिकाएं।

बालिका वर्ग की विजयी टीम को पुरस्कृत करतीं डॉ. स्मिता तिवार। ● अमृत विचार

- अंडर-17, अंडर-19 बालक और बालिका वर्ग के खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

गोला खेल महोत्सव में आज

नगर पालिका परिषद द्वारा हो रहे गोला खेल महोत्सव में श्री लाल बहादुर शास्त्री इंटर कॉलेज में वॉलीबॉल प्रतियोगिता सुबह नौ बजे से।

कर्मचारी ने उड़ाए 15 लाख रुपये

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: गन्ना विकास परिषद पलियाकलां-खीरी में फर्जी चेकों के जरिए सरकारी धन के गबन का बड़ा मामला सामने आया है। परिषद के बचत खाते से करीब 15 लाख रुपये से अधिक की रकम धोखाधड़ी से निकाली गई। मामला उजागर होने के बाद विभाग में हड़कंप मच गया है। जिला गन्नाधिकारी की तहरीर पर पुलिस ने कंप्यूटर ऑपरेटर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक मिथिलेश कुमार पांडेय और वरिष्ठ सहायक प्रभारी लेखाकार प्रेमचंद्र ने अक्टूबर 2025 माह का बैंक समाधान विवरण तैयार किया तो पता चला कि 30 अक्टूबर 2025 को चेक नंबर 627349 से 8 लाख और 31 अक्टूबर 2025 को चेक नंबर 627303 से 7 लाख 58 रुपये बैंक खाते से डेबिट हुए हैं, जबकि ये दोनों चेक अधिकृत हस्ताक्षरकर्ताओं द्वारा जारी नहीं किए गए थे। इसका खुलासा होने पर उन्होंने पूरे मामले की जानकारी जिला गन्नाधिकारी वेद प्रकाश सिंह को दी। जिला गन्नाधिकारी ने जब जांच शुरू की तो सामने आया कि चेक बुक सीरीज में से कुल 6 चेक गायब हैं, जिनमें से दो चेकों से अवैध रूप से धन निकाला गया।

बैंक रिकॉर्ड के अनुसार ये धनराशि एक्सिस बैंक के खाते में अजय कुमार शर्मा नाम के व्यक्ति के खाते में भेजी गई। जांच में पाया गया कि उक्त चेकों पर फर्जी हस्ताक्षर और नकली एडवाइस लेटर का इस्तेमाल किया गया। बैंक प्रबंधक द्वारा दिखाए गए दस्तावेज़ों में भी हस्ताक्षर नमूना हस्ताक्षर से मेल नहीं खाते, जिससे बैंक कर्मचारियों की भूमिका भी संदिग्ध मानी जा रही है। मामले में आरोपी अजय कुमार शर्मा निवासी नौगवां थाना पलिया गाजियाबाद में आउटसोर्स कंप्यूटर ऑपरेटर के रूप में कार्यरत था। आरोप है कि उसने मौका पाकर परिषद कार्यालय से चेक चोरी किए और फर्जी एडवाइस बनाकर सरकारी धन अपने खाते में स्थानांतरित कर लिया।

- गन्ना विकास परिषद में आउटसोर्स कंप्यूटर ऑपरेटर ने फर्जी एडवाइस से निकाले
- जांच में हुआ खुलासा, जिला गन्ना अधिकारी की तहरीर पर की गई रिपोर्ट दर्ज

आरोपी ने स्वीकारा अपराध, 2,04,000 रुपये लौटाए

जिला गन्ना अधिकारी वेद प्रकाश सिंह ने बताया कि जांच के दौरान उन्होंने आरोपी से पूछताछ की तो आरोपी अजय कुमार शर्मा ने अपराध स्वीकार कर लिया। उसने मौके पर 80,000 नकद और 1,24,000 ऑनलाइन कुल 2,04,000 रुपये वापस किए, जबकि 12,96,058 की राशि अभी बाकी है। उन्होंने आरोपी कंप्यूटर ऑपरेटर्स के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है। एसओ पंकज त्रिपाठई ने बताया कि जिला गन्नाधिकारी की तहरीर पर आरोपी कंप्यूटर ऑपरेटर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। प्रकरण की जांच एसआई प्रेम नरायाण को सौंपी गई है।

न्यूज ब्रीफ

मैगलगंज में निकली ज्योति विसर्जन यात्रा

मैगलगंज, अमृत विचार : श्री श्याम परिवार मैगलगंज के तत्वावधान में ज्योति विसर्जन यात्रा आयोजित की गई। अध्यक्ष प्रतीक गुप्ता ने बताया कि 31 अक्टूबर को संकीर्तन आयोजित किया गया था, जिसमें अखंड ज्योति प्रज्वलित की गई थी। ज्योति के स्वाभाविक रूप से शांत होने के बाद परंपरा के अनुसार इसे गोमती नदी में विसर्जित किया गया। यह यात्रा यह यात्रा सिद्धेश्वरी देवी मंदिर आश्रम से प्रारंभ होकर मढ़िया घाट स्थित गोमती नदी पर जाकर समाप्त हुई। इस दौरान प्रसून गुप्ता, आकाश शुक्ला, अभिनव मिश्रा, अंकित गुप्ता, हर्ष गुप्ता, वीर रस्तोगी सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे।

बीसी की रकम हड़पने का आरोप

लखीमपुर खीरी, अमृत अमृत विचार : कोतवाली धौरहरा क्षेत्र के गांव सरसवां निवासी एक युवक ने बीसी की रकम हड़पने और धमकी देने का आरोप लगाया है। गांव सरसवां निवासी शमशेर अली ने बताया कि उसका पुत्र बरकत अली प्रति दिन 100 की बीसी (बचत योजना) के रूप में थाना खमरिया के गांव बेलवा मोती निवासी सुनील रस्तोगी को देता था। बरकत अली ने अब तक कुल 21,700 रुपये सुनील रस्तोगी के पास जमा किए, लेकिन अब वह रुपये लौटाने से इंकार कर रहा है। जब बरकत अली ने अपने रुपये वापस मांगे तो आरोपी ने गाली गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित का आरोप है कि पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पिलर लगाने के विरोध पर ग्रामीण को पीटा

मझगई, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव बल्लीपुर निवासी ताहिर ने बताया कि दोपहर उसके घर के पास घूरे की जमीन पर जलालुद्दीन पिलर लगा रहा था। उसने इसका विरोध किया तो जलालुद्दीन आग बबूला हो गया। उसने अपने परिजनों को बुलाकर फावड़ा और बांका से ताहिर पर कई वार किए, जिससे वह लहूलुहान हो गया। जान बचाने के लिए वह भागा तो हमलावरों ने दौड़ाकर उसकी पिटाई की। शोर सुनकर मौके पर ग्रामीण इकट्ठा हुए, तब आरोपी भागे। गंभीर रूप से घायल ताहिर को ग्रामीणों ने स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया। प्रभारी निरीक्षक राजू राव ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर तीन हमलावरों को नामजद कर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

छोटे से कस्बे की बड़ी पहचान, हर घर में छाया फुटबॉल का जुनून

1926 में महारानी सुरथ कुमारी ने की शुरुआत, एयर फोर्स, गोरखा रेजीमेंट व पुलिस टीमें खेल चुकीं यहां

संवाददाता, बेलरायां/सिंगाही

अमृत विचारः सिंगाही जैसे छोटे से कस्बे में वर्ष 1926 से चला आ रहा महारानी सुरथ कुमारी स्टेट फुटबॉल टूर्नामेंट कस्बे की बड़ी पहचान बन चुका है। यहां हर घर में फुटबॉल का जुनून देखने को मिलता है। कस्बे के रामलीला मेले के दौरान नौ नवंबर से होने वाले इस टूर्नामेंट की तैयारियां अंतिम दौर में हैं। यह टूर्नामेंट जनपद के तराई अंचल का सबसे पुराना खेल आयोजन माना जाता है। इसका शुभारंभ वर्ष 1926 में ब्रिटिश शासनकाल के दौरान महारानी सुरथ कुमारी ने कराया था। तब से लेकर अब तक यह परंपरा लगातार जारी है।

टूर्नामेंट के इतिहास की बात करें तो कोरोना काल जैसी कठिन परिस्थितियों में भी आयोजकों ने इसकी परंपरा को जीवित रखा और 15 मिनट का मैच आयोजित कर खेल की निरंतरता बनाए रखी। स्थानीय लोगों में इस टूर्नामेंट का इतना क्रेज है कि मैच शुरू होते ही लोग अपना कामकाज छोड़ मैदान में पहुंच जाते हैं। प्रदेश स्तर के इस आयोजन में अब तक एयर फोर्स, गोरखा रेजीमेंट, यूपी पुलिस और रेलवे जैसी टीमें हिस्सा लेकर चैंपियन रह चुकी हैं। टूर्नामेंट के विकास में जनप्रतिनिधियों का भी विशेष योगदान रहा है। पूर्व केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी और वर्तमान नगर पंचायत चेयरमैन मोहम्मद कयूम की ओर से मैदान के आधे हिस्से में स्टेडियम निर्माण कराया गया है, जिससे दर्शकों को बेहतर सुविधा मिलती है।

कस्बे के इसी मैदान में होता है स्टेट फुटबॉल टूर्नामेंट। ● अमृत विचार

पूर्व महामंत्री संजय तिवारी ने बताया कि उन्हें राजामाता मीनाक्षी देवी ने महामंत्री का दायित्व सौंपा था। अपने कार्यकाल में उन्होंने टूर्नामेंट का स्तर ऊंचा उठाने और प्रदेश की प्रमुख टीमों को आमंत्रित करने का प्रयास किया।

वर्तमान महामंत्री शिखर तिवारी ने कहा कि वे अपने पूर्वजों द्वारा स्थापित इस गौरवशाली परंपरा को और बेहतर स्वरूप में आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे तथा सभी से सहयोग की अपील की।

वर्ष 2012 से 2024 तक महामंत्री रहे सुनील बत्रा ने बताया कि कोरोना जैसी विपरीत परिस्थितियों में भी उन्होंने टूर्नामेंट को जारी रखा और 100वें आयोजन का सौभाग्य भी प्राप्त किया।

वर्तमान चेयरमैन और पूर्व महामंत्री मोहम्मद कयूम ने बताया कि जब वे महामंत्री थे, तब दर्शकों के बैठने की कोई व्यवस्था नहीं थी। बाद में चेयरमैन बनने पर उन्होंने मैदान की बाउंड्री वॉल और दर्शक दीर्घा का निर्माण कराया।

महाराष्ट्र के व्यापारी से साढ़े तीन लाख की ठगी

लखीमपुर खीरी, अमृत विचारः महाराष्ट्र के एक ईंट भट्ठा मालिक से मजदूर भेजने के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर कोतवाली धौरहरा पुलिस ने छह लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जिला सालाना (महाराष्ट्र) के थाना हसनाबाद के गांव तलेगांव निवासी रऊफ खां ने बताया कि वह अपने ईंट भट्ठे के लिए मजदूर लेने के लिए 28 अक्टूबर 2025 को कोतवाली धौरहरा के गांव महाराजनगर आया था। वहां उसकी मुलाकात महाराजनगर निवासी असीरुद्दीन, जियाउद्दीन, थाना ईसानगर के गांव अदलीशपुर निवासी सहजाद, मुनौवर अली और अजीज से हुई। इन लोगों ने मजदूर भेजने का आश्वासन देकर उससे 3,02,500 रुपये की राशि ले ली। आरोप है कि न तो आरोपियों ने मजदूर भेजे और न ही रुपये वापस किए हैं। रुपये वापस मांगने पर गाली गलौज और धमकी दे रहे हैं। पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ कोतवाली धौरहरा पुलिस को तहरीर दी है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने सभी छह आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी है।

मनु-शतरूपा से मनुष्य की उत्पत्ति का सुनाया प्रसंग

गोला के नीलकंठ मैदान में श्रीमद्भागवत कथा सुनते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

● नीलकंठ मैदान में हो रहा श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन

अमृत विचारः श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन कथा व्यास ने महाराज स्वयंभू मनु और उनकी पत्नी महारानी शतरूपा का प्रसंग सुनाया। कहा कि मनु व शतरूपा से ही मनुष्य की उत्पत्ति हुई। यह रोचक प्रसंग सुनकर श्रोता भाव विभोर हो उठे।

नगर के नीलकंठ मैदान में हो रही कथा में तीसरे दिन वृंदावन धाम के कथा व्यास नरोत्तम शास्त्री ने कहा कि राजा मनु और शतरूपा अपना राज पाठ पुत्रों को सौंप कर नैमिष धाम जाकर तप करने लगे। तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान विष्णुजी प्रकट हुए और राजा सेनवर मांगने के लिए कहा। तब मनु ने भगवान विष्णु से उनके जैसा पुत्र मांगा। भगवान विष्णु ने कहा कि जब त्रेता युग आएगा तो आप अयोध्या के राजा बनोगे और शतरूपा रानी कौशल्या। तब वह उनके यहां जन्म लेंगे। यह कहकर भगवान अंतरध्यान हो गए।

कथा व्यास ने कर्दम मुनि और देवहुती के पुत्र के रूप में भगवान विष्णु के कपिल मुनि के रूप में अवतार लेने का भी प्रसंग सुनाया। मुख्य यजमान अमित गुप्ता सपत्नीक, नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू, समाजसेवी सत्यप्रकाश अग्रवाल, पंडित मुनेंद्र शुक्ला, विजय वाजपेयी, कुलदीप वर्मा, मुन्नालाल, पंकज मिश्रा, मनोज त्रिवेदी आदि भक्त मौजूद रहे।

जहरीला पदार्थ खाने से युवक की मौत, ससुरालियों पर आरोप

संवाददाता, भानपुर

अमृत विचारः थाना भीरा क्षेत्र के गांव भानपुर में अपनी शादी से 20 दिन पहले युवक ने जहरीला पदार्थ खा लिया। लखनऊ में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

गांव भानपुर निवासी शिवम जायसवाल की शादी कोतवाली सदर के गांव कलवारनपुरवा निवासी रोली जायसवाल के साथ तय हुई थी। परिवार वालों ने बताया कि 22 नवंबर 2025 को शादी थी। निमंत्रण पत्र बांटे जा चुके। मृतक के पिता रमेश चंद्र जायसवाल ने बताया कि विवाह से पहले लड़की पक्ष की ओर से आई फोन 17 की मांग की जा रही थी। मांग पूरी न हुई तो रोली जायसवाल और उसके परिजनों ने शिवम पर दबाव डालना शुरू कर दिया। परिजनों का आरोप है कि लड़की के भाई सूरज, मौसा अनमोल निवासी मीरपुर कोतवाली सदर, जीजा अमरेश उर्फ बब्लू निवासी रेहुआ रसूलपुर थाना खमरिया और एक अन्य जीजा निवासी धौरहरा ने शिवम को बार-बार अपमानित किया। इस कारण शिवम ने जहरीला पदार्थ खा लिया। प्राथमिक उपचार के बाद लखनऊ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल रेफर किया, जहां 1 नवंबर 2025 को उसने दम तोड़ दिया। मृतक के पिता ने भीरा थाने में तहरीर दी है। प्रभारी गोपाल नारायण सिंह ने बताया कि पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। जांच की जा रही है।

रामलीला मेले में ताड़का वध लीला का किया मंचन

सिंगाही, अमृत विचारः रामलीला मेले में रविवार शाम मुनि विश्वामित्र के आगमन और ताड़का वध लीला का मंचन किया गया। मुनि विश्वामित्र राजा दशरथ के दरबार में आए और यज्ञ की सुरक्षा हेतु राम और लक्ष्मण को अपने साथ मांग लिया। प्रारंभ में राजा दशरथ ने संकोच जताया, लेकिन मुनि वशिष्ठ के समझाने पर उन्होंने पुत्रों को विश्वामित्र के साथ भेजने की स्वीकृति दे दी। इसके बाद मंच पर राम और लक्ष्मण द्वारा राक्षसी ताड़का के वध का प्रसंग प्रस्तुत किया गया। भगवान राम के बाण से ताड़का के अंत होते ही मंचन स्थल पर जयघोष गूंज उठा। दर्शकों के 'जय श्रीराम' के नारों से पूरा मैदान गुंजायमान हो गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

जिसने रणभूमि में दिया शीश वही खाटू श्याम बना

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः कंजा बाबा देवस्थान पर श्रीश्याम सेवा समिति द्वारा देवउठनी एकादशी पर्व पर शनिवार रात श्रीखाटू श्याम मंदिर में खाटू श्याम बाबा का जन्मदिवस धूमधाम से केक काटकर मनाया गया। पुजारी संतोष पाठक ने कहा कि जिसने रणभूमि में शीश दिया वही खाटू श्याम बना। देर शाम तक चले संकीर्तन में श्रद्धालु जमकर झूमते, गाते रहे।

मोहम्मदी रोड स्थित कंजा बाबा देवस्थान पर शनिवार को मन्दिर में श्रीखाटू श्याम बाबा का जन्मोत्सव धूमधाम से केक काटकर मनाया गया। कार्यक्रम में मौजूद हजारों श्याम प्रेमियों ने बाबा के जन्म उत्सव में शामिल होकर दर्शन किए। भजन गायक अजय गुप्ता, शिवम गुप्ता के भजनों हारा हूं बाबा पर तुझ पर भरोसा है, खाटू वाला श्याम है, श्रृंगार तेरा बाबा कहो किसने सजाया है, सांवरे सलोने का न कोई जवाब, आया जन्मदिन श्याम का हम सब बोलेंगे हैप्पी बर्थडे टू यू, गजब मेरे खाटू वाले आदि भजनों पर श्रद्धालु देर शाम तक झूमते, गाते रहे। संकीर्तन के बाद श्याम बाबा की आरती उतारकर श्रद्धालुओं में केक और प्रसाद वितरित किया गया।

कंजा देवस्थान पर खाटू श्याम जन्मोत्सव में शामिल श्रद्धालु। ● अमृत विचार

श्याम बाबा के जन्मोत्सव पर पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू, पालिका की पूर्व अध्यक्ष मीनाक्षी अग्रवाल, विजय माहेश्वरी, गोला देहात प्रधान राजेश गिरि समिति के अध्यक्ष दीपक राजपूत, महामंत्री

● देवउठनी एकादशी को धूमधाम से मना खाटू श्याम का जन्मोत्सव

अजय गुप्ता, अनिल जलोटा, अनिरुद्ध गुप्ता, आशुतोष रस्तोगी, मीडिया प्रभारी सुधीर गुप्ता, बबलू जायसवाल, शिवम गुप्ता, संतोष गुप्ता, अनुराग गुप्ता, सुमित राठौर, प्रवीण रस्तोगी, रमेश वर्मा, संजय गुप्ता, संदीप राजपूत, अभिषेक राजपूत, जितेंद्र गुप्ता, रिशु माहेश्वरी, मयंक माहेश्वरी, रवि गुप्ता आदि सेवादार मौजूद रहे। उधर त्रिलोकी नाथ मंदिर में हुए आयोजन में देर रात तक बाबा के भजनों पर श्रद्धालु झूमते रहे। कमेटी के विशाल गुप्ता, शिवम कश्यप, शिवम गुप्ता, शिवाल गुप्ता, राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, राजेश गुप्ता, शिवम गुप्ता आदि भक्त मौजूद रहें।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों को देख दर्शक हुए मंत्रमुग्ध

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः सरदार पटेल एकेडमी का वार्षिकोत्सव रविवार को धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान बच्चों ने सांस्कृतिक और रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रबंधक संत शरण वाजपेयी, प्रधानाचार्य वीके सिंह व अमित वाजपेयी ने संयुक्त रूप से की। कार्यक्रम का आरंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुआ।

विद्यालय के छात्रों ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर माहौल को आध्यात्मिक बना दिया। मंच पर एक के बाद एक रंगारंग प्रस्तुतियां होती रहीं। बच्चों ने देशप्रेम, महिलाओं के सम्मान, सामाजिक एकता, पर्यावरण संरक्षण, और नारी सशक्तिकरण जैसे विषयों पर आधारित नृत्य, नाटक और गीत प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों की प्रस्तुति में उरी सर्जिकल स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर जैसे नाट्य मंचन विशेष रहे। छात्राओं ने डॉ. सोफिया कुरैशी और व्योमिका सिंह की वीरता को बड़े प्रभावशाली अंदाज में प्रस्तुत किया। बच्चों की दमदार संवाद अदायगी और जोश ने पूरे वातावरण को देशभक्ति से भर दिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करती विद्यालय की छात्राएं। ● अमृत विचार

● देशभक्ति और सांस्कृतिक रंगों में सराबोर रहा सरदार पटेल एकेडमी का वार्षिकोत्सव

कार्यक्रम में आयोजित कवि सम्मेलन में छात्रों ने हास्य और देशप्रेम से ओतप्रोत कविताओं का पाठ किया, जिस पर दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत किया। विद्यालय की बालिकाओं ने प्रस्तुत लोकनृत्य और समूह नृत्य ने समूचे परिसर को झूमने पर मजबूर कर दिया। समारोह में मुख्य अतिथि कमलेश शुक्ला जिला संयोजक भाजपा एवं संरक्षक, भारतीय स्ववित्तपोषित स्कूल प्रबंधक संघ उत्तर प्रदेश ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की प्रशंसा की।

उन्होंने कहा कि विद्यालयों में इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों की छिपी प्रतिभा को निखारते हैं और उनमें देशभक्ति, अनुशासन व संस्कार का संचार करते हैं।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि तुलसीराम वर्मा, नईम अंसारी, पंकज सिंह राठौर, दिनेश जायसवाल, आनंद पांडेय, डॉ. सुमित, डॉ. क्षमित और केके तिवारी आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिक रीना वर्मा और छात्र प्रियांशु त्रिपाठी ने किया।

ट्रैक्टर-ट्राली लाइन में लगाने को लेकर मारपीट

संवाददाता, बिजुआ

अमृत विचारः गुलरिया चीनी मिल में रविवार को गन्ना ट्राली लाइन में लगाने को लेकर किसानों के बीच मारपीट हो गई। सिख किसानों ने एक किसान की जमकर पिटाई कर दी। इससे वह घायल हो गया। पुलिस ने तीनों आरोपियों को हिरासत में लेकर उग्र लोगों को शांत कराया।

चीनी मिल चालू होने के दूसरे दिन से ही लखीमपुर-भीरा राजमार्ग पर गन्ना वाहनों की लाइनें लग रही हैं। रविवार दोपहर गुलरिया चीनी मिल गेट पर ट्रॉली लगाने को लेकर फूलबेहड़ थाना क्षेत्र के गुजारा निवासी किसान कल्याण सिंह यादव और कुछ सिख किसानों के बीच कहासुनी हो गई। बात बढ़ने पर सिख किसानों ने हॉकी और डंडों से कल्याण सिंह की पिटाई कर दी, जिससे वह घायल हो गया। अन्य किसान एकत्र हो गए और आरोपियों को दौड़ा लिया।

हंगामा कर रहे किसानों को समझाती पुलिस व मिल अधिकारी। ● अमृत विचार

● गुलरिया चीनी मिल में सिख किसानों ने एक किसान को पीटा

चीनी मिल अधिकारी और भारी पुलिस बल के साथ बिजुआ चौकी इंचार्ज रमेश सेंगर, पड़रिया तुला चौकी इंचार्ज दीपक तिवारी, मुख्य आरक्षी रमाशंकर यादव, अनुज यादव मौके पर पहुंचे और तीन आरोपियों को हिरासत में लिया है। भीरा प्रभारी निरीक्षक गोपाल नारायण सिंह ने बताया कि मिल परिसर में हुए विवाद को लेकर तीनों आरोपियों को हिरासत में लिया गया है।

नुक्कड़ नाटक से दी नए कानून की जानकारी

अशोक चौराहा पर नुक्कड़ नाटक के जरिए लोगों को जागरूक करती छात्रा। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत अशोक चौराहा पर चिल्ड्रेन एकेडमी की छात्राओं ने गोला पुलिस के सहयोग से नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नए कानून और उनके उपयोग के बारे में जानकारी दी।

अशोक चौराहे पर बने सेल्फी पॉइंट पर आम लोगों को जागरूक करने के लिए पुलिस द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के तहत नगर के बांकेगंज रोड स्थित चिल्ड्रेन एकेडमी की बालिकाओं ने नुक्कड़ सभा, नाटक के माध्यम से लोगों को नए कानून की विशेषताओं के लाभ, रोजमर्रा के जीवन में प्रयोग होने वाली धाराओं, महिला अपराधों के बारे में सरल भाषा में समझाया।

● मिशन शक्ति के तहत अशोक चौराहा पर हुआ कार्यक्रम

उपनिरीक्षक अपूर्वा शर्मा ने लोगों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने के साथ ही ऑनलाइन शिकायत प्रक्रिया के बारे में भी बताया। नगर पालिका परिषद की पूर्व अध्यक्ष मीनाक्षी अग्रवाल ने कहा कि भारत सरकार ने छात्राओं को स्वावलंबी बनाए जाने के लिए भारतीय न्याय संहिता में प्रावधान किया गया है जिससे महिलाएं अपनी सुरक्षा स्वयं कर सकेंगी। उन्होंने कहा कि महिलाएं तभी आत्म निर्भर बनेंगी जब वह अपनी शिक्षा पर ध्यान दे और अपना लक्ष्य निर्धारित करें।

उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों में जागरूकता पैदा करते हैं और उन्हें समाज के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनाते हैं। कार्यक्रम में मौजूद पुलिस अधिकारियों ने नए कानून की विस्तार से जानकारी देने के साथ-साथ बच्चों के प्रयासों की सराहना की। विद्यालय के चेयरमैन सुशील गुप्ता एडवोकेट, सतीश गुप्ता, प्रधानाचार्य कृष्ण आनंद सहित छात्राएं, कोतवाली स्टाफ मौजूद रहा।

शाम को शारदा नदी में बढ़ी संख्या में लोगों ने किया दीपदान

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचारः शारदा नदी किनारे श्रीकुल सेवा संस्थान ने नौ दिवसीय कल्पवास, देव दीपावली व महाचंडी यज्ञ का आयोजन किया है। रविवार को छठे दिन श्रीकुल उपासक महाराज गोविंद माधव की देख देख में नैमिषारण्य क्षेत्र के आचार्य प्रेम शंकर शुक्ला व अन्य आचार्यों ने पीलीभीत जिले के पूरनपुर कस्बे से आए यजमान अनिल सोनी एवं उनके परिवार से संकल्प कराकर भगवती देवी चंडी के महायज्ञ में आहुतियां डलवाईं।

आचार्य अतुलेंद्र शुक्ल, आचार्य सोमेश माधव मिश्र, पं. राजेंद्र शुक्ल शास्त्री, पं. त्रिपुरारी महाराज, पं राजेंद्र तिवारी, पं. विश्वनाथ आदि ने भी उनका सहयोग किया। यहां नित्य सुबह-शाम शारदा जी की आरती कर देव दीपावली मनाई जा रही है। श्री कुल सेवा आश्रम से जुड़े बड़ी संख्या में श्रद्धालु व अन्य लोग शाम के धुंधलके में यहां पहुंच शारदा नदी में दीपदान करते हैं। जिससे झिलमिल हो जगमगाता शारदा नदी का जल पलिया-भीरा के मध्य बने पुल पर से गुजर रहे लोगों का मन मोह लेता है। विशाल कार्यक्रम कार्तिक पूर्णिमा के दिन यज्ञ की समाप्ति पर आयोजित विशाल भंडारे के साथ किया जाएगा।

महाचंडीयज्ञ में आहुतियां डालते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

● छठे दिन पीलीभीत से आए यजमानों ने डाली आहुतियां महाचंडी यज्ञ में डालीं आहुतियां

लगने लगा कार्तिक पूर्णिमा मेला, सज रहीं दुकानें

पलियाकलां। शारदा नदी के किनारे कार्तिक पूर्णिमा मेला लगने लगा है। रविवार से बड़ी संख्या में विभिन्न वस्तुओं सहित प्रसाद आदि की दुकानें व खेल तमाशे लगना शुरू हो गए हैं। देवोत्थानी एकादशी अनेक श्रद्धालुओं ने शारदा तट पर पवित्र स्नान किया।

उन्होंने हर-हर गंगे और जय शारदा माता का जयघोष करते हुए शारदा नदी में आस्था की डुबकी लगाई। पश्चात तट पर हो रहे शतचंडी महायज्ञ में पहुंच मत्था टेका और यज्ञ मंडप की परिक्रमा की। मान्यता है कि देवोत्थानी एकादशी के दिन पवित्र नदियों में स्नान और दान करने से समस्त पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

पलिया के शारदा तट पर महाचंडी यज्ञ में डस्टबिन रखवाते रोटेरियंस।

रोटेरियंस ने सौंपे डस्टबिन

पलिया कलां। महाचंडी यज्ञ एवं देव दीपावली कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर रोटरी क्लब के सदस्यों ने कूड़े-कचरे की व्यवस्था के लिए डस्टबिन रखवाए। रोटरी क्लब पलिया के पूर्व अध्यक्ष रो. देवेंद्र श्रीवास्तव डी.के., रो. संदीप कुमार बंसल, रो.गगन मिश्रा, रो.अंकुर गोयल आदि ने दो डस्टबिन यज्ञ संयोजक कुल उपासक पंडित गोविंद माधव मिश्र को सौंपे। इस मौके आध्यात्मिक श्री कुल सेवा संस्थान के महामंत्री कृष्ण कुमार गोपी, धनेंद्र शुक्ला, रामू वर्मा, शेरा वर्मा, सुरेश चंद्र लोधी, विश्वकांत त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

महिला से छेड़छाड़ का प्रयास, तीन नामजद

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना खीरी क्षेत्र की निवासी एक महिला ने बताया कि सुबह करीब 5 बजे वह गांव के ही गन्ने के खेत में शौच के लिए गई थी। तभी पहले से घात लगाए बैठे खग्गा, सुरेंद्र और रंजीत ने उसे बदनीयती से पकड़ लिया और छेड़छाड़ कर दुष्कर्म की कोशिश करने लगे। उसके शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके की ओर दौड़े तो आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकले। पीड़िता ने घटना की सूचना थाने में दी, जिस पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। एसओ निराला तिवारी ने बताया कि मामले की जांच एसआई अजय कुमार सिंह को सौंपी गई है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

चोरी के मोबाइल समेत गिरफ्तार

शाहजहांपुर, अमृत विचार : पुलिस ने एक युवक को चोरी की मोबाइल के साथ गिरफ्तार कर लिया। चौक कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार सिंह ने बताया कि सुदर्शन निवासी नौगवां थाना सेहरामऊ दक्षिणी के खिलाफ मोबाइल चोरी का मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने आवास विकास कालोनी परिसर में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी का मोबाइल बरामद किया है।

महिला से मारपीट करने पर दंपती पर रिपोर्ट

तिलहर, अमृत विचार : जमीन के विवाद में महिला से मारपीट करने के मामले में पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर आरोपी दंपती पर रिपोर्ट दर्ज कर ली। गांव सुनरा निवासी हीरा काली ने बताया 31 अक्टूबर की सुबह करीब 7 बजे गांव के राकेश और उनकी पत्नी जगवती उनके दरवाजे पर आए और गालियां देने लगे। विरोध करने पर दोनों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। वह घायल हो गई। पुलिस ने घायल महिला को चिकित्सीय परीक्षण के लिए भेजा। प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर दंपती राकेश और जगवती के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

पति और देवर पर मारपीट की रिपोर्ट

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सेहरामऊ दक्षिणी के गांव शहबादादपुर निवासी चांदनी ने थाने पर दी गई तहरीर में बताया उसकी पांच साल की एक लड़की है और गर्भवती भी है। उसके पति अनूप और देवर विनोद आए दिन उसको मारा पीटा करते है। पति उससे दहेज की मांग किया करते है और दहेज न मिलने पर प्रताड़ित किया करते है। दो दिन पूर्व दोनों लोगों ने दहेज के लिए उसको मारा पीटा और घर से निकाल दिया। चौक कोतवाली पुलिस ने पति और देवर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

दुर्घटना में घायल महिला की लखनऊ के अस्पताल में मौत

परिजनों ने शव घर के बाहर रख किया हंगामा, आरोपी की गिरफ्तारी और आर्थिक मदद की मांग

परिजनों को समझाते एसओ रविंद्र सोनकर व अन्य पुलिसकर्मी। ● अमृत विचार

घर के बाहर शव रखकर हंगामा करते परिजन। ● अमृत विचार

संवाददाता, मितौली

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के रानीबेहड़ गांव में बीते 27 अक्टूबर को सड़क हादसे में घायल हुई महिला की इलाज के दौरान शनिवार को लखनऊ में मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। गुस्साए परिजनों ने शव को घर के बाहर रखकर आरोपी बाइक सवार की गिरफ्तारी और आर्थिक सहायता की मांग को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने समझा-बुझाकर परिजनों को शांत कराया,

मृतका माला देवी।

● पुलिस अधिकारियों ने समझा-बुझाकर परिजनों को कराया शांत

जिसके बाद देर शाम शव का अंतिम संस्कार किया गया।

रानीबेहड़ गांव निवासी माला देवी (40) पत्नी ओमकार गौतम 27 अक्टूबर की शाम अपने घर के बाहर झाड़ू लगा रही थीं। उसी दौरान गांव का ही सौरभ तेज रफ्तार बाइक से निकला और उसने माला देवी को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई थी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को एंबुलेंस से मितौली सीएचसी पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहां से उसे लखनऊ ट्रॉमा सेंटर भेजा गया, जहां पिछले छह दिनों से उसका इलाज चल रहा था। शनिवार सुबह इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। शव गांव पहुंचने पर परिजनों और ग्रामीणों ने आक्रोश में शव को घर के बाहर रखकर हंगामा शुरू कर दिया। परिजनों ने आरोपी की गिरफ्तारी और आर्थिक सहायता की मांग की। काफी देर तक माहौल तनावपूर्ण रहा। सूचना पर पहुंचे थाना प्रभारी रविंद्र सोनकर ने ग्रामीणों और परिजनों से बातचीत की। उन्हें समझा-बुझाकर शांत कराया। बाद में शव का अंतिम संस्कार किया गया। परिजनों के अनुसार, मृतका माला देवी अपने पीछे सात बेटियां और दो बेटे छोड़ गई हैं। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे गांव में मातम का माहौल छाया हुआ है।

लोडर ने बुग्गी में मारी टक्कर चालक व घोड़ा घायल

कलान, अमृत विचार: थाना क्षेत्र के गंगोरा मोड़ के पास शनिवार शाम एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जहां तेज रफ्तार छोटा हाथी वाहन ने पुआल लदी घोड़ा बुग्गी में जोरदार टक्कर मार दी।

हादसे में बुग्गी चालक अनिल पुत्र रामबाबू और घोड़ा गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि बुग्गी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।ग्राम जखिया निवासी जोगेंद्र वर्मा ने थाने पर दी तहरीर में बताया कि उसका नाती अनिल शनिवार की शाम गंगोरा गांव से धान का पुआल लेने गया था। करीब शाम 6:30 बजे जब वह पुआल लेकर लौट रहा था और गंगोरा मोड़ से आगे पहुंचा, तभी बदायूं की ओर से आ रही छोटा हाथी वाहन ने उसकी घोड़ा बुग्गी में तेज टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बुग्गी पलट गई और अनिल सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घोड़ा भी बुरी तरह जख्मी हुआ और बुग्गी के परखच्चे उड़ गए। राहगीर मौके पर पहुंचे और घायल अनिल को एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कलान ले जाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई गई। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे फर्रुखाबाद रेफर कर दिया।

हुतात्मा दिवस पर बजरंग दल ने लगाया रक्तदान शिविर

रक्तदान करता बजरंग दल कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● अयोध्या में प्राण न्योछावर करने वाले कारसेवकों की स्मृति में मनाया जाता है 'हुतात्मा दिवस'

अमृत विचार: हुतात्मा दिवस पर बजरंग दल ने रविवार को संयुक्त जिला चिकित्सालय ओयल में रक्तदान शिविरआयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व बजरंग दल के विभाग संयोजक अनुज तिवारी ने किया। इस दौरान विश्व हिंदू परिषद अवध प्रांत के प्रांत मंत्री देवेंद्र मिश्रा एवं प्रांत विमर्श प्रमुख बृजेश पांडेय मुख्य वक्ता रहे।

प्रांत मंत्री देवेंद्र मिश्रा ने कहा कि 30 अक्टूबर और 2 नवंबर 1990 के दिन अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर आंदोलन में कारसेवकों ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था। कोठारी बंधुओं सहित अनेक कारसेवकों ने निहत्थे रहते हुए भी अपने प्राण न्योछावर किए। इनकी स्मृति में आज का दिन 'हुतात्मा दिवस' के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि इसी अवसर पर देशभर में बजरंग दल कार्यकर्ता रक्तदान कर समाजसेवा का संदेश देते हैं।

कार्यक्रम में शिखर सिंह सिसौदिया, कुणाल वर्मा, उपेंद्र जी, संदीप शर्मा आदि कार्यकर्ताओं ने रक्तदान किया। इस मौके पर विश्व हिंदू परिषद प्रांत प्रचार टोली सदस्य आचार्य संजय मिश्रा, कार्याध्यक्ष मनोज पांडेय, जिलामंत्री सुनील जायसवाल, जिला संगठन मंत्री कमलेश सिंह आदि मौजूद रहे।

हादसे में साले बहनोई समेत 3 की मौत

सीएचसी में हादसे की जानकारी लेती पुलिस। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: कोतवाली मोहम्मदी क्षेत्र में रविवार की देर रात करीब 10 बजे के बाद भीषण हादसा हो गया। सेमरा जोनपुर मोड़ के पास दो बाइकों की आमने-सामने हुई टक्कर में साले-बहनोई समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को अस्पताल ले जाया गया, जहां से डॉक्टर ने हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर किया है।

मोहम्मदी कोतवाली के गांव शाहपुर जागीर निवासी विजय कुमार (36) अपने बहनोई जितेंद्र (22) के साथ कस्बा बरवर सामान खरीदने आए थे। देर रात वापस जाते समय सिमरा जानीपुर निवासी रोहित (25) की बाइक से टक्कर हो गई। हादसे में विजय, उसके बहनोई जितेंद्र और दूसरी बाइक सवार रोहित की मौत हो गई, जबकि रोहित की बाइक पर सवार रितिक गंभीर घायल हो गया। पुलिस ने घायल को सीएचसी भेजा, जहां डॉक्टर ने हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर किया है।

जन आरोग्य मेले का हाल : जांच न दवा, मायूस लौटे मरीज

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : जन आरोग्य मेले का उद्देश्य भले ही ग्रामीण अंचलों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना हो, लेकिन हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। रविवार को जिले की कई पीएचसी पर आयोजित मेले में अव्यवस्थाओं का आलम ऐसा रहा कि मरीजों को न तो जांच की सुविधा मिली, न ही दवा समय पर मिल सकी। कहीं लैब टेक्नीशियन नदारद मिले तो कहीं फार्मासिस्ट के अभाव में अन्य कर्मचारियों से दवा बंटवाई गई।

रविवार को जिलेभर की 32 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) पर जन आरोग्य मेले का आयोजन हुआ, जिसमें कुल 1820 मरीज पहुंचे। लेकिन अधिकतर केंद्रों पर व्यवस्थाएं ध्वस्त नजर आईं। शहर के पुराना अस्पताल पीएचसी और बाग गुलशेर खां पीएचसी पर

नगरिया कॉलोनी पीएचसी पर मरीजों की देखभाल करते चिकित्सक फिरोज बेग।

● कई पीएचसी पर कर्मचारियों की कमी से बिगड़ी व्यवस्थाएं, नहीं हो सकी जांचें

● ललौरीखेड़ा में चंद घंटों के लिए खुली लैब, कुछ केंद्रों पर प्रचार की कमी से नहीं पहुंचे मरीज

लैब टेक्नीशियन न होने से मरीजों की जांच नहीं हो सकी। जोशी टोला पीएचसी पर फार्मासिस्ट के अभाव में दवा वितरण अन्य कर्मचारियों के भरोसे कराया गया। वहीं ललौरीखेड़ा पीएचसी पर लैब बंद रही। बाद में आनन फानन में लैब खोली गई और कुछ जांचें कर औपचारिकता पूरी की। मरीजों ने बताया कि अधिकारियों की उदासीनता के चलते मेला अपने उद्देश्य को पूरा नहीं कर पा रहा है। न जांच की सुविधा, न पर्याप्त दवाएं मरीजों को केवल पर्ची थमाकर लौटा दिया गया। वहीं बीसलपुर की नगरीय पीएचसी दुबे मोहल्ला में आयोजित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले में डॉ. अमित कुमार ने 40 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। वहीं खांडेपुर, शिवपुरी नवदिया और चुरा पीएचसी पर भी मेले का आयोजन हुआ, लेकिन प्रचार-प्रसार के अभाव में मरीजों की संख्या बेहद कम रही।

किसी भी केंद्र पर शुगर जांच की सुविधा नहीं मिल पाई। अमरिया क्षेत्र में सर्दी-जुकाम और बुखार का प्रकोप जारी है। नगरिया कॉलोनी पीएचसी पर डॉ. फिरोज़ खान ने 48, भिकारीपुर में डॉ. समन इसरार ने 36 और परेवा वैश्य में डॉ. इमरान ने 32 मरीजों का उपचार किया। इनमें अधिकतर मरीज खांसी, जुकाम और एलर्जी से पीड़ित निकले। मगर जांचें यहां भी नहीं हो सकी। यहीं हाल अन्य जगहों का भी रहा।

नदी में डूबे आठ लोग, दो शव बरामद

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

मृतक शिवनंदन।

मृतका सुमन।

● भरथापुर नाव हादस में छह लोगों की तलाश जारी

अमृत विचार: बहराइच के सुजौली थाना क्षेत्र के तहत कतर्नियाघाट के ट्रांस गेरुआ जंगल में बसे भारत के अंतिम गांव भरथापुर के लोगों की नाव कौड़ियाला नदी में डूब गई थी। इस घटना में अब तक दो शव बरामद किए गए हैं, जबकि छह लोग अब भी लापता हैं।

बुधवार 29 अक्टूबर भरथापुर गांव के लोग कोतवाली तिकुनिया के गांव खैरटिया से लौट रहे थे। करीब शाम छह बजे गांव के निकट पहुंचते ही 22 सवारियों से भरी नाव अनियंत्रित होकर कौड़ियाला नदी में डूब गई थी। हादसे में 13 लोग किसी तरह तैरकर बाहर निकल आए, जबकि आठ लोग नदी की लहरों में समा गए थे। हादसे के बाद से ही एनडीआरएफ की टीम लगातार तलाशी अभियान में जुटी हुई है।

चार दिन बाद रविवार दोपहर करीब तीन बजे पढ़ुआ थाना क्षेत्र के लालापुर गांव के निकट घाघरा नदी पार सुजानपुर जंगल में ग्रामीणों ने एक शव उतराता देखा। सूचना मिलते ही दरोगा ब्रह्मानंद यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लिया।

शव की शिनाख्त सुमन (28) पत्नी प्रमोद निवासी भरथापुर के रूप में हुई। वहीं, दूसरा शव कैलाशपुरी पुल के निकट एनडीआरएफ की टीम को मिला, जिसकी पहचान शिवनंदन (50) पुत्र सालिकराम निवासी भरथापुर के रूप में हुई।

पढ़ुआ प्रभारी निरीक्षक विवेक उपाध्याय ने बताया कि बरामद शवों को शिनाख्त के बाद सुजौली पुलिस को सौंप दिया गया है। शवों का पोस्टमार्टम जनपद बहराइच में कराया जाएगा। भरथापुर गांव कतर्नियाघाट के घने जंगल और गेरुआ नदी के पार बसा हुआ है, जहां के लोग रोजमर्रा की जरूरतों के लिए खैरटिया बाजार नाव के जरिए जाते हैं।

एएसपी ने पुलिस के साथ बिलसंडा में की पैदल गश्त

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● व्यापारियों से किया संवाद फुटपाथ पर खड़े वाहनों को हटवाने के दिए निर्देश

अमृत विचार: शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर इन दिनों पुलिस की पैदल गश्त चल रही है। रविवार शाम एएसपी विक्रम दहिया ने पुलिस बल के साथ कस्बा बिलसंडा में पैदल गश्त की। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उनके साथ सीओ बीसलपुर प्रगति चौहान और एसओ बिलसंडा सिद्धांत शर्मा भी मौजूद रहे।

संवेदनशील स्थानों, बाजार, चौराहों, मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में पुलिस बल पहुंचा और हालात परखे। फुटपाथ पर खड़े वाहनों को हटवाने के निर्देश दिए। इसके अलावा व्यापारियों से संवाद किया गया।

प्रतिष्ठान पर सीसीटीवी लगाने की अपील की गई। क्षेत्र में अराजकता फैलाने वालों की सूचना पुलिस को देने के लिए कहा गया, ताकि उन पर कार्रवाई की जा सके। हेल्पलाइन नंबर का भी प्रचार प्रसार किया गया।

हादसों में दो की मौत, चार घायल

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● मिर्जापुर में पति की मौत, पत्नी घायल, निगोही में वृद्ध की गई जान

अमृत विचार: जिले में अलग-अलग स्थानों पर सड़क दुर्घटना समेत तीन लोग घायल हो गए। तीनों घायलों को सीएचसी पर भेजा गया। डाक्टर ने दो लोगों को मृत घोषित कर दिया और एक मृतक की पत्नी घायल हो गयी। मिर्जापुर क्षेत्र हादसे में पति की मौत हो गयी और पत्नी घायल हो गयी। निगोही थाना क्षेत्र में बाइक ने एक युवक को टक्कर मार दी। घायल की सीएचसी में मौत हो गई। फर्रुखाबाद जिले के कायमगंज थाना क्षेत्र के गांव ढूंढेमई निवासी 27 वर्षीय राजवीर की ससुराल परौर थाना क्षेत्र के गांव हैदलपुर में थी। रविवार की शाम वह अपनी पत्नी सीमा को लेकर बाइक से ससुराल आ रहे थे। मिर्जापुर क्षेत्र में ढाई गांव के सामने अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे पति-पत्नी बाइक से दूर जाकर गिरे और घायल हो गए। चालक वाहन लेकर भाग गया। लोगों की भीड़ जमा हो गयी। राहगीरों ने मिर्जापुर थाना पर सूचना दी। थाना प्रभारी मौके पर पहुंची।

वृद्ध की मौत, तीन लोग घायल

निगोही, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव धीरठ निवासी तोताराम (85) रविवार की सुबह अपने खेत पर फसल की रखवाली करने के लिए जा रहे थे। रास्ते में निगोही-बिलसंडा रोड पर एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के सामने बाइक ने तोताराम को टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गए। पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को सीएचसी पर भेज दिया। जहां डॉक्टर ने तोताराम को मृत घोषित कर दिया। इस दुर्घटना में बाइक सवार कमालुद्दीन, रसीद, शाहनवाज भी घायल हो गए। घायल बाइक सवार गांव ऊनकला के है। घायल बाइक सवार को मेडिकल कालेज भेज दिया। तीनों घायल एक ही बाइक पर सवार थे। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने बाइक को कब्जे में ले लिया है।

लघुकथा की पुस्तक पावन तट पर का विमोचन

लघु कथा पावन तट पर पुस्तक का विमोचन करे अतिथि। ● अमृत विचार

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: स्थानीय नगर पालिका परिषद सभागार में साहित्यकार सुरेश सौरभ की कुंभ स्नान पर केंद्रित लघुकथा का साझा संकलन पावन तट पर का विमोचन किया गया।

मुख्य अतिथि जोगिंदर सिंह चावला, कार्यक्रम अध्यक्ष वरिष्ठ कवयित्री डॉ. मृदुल शुक्ला 'मृदु' विशिष्ट अतिथि सत्य प्रकाश 'शिक्षक' ने विमोचन किया। कार्यक्रम में काव्य पाठ करते हुए शायर विकास सहाय ने कहा कि सुरेश सौरभ की साहित्यिक साधना मौन साधक की तरह है। वह गंभीर सामाजिक मुद्दों को निरंतर उठाते रहते हैं। सामाजिक कार्यकर्ता चंदन लाल वाल्मीकि ने कहा सुरेश सौरभ की पुस्तक सामाजिक जीवन की विसंगतियों को रेखांकित करती है। संगोष्ठी में पवन तारा, श्याम किशोर 'बेचैन', विनोद शर्मा 'सागर' वीरेश गुप्ता 'गुलशन' अमन पांडेय, रमाकांत चौधरी, ने काव्य पाठ किया। कहानीकार वेद प्रकाश वर्मा ने कहानी 'रक्त संचार' का वाचन किया। संचालक रमाकांत चौधरी ने किया। संयोजक मो. शादाब खान ने कवियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। संगोष्ठी में सरगम, आर्यन, गोल्डी पटेल, धीरेंद्र आदि मौजूद रहे।

दो घरों से लाखों की चोरी, ग्रामीणों में दहशत

संवाददाता, मूड़ा सवारान

● लाइसेंसी बंदूक सहित जेवर और नकदी ले गए चोर

अमृत विचार: भीरा थाना क्षेत्र के गांव दंबल टांडा में शनिवार की रात अज्ञात चोरों ने दो घरों को निशाना बनाकर लाखों रुपये के जेवर, नकदी और एक लाइसेंसी बंदूक चोरी कर ली। एक ही रात में दो घरों में हुई चोरी से गांव में दहशत का माहौल है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। फॉरेंसिक टीम ने जांच कर वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए हैं।

पहली घटना गांव निवासी जगदीश पुत्र बचान के घर की है, जहां चोरों ने रोशनदान काटकर घर में घुसे चोरों ने अलमारी में रखे सोने का हार, झाला, नथ, मांगबेदी, मंगलसूत्र, पायल, अंगूठी, कंगन और नकदी लेकर फरार हो गए। घर का सारा सामान बिखरा पड़ा मिला। कुछ दूरी पर गांव के पूर्व प्रधान जगत सिंह के घर में भी चोरों ने धावा बोला। चोर खिड़की के रास्ते घर में घुसे और उनके बेटे के कमरे को बाहर से बंद कर दिया। इसके बाद अलमारी तोड़कर लाइसेंसी डबल बैरल बंदूक, जेवर और नकदी चोरी कर ली। रात करीब ढाई बजे जगत सिंह की पत्नी सुदामा देवी की नींद खुली तो उन्होंने अज्ञात लोगों को देखकर शोर मचाया। शोर सुनते ही चोर खेतों की ओर भाग निकले। चौकी बिजुआ पुलिस और भीरा प्रभारी निरीक्षक गोपाल नारायण सिंह मौके पर पहुंचे। पुलिस के साथ फॉरेंसिक टीम ने भी घटना स्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। सुबह सीओ गोला रमेश तिवारी व स्वाट टीम भी मौके पर पहुंची और पूरे मामले की गहराई से जांच शुरू की है। प्रभारी निरीक्षक गोपाल नारायण सिंह ने बताया कि पीड़ितों की तहरीर पर जांच शुरू कर दी गई है। कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। घटना का जल्द खुलासा किया जाएगा।

व्यापारी के घर 50 लाख की चोरी के खुलासे से दूर पुलिस

लखीमपुर खीरी। पलिया में सीओ ऑफिस के निकट दुधवा रोड पर व्यापारी रामचंद्र गुप्ता के घर 50 लाख से अधिक की हुई चोरी मामले में पुलिस अभी किसी नतीजे पर नहीं पहुंची है। वह अंधेरे में हाथ पैर चला रही है। हालांकि उसने कुछ शक के आधार पर कुछ लोगों को हिरासत में लिया है, जिनसे पूछताछ कर रही है, लेकिन पांच दिन बाद भी पुलिस के हाथ अभी ऐसे कोई क्लू नहीं आए हैं, जिससे वह घटना में शामिल आरोपियों तक पहुंच सके। उधर पांच दिन बाद भी खुलासे के प्रति पुलिस की सुस्ती से व्यापारियों में रोष बढ़ रहा है। व्यापारियों ने शीघ्र और सही खुलासा न होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है।

खमरिया। थाना क्षेत्र के गांव शेखनापुर में शनिवार की रात चोरों ने गांव निवासी अमन श्रीवास्तव परिवार के साथ पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने गांव रायपुर दुलही गए थे। रात में चोरों ने मुख्य दरवाजे का ताला तोड़ा और अंदर घुस गए। कमरों में रखी सेफ आदि के ताले तोड़कर करीब तीन लाख रुपये के जेवर और कुछ नकदी चोरी कर ले गए। दूसरी वारदात पास के ही राजेश कुमार श्रीवास्तव के घर हुई। छत के रास्ते घर में घुसे चोर अलमारी में रखे जेवर और नकदी समेत करीब तीन लाख का माल ले गएयूपी 112 पुलिस के साथ पहुंची थाना खमरिया पुलिस ने दोनों घटनास्थल का निरीक्षण किया। पीड़ितों ने अज्ञात लोगों के खिलाफ तहरीर पुलिस को दी है, लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की है। प्रभारी निरीक्षक ओपी राय ने बताया कि तहरीर मिली हैं।

अजमानी पब्लिक स्कूल को मिले तीन राज्य स्तरीय सम्मान

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

आउटस्टैंडिंग एनईपी 2020 स्कूल सेंसटाइज्ड अवार्ड प्राप्त करतीं सीए सिमरनजीत भल्ला।

अमृत विचार: अजमानी पब्लिक स्कूल को शिक्षा के क्षेत्र में विशेष योगदान एवं उपलब्धियों के लिए लखनऊ के ताज होटल में आयोजित 29वां एजुकेशन समिट अवाड्र्स में विशेष सम्मानों से सम्मानित किया गया। यह सम्मान गन्ना विकास मंत्री संजय सिंह गंगवार ने दिए।

शनिवार को हुए इस कार्यक्रम से लौटकर स्कूल की प्रबंध निदेशक गुरजीत अजमानी ने बताया कि विद्यालय को पहला पुरस्कार आउटस्टैंडिंग एनईपी 2020 स्कूल सेन्सटाइज्ड अवार्ड विद्यालय प्रबंध समिति की उपाध्यक्ष सिमरन भल्ला ने प्राप्त किया। संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक गुरजीत अजमानी को रिकॉग्नाइजिंग स्कूल लीडर अवार्ड प्रदान किया गया। उप-प्रधानाचार्या नमिता महेंद्रा को लीडिंग वाइस प्रिंसिपल अवार्ड से नवाजा गया। उन्होंने बताया कि इस विशिष्ट सम्मान समारोह में उत्तर प्रदेश सहित देश के अन्य प्रदेशों के विभिन्न शिक्षाविदों, प्रबंध समिति के सदस्यों, प्रधानाचार्यों, उप-प्रधानाचार्यों ने भाग लिया था। सदस्यों के विद्यालय लौटने पर विद्यालय प्रांगण में उनका हर्षोल्लास के साथ भव्य स्वागत किया गया।

अमृत विचार

बरेली, सोमवार, 3 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

स्टार्टअप्स को मिलेगी 50 करोड़ की फंडिंग

अमृत विचार, लखनऊ : भारत की पहली एआई ऑगमेंटेड मल्टीडिसिप्लिनरी चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने युवाओं में नवाचार और उद्यमशीलता को प्रोत्साहन देने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 'कैंपस टैंक' की शुरुआत की। औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने इस अनूठे कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की। छह मिलियन यूएस डॉलर (लगभग 50 करोड़ रुपये) की फंडिंग के साथ शुरू हुई यह पहल युवाओं को अपने स्टार्टअप आइडिया को हकीकत में बदलने का अवसर देगी। कैंपस टैंक के साथ ही चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने 'सीयू एआई स्पेस' की भी शुरुआत की। यह मंच छात्रों, स्टार्टअप्स और उद्योग विशेषज्ञों के लिए एआई आधारित रिसर्च, डेवलपमेंट और इनोवेशन का एक कोलैबोरेटिव वातावरण तैयार करेगा। इसमें अत्याधुनिक तकनीक और एआई उपकरणों की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

बिजली विभाग में पुरानी सामग्री का होगा ऑडिट

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश का बिजली विभाग व्यवसायिक दृष्टिकोण से भी तमाम रणनीतियों पर क्रियाशील है। दरअसल, विद्युत वितरण व्यवस्था को सुधारने के लिए इसी व्यवसायिक योजना के तहत चल रहे ढांचागत विकास कार्य में निकलने वाली पुरानी सामग्री को जमा न करने पर कार्रवाई का निर्णय लिया गया है। पावर कारपोरेशन अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल ने बीते दिनों चेतावनी देते हुए कहा है कि निष्प्रयोज्य पुरानी सामग्री को विभागीय भंडार गृहों में वापस जमा कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसी सामाग्रियों का आडिट भी कराया जाए और जहां सामग्री मानक के अनुरूप वापस नहीं हुई हों, वहां जिम्मेदारी तय कर एक्शन लेने के साथ वसूली भी की जाए। चूंकि, विद्युत वितरण व्यवस्था के सुधार कार्यों में सामग्री बदल कर नयी लगाई जाती है, इसी क्रम में पुरानी सामग्री का अनुचित लाभ कोई न करे, इसी पर रोक लगाने के लिए ताजा हिदायत दी गई है।

भारत पर्व में बिखरी यूपी की संस्कृति

अमृत विचार, लखनऊ : गुजरात के एकता नगर में 1 से 15 नवंबर तक चल रहे भारत पर्व 2025 में उप्र. पर्यटन एवं संस्कृति विभाग उप्र. की सांस्कृतिक और लोक परंपराओं को प्रस्तुत कर रहा है। उप्र. पर्यटन के स्टॉल पर संगीत और पारंपरिक व्यंजनों का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। यह जानकारी उप्र. पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। पर्यटन मंत्री ने रविवार को जारी बयान में बताया कि सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित भारत पर्व 2025 में उप्र. स्टॉल पर आगंतुकों के लिए राज्य के विभिन्न गंतव्यों की सचित्र जानकारी उपलब्ध होगी, जो राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक विविधता और सामूहिक गौरव का संदेश देगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश के विभिन्न अंचलों से आए श्रेष्ठ लोक कलाकार अपने-अपने क्षेत्र की विशिष्ट लोक शैली का प्रदर्शन करेंगे।

अखिलेश ने गठबंधन के लिए मांगा वोट

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बिहार में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित रैलियों में वादों की बौछार करते हुए कहा कि तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री बनेंगे तो आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे की तरह सड़क बनायेंगे। सपा प्रमुख ने रविवार को सराय रंजन, सीतामढ़ी, छपरा विधानसभा क्षेत्रों में तीन चुनावी जनसभाओं को सम्बोधित किया।

देव दीपावली पर लाखों दीपों से जगमग हुई काशी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : देव दीपावली के अवसर पर काशी प्रकाश, आस्था और संस्कृति के संगम से प्रकाशित हुई है। घाटों पर देव दीपावली समितियों और कुंडों व तालाबों पर स्थानीय समितियों द्वारा एक साथ लाखों दीप जलाए गए। पर्यटन विभाग और महोत्सव समिति, वाराणसी ने मिलकर 10 लाख से अधिक मिट्टी के दीप प्रज्जवलित किए। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी।

पर्यटन मंत्री ने रविवार को बताया कि गंगा के घाटों और उसके पार के तटों को सम्मिलित कर कुल 20 सेक्टर बनाए गए थे। मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इस मौके पर 25 मिनट का भव्य काशी-कथा 3-डी प्रोजेक्शन मैपिंग एवं लेजर शो का आयोजन किया गया। इस प्रस्तुति में काशी के प्राचीन गौरव, गंगा की महिमा और भगवान विश्वनाथ की नगरी की आस्था को आधुनिक तकनीक के माध्यम से दर्शाया गया। संयुक्त निदेशक दिनेश कुमार ने बताया कि इस दौरान 8 मिनट का विशेष लेजर शो हुआ, साथ ही श्री काशी विश्वनाथ धाम के गंगा द्वार के सामने ग्रीन आतिशबाजी का आयोजन भी किया गया।

मानसिक रोगी बढ़ रहे, मगर मेडिकल कॉलेजों में सीटें नहीं

पद्माकर पाण्डेय, लखनऊ

- कॉलेजों में एमडी साइकेट्री की एक भी सीट नहीं बढ़ी
- प्रदेश में मानसिक रोग विशेषज्ञों की भारी कमी

अमृत विचार : भागदौड़ भरी जिंदगी, काम का दबाव और प्रतिस्पर्धा के इस दौर में मानसिक रोग चुनौती बनते जा रहे हैं। मानसिक रोग की दवाओं पर निर्भर रहने वालों की बड़ी संख्या है जो स्वयं को स्वस्थ मानते हैं। दफ्तरों से लेकर व्यापारिक जगत तक, तनाव से ग्रस्त लोगों की तादाद लगातार बढ़ रही है। रोगियों के सापेक्ष प्रदेश मानसिक रोग विशेषज्ञ तैयार करने के लिए मेडिकल कॉलेजों में एमडी (साइकेट्री) की नई सीट नहीं बढ़ाई गई हैं।

वर्तमान में प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में मानसिक रोग विशेषज्ञों की स्थिति बेहद चिंताजनक है। प्रदेश के 75 जिलों में महज 60 से 62 मानसिक रोग विशेषज्ञ ही कार्यरत हैं, जिनमें से 34 मनोरोग विशेषज्ञ नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) के तहत संविदा पर कार्य कर रहे हैं। राज्य मानसिक स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.अरविंद श्रीवास्तव का कहना है कि अगर मेडिकल कॉलेजों में एमडी साइकेट्री की सीटें बढ़ाई जातीं, तो नियमानुसार हर नये मेडिकल कॉलेज को अनिवार्य सेवा बांड के तहत दो-दो साल के लिए विशेषज्ञ डॉक्टर मिल सकते थे। इससे प्रदेश में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होता। दूसरी तरफ जानकारी के अनुसार, प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों ने नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी), नई दिल्ली से मानसिक रोग विषय में पीजी सीटों की मांग ही नहीं की होगी, जबकि अन्य विषयों में सीटों में इजाफा किया गया है।

> मंडल स्तर के अस्पतालों में विशेषज्ञों की तैनाती है, इसके अलावा हर जिला अस्पताल में मन कक्ष हैं, जहां चिकित्सक के अलावा एनएचएम के माध्यम से क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट की तैनाती है। अस्पताल आने वाले हर मानसिक रोगी को इलाज उपलब्ध हो रहा है।
>
> -डॉ.रतन पाल सिंह 'सुमन', स्वास्थ्य महानिदेशक, उप्र.

किस मेडिकल कॉलेज में कितनी सीटें

प्रदेश के छह पुराने मेडिकल कॉलेजों में ही साइकेट्री में एमडी की सीमित सीटें हैं, तमाम नए मेडिकल कॉलेजों में विभाग ही स्वीकृत नहीं हैं। इनमें केजीएमयू, लखनऊ में सबसे ज्यादा 12 सीटें हैं, इनमें छह राज्य कोटे और छह ऑल इंडिया कोटे की शामिल हैं। आगरा के आईएमएमएच में आठ सीटें और एसएनएमसी में पांच सीट हैं, दोनों मेडिकल कॉलेजों की कुल 13 सीटों में सात ऑल इंडिया कोटे की हैं। गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज की तीन सीटों में दो राज्य कोटे की हैं, मेरठ मेडिकल कॉलेज की तीन सीटों में मात्र एक राज्य की है, एमएलएन प्रयागराज मेडिकल कॉलेज की दो सीटों में एक-एक राज्य और ऑल इंडिया कोटे की हैं। इसके अलावा केन्द्रीय विश्वविद्यालय बीएचयू वाराणसी में छह सीटें, एएमयू अलीगढ़ में दो सीटें हैं, इन आठ सीटों में चार सीटें उत्तर प्रदेश कोटे में आती हैं।

निजी क्षेत्र में 75 सीटें

इस तरह सरकारी मेडिकल कॉलेजों से हर साल मात्र 41 मानसिक रोग विशेषज्ञ ही तैयार होते हैं। जबकि प्रदेश के कुल 23 निजी और अल्पसंख्यक मेडिकल कॉलेजों में क्रमशः 66 और 9 सीटें अल्पसंख्यक कोटे की हैं, यानी कुल 75 सीटों पर हर साल एमबीबीएस चिकित्सकों को दाखिला मिल रहा है।

भरथापुर के पीड़ितों को बसाने के लिए योगी ने दिए 21.55 करोड़

बहराइच में नाव हादसे के पीड़ितों से की मुलाकात, 4-4 लाख की राहत राशि सौंपी

हादसे के प्रभावितों को चेक सौंपते मुख्यमंत्री योगी।

पीड़ित परिवारों को राहत सामग्री वितरित करते मुख्यमंत्री, साथ में अन्य।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री ने एक माह के भीतर पीड़ित परिवारों के विस्थापन का दिया निर्देश

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को बहराइच पहुंचकर हाल ही में नाव हादसे में अपनों को खो चुके परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों को सांत्वना दी और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इस दुख की घड़ी में आपके साथ खड़ी है, किसी को भी बेघर या बेसहारा नहीं रहने दिया जाएगा।

योगी ने मौके पर पीड़ित परिवारों को चार-चार लाख रुपये की राहत राशि के चेक सौंपे। उन्होंने कहा कि हादसे से प्रभावित सभी परिवारों को शीघ्र राहत और पुनर्वास मिल सके, इसके लिए शासन स्तर पर विशेष व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भरथापुर के सभी विस्थापित परिवारों को अब सुरक्षित और बेहतर जीवन मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने घटना स्थल का हवाई सर्वेक्षण कर हालात का जायजा लिया और अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। इसके बाद जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक में उन्होंने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि एक माह के भीतर भरथापुर के सभी पीड़ित परिवारों का विस्थापन पूरा किया जाए। इसके लिए 21 करोड़ 55 लाख रुपये की धनराशि तत्काल स्वीकृत कर दी गई है। योगी ने कहा कि भरथापुर के सभी परिवारों को उनके गांव के नाम से कॉलोनी बनाकर पुनर्वासित किया जाएगा। कॉलोनी में बिजली, पानी, सड़क, शौचालय, स्कूल और स्वास्थ्य केंद्र जैसी सभी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि किसी भी पीड़ित परिवार को असुरक्षित या असुविधाजनक स्थिति में नहीं रहने दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि भरथापुर के साथ-साथ बहराइच के उन अन्य गांवों की भी सूची तैयार की जाए जो जंगलों या नदी क्षेत्र के बीच बसे हैं। ऐसे सभी परिवारों को चरणबद्ध तरीके से सुरक्षित स्थानों पर विस्थापित किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि यदि इसके लिए अतिरिक्त बजट की आवश्यकता हो, तो प्रस्ताव तत्काल शासन को भेजा जाए। योगी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल मुआवजा देना नहीं, बल्कि स्थायी पुनर्वास और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करना है। उन्होंने अफसरों को चेताया कि राहत और आवास प्रक्रिया में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि जंगलों में रह रहे अन्य परिवारों को भी चरणबद्ध तरीके से सुरक्षित स्थानों पर बसाया जाएगा, ताकि ऐसी दुर्घटनाएं दोबारा न हों।

हर महिला में जगे विश्वास कि न्याय व्यवस्था उसके साथ खड़ी है : नामित सीजेआई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति ने की एआई चैटबॉट 'न्याय मार्ग' की शुरुआत
- महिलाओं की न्यायिक सुरक्षा और प्रजनन स्वायत्तता पर की गई चर्चा

अमृत विचार : उप्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (यूपीएसएलएसए) द्वारा रविवार को न्यायिक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (जेटीआरआई), लखनऊ में कानूनी सहायता के माध्यम से प्रजनन स्वायत्तता में बाधाओं को दूर करना, विषय पर एक संवेदनशीलता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम भारत के सर्वोच्च न्यायालय एवं इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्तियों की मौजूदगी में हुआ।

कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में नामित सीजेआई न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि परिस्थितियां कैसी भी हों, प्रत्येक महिला यह आत्मविश्वास पाने की अधिकारी है कि न्याय व्यवस्था उसके साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने उप्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की उपलब्धियों की सराहना करते हुए एआई चैटबॉट "न्याय मार्ग"की शुरुआत पर बधाई दी और कहा कि यह प्रयास लाभार्थियों और उनके अधिकारों के बीच की दूरी को पाटेगा।

लखनऊ : कार्यक्रम की दीप जलाकर शुरुआत करते न्यायमूर्ति सूर्यकांत।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने समाज में महिलाओं की स्थिति का उल्लेख किया और संकल्प कार्यक्रम जैसे प्रयासों की सराहना की, जो प्रजनन स्वायत्तता से जुड़े मुद्दों पर संवेदनशीलता को बढ़ावा देते हैं। न्यायमूर्ति अरुण भंसाली, मुख्य न्यायाधीश, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा कि यह कार्यक्रम तथा न्याय मार्ग चैटबॉट न्याय तक पहुंच को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता व न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी ने डिजिटल माध्यमों द्वारा विधिक सहायता को अधिक सुलभ एवं प्रभावी बनाने पर बल दिया।

कभी नरम तो कभी गरम रहेगा मौसम का मिजाज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- नवंबर में रातें गर्म रहने का अनुमान, हो सकती है औसत से अधिक वर्षा

अमृत विचार : बीते दिनों उत्तर प्रदेश जहां मोंथा चक्रवात से प्रभावित रहा, वहीं अब आने वाले दिनों में मौसम का मिजाज कभी नरम तो कभी गरम रहेगा। मौसम विभाग का अनुमान है कि नवंबर में रातें गर्म रहेंगी और ऐसा सामान्य से औसत मासिक न्यूनतम तापमान अधिक रहने के कारण होगा। इस बीच प्रशांत महासागर में उत्पन्न कमजोर ला-निना की परिस्थितियां नवंबर व दिसंबर में भी जारी रहेंगी। इन परिस्थितियों के संयुक्त प्रभाव से नवंबर में औसत से अधिक वर्षा भी संभव है।

दरअसल, मोंथा चक्रवात का प्रभाव पूर्वी उप्र. के साथ लखनऊ और आसपास के जिलों में खूब दिखाई दिया था। राज्य में अब मौसम बदल रहा है, ऐसे में नवंबर में रातें गर्म रहने का अनुमान है। सामान्य से औसत मासिक न्यूनतम तापमान अधिक रहने के कारण से ऐसा होगा। वहीं, प्रशांत महासागर में उत्पन्न कमजोर ला-निना की परिस्थितियों से नवंबर व दिसंबर में भी जारी रहने और उसके नकारात्मक हिंद महासागरीय द्विध्रुव परिस्थितियों के संयुक्त प्रभाव से नवंबर में औसत से अधिक बारिश संभव है।

कतार लगाने के बजाय इकाइयों से खाद लें किसान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कृषि मंत्री बोले- प्रदेश में है पर्याप्त खाद, किसानों को उनकी जोत के अनुपात में उपलब्ध

अमृत विचार: राज्य सरकार ने किसानों को कतार लगाने के बजाय अपनी सुविधानुसार इकाइयों से खाद लेने का सुझाव दिया है। स्पष्ट किया कि बीते साल की उपलब्धता 24.32 लाख मीट्रिक टन के सापेक्ष इस 1.59 लाख मीट्रिक टन अधिक खाद इस अवधि में उपलब्ध है।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने रविवार को विभागीय अधिकारियों के साथ खाद की ताजा उपलब्धता की समीक्षा की और अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से किसानों को आश्वस्त किया कि राज्य में पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है जिसे किसानों को उनकी जोत के अनुपात में उपलब्ध कराया जा रहा है।

कृषि मंत्री ने कहा कि एमएफएमएस पोर्टल के अनुसार 2 नवंबर तक कुल 35.68 लाख मीट्रिक टन उर्वरक प्राप्त हो चुका है, जिनमें से 9.77 लाख मीट्रिक टन की बिक्री की जा चुकी है। इस प्रकार राज्य में 25.91 लाख मीट्रिक टन उर्वरक का स्टॉक किसानों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए उपलब्ध है। कृषि मंत्री ने कहा कि रबी सीजन के लिए उर्वरकों की उपलब्धता और वितरण पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है।

भाजपा को जिताने की कोशिश कर रहीं मायावती : उदितराज

अमृत विचार, लखनऊ : दलित, ओबीसी, अल्पसंख्यक और आदिवासी संगठनों का परिसंघ (डोमा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. उदित राज का आरोप है कि बसपा सुप्रीमो मायावती बिहार में भाजपा को जिताने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने तर्क दिया कि इसीलिए कांशीराम की पुण्यतिथि पर बसपा सुप्रीमो ने बिहार में भाजपा को जिताने के लिए लखनऊ में रैली की। रविवार को राजधानी के राज्य अतिथि गृह में उदितराज ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि एक ओर मायावती मुसलमानों को जोड़ने की बात करती हैं, लेकिन भाजपा के साथ सहानुभूति रखने के कारण ही वह वर्षों से जेल में बंद उमर खालिद, शरजील इमाम, मीरान हैदर और गुलफिशा फातिमा की जमानत पर प्रतिक्रिया नहीं देतीं।

माइक्रोप्लानिंग से तय होगी जीत : धर्मपाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- भाजपा ने शिक्षक-स्नातक एमएलसी चुनाव को लेकर बनाई रणनीति
- समीक्षा बैठक में मतदाता पुनरीक्षण पर खास जोर

लखनऊ में बैठक के दौरान उपस्थित प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह व अन्य।

अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी ने आगामी शिक्षक एवं स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के एमएलसी चुनाव को लेकर अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। रविवार को पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में हुई बैठक में प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने इसे प्रबंधन का चुनाव बताते हुए कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर माइक्रो प्लानिंग का मंत्र दिया।

धर्मपाल सिंह ने कहा कि बूथ स्तर पर सटीक रणनीति और सक्रिय कार्यकर्ता ही जीत का आधार हैं। हर कार्यकर्ता को मतदाता बनाने, उनसे संपर्क और अधिकतम मतदान सुनिश्चित कराने की जिम्मेदारी मिलेगी। धर्मपाल सिंह ने कहा कि यह चुनाव केवल संख्या नहीं, बल्कि समन्वय और रणनीति की परीक्षा है। धर्मपाल सिंह ने कहा कि पार्टी को समन्वय बनाकर काम करना होगा। प्रत्येक कार्यकर्ता को उसकी योग्यता के अनुसार जिम्मेदारी सौंपी जाए, ताकि हर स्तर पर प्रभावी परिणाम मिल सकें। उन्होंने कहा कि शिक्षक एमएलसी चुनाव के लिए विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और विद्यालयों तक पहुंचकर मतदाता बनाने का काम किया जाए, वहीं स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में घर-घर संपर्क अभियान चलाकर मतदाता पंजीकरण बढ़ाया जाए।

उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे लक्ष्य तय कर टीम वर्क के जरिए काम करने से सफलता आसान होती है। कॉलेजों की सूची तैयार कर क्षेत्रवार समीक्षा और संवाद के फार्मूले पर काम करना जरूरी है। धर्मपाल ने कहा कि वर्तमान में पार्टी के आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान, सरदार पटेल 150वीं जयंती समारोह अभियान, वंदे भारत अभियान और बिरसा मुंडा जनजातीय गौरव अभियान के साथ-साथ मतदाता पुनरीक्षण अभियान चल रहे हैं। सभी अभियानों में सक्रिय सहभागिता के साथ एमएलसी चुनाव के लिए अधिक से अधिक मतदाता बनाना ही प्राथमिक लक्ष्य होना चाहिए।

बैठक में एमएलसी चुनाव के प्रदेश संयोजक एवं प्रदेश महामंत्री अमर पाल मौर्य ने अब तक हुए कार्यों का बिंदुवार ब्यौरा प्रस्तुत किया।

कर चोरी | राज्यकर विभाग के अधिकारियों की सुस्ती और मिलीभगत से फैल रहा फर्जी कंपनियों का जाल

तकनीक को हथियार बनाकर हो रही जीएसटी की जालसाजी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में 'एक टैक्स-एक राष्ट्र' की संकल्पना अब 'एक घोटाला-अनेक रूप' में बदलता दिख रहा है। मुरादाबाद, भदोही और महराजगंज सिर्फ बानगी है, जीएसटी लागू होने के आठ साल बाद भी कर चोरी का नेटवर्क पूरे प्रदेश में नई तकनीक और मिलीभगत से ज्यादा संगठित नजर आ रहा है।

प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर, लखनऊ, मेरठ, मुरादाबाद, भदोही और महराजगंज जैसे जिलों में लगातार ऐसे मामले उजागर हो रहे हैं, जो बताते हैं कि फर्जी कंपनियों और बोगस इनवॉइसिंग के जरिए सरकारी खजाने को करोड़ों का चूना लगाया जा रहा है, जबकि विभागीय स्तर पर कार्रवाई कागजी फाइलों में ही दम तोड़ देती है। नोएडा-ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में तीन वर्षों के दौरान जीएसटी फ्रॉड के मामले दोगुने हो गए हैं। वर्ष 2022-23 में अकेले 134 मामले सामने आए थे।

राज्य कर विभाग के सूत्रों के मुताबिक, पिछले कुछ महीनों में विभिन्न जिलों-शहरों में ऐसे मामलों का पूल बनता जा रहा है। उदाहरण के तौर पर, लखनऊ में दो कंपनियों के खिलाफ लगभग 7.35 करोड़ रुपये की कर चोरी की प्राथमिकी दर्ज की गई है। इन कंपनियों ने ऑनलाइन पंजीकरण कराकर खुद को सक्रिय दिखाया, लेकिन चुनौतियों में पाया गया कि उनका वास्तविक व्यापार पता मौजूद नहीं था और फर्जी बिल जारी करके कर चोरी हुई थी।

केस - 1

मुरादाबाद क्षेत्र में हाल ही में एक थोक गद्दा विक्रेता के गोदामों पर छापे में पाया गया कि कई गोदामों में पुराने इनवॉइस व किए गए कारोबार का रिकार्ड नहीं था। विभागीय टीमें आठ स्थानों पर एक साथ कार्रवाई में जुटीं, तो भ्रष्टाचार का बड़ा नेटवर्क सामने आया।

केस - 2

भदोही जिले में एक ट्रेडिंग फर्म पर आरोप है कि उसने लगभग 55.49 रुपये करोड़ का घोटाला किया और अवैध इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के माध्यम से 7.29 करोड़ रुपये की राशि का लाभ उठाया गया।

केस - 3

महराजगंज में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया, जिसमें एक दिव्यांग व्यक्ति के नाम पर फर्जी फर्म बनाई गई और उसे 86 लाख रुपये का जीएसटी नोटिस मिला। इस घोटाले ने न सिर्फ कर प्रणाली की साख को चुनौती दी है, बल्कि डिजिटल पहचान व दस्तावेजों की विश्वसनीयता पर भी प्रश्न खड़े किए हैं।

फर्जी डेटा एंट्री के आगे फेल डिजिटल सिस्टम

- राज्य कर विभाग जीएसटी-टू ए, ई-वे बिल और डेटा एनालिटिक्स पर गर्व करता है, लेकिन यही डिजिटल सिस्टम फर्जी डेटा एंट्री के आगे पंगु साबित हो रहे हैं। कई व्यापारियों ने नाम बदलकर एक ही पते पर दर्जनों फर्में बना ली हैं। ईमेल और मोबाइल वेरिफिकेशन से आगे कोई भौतिक जांच नहीं होना, इसे और खतरनाक लूट में तब्दील करता जा रहा है। कई जिलों में स्थानीय कर अधिकारी, दलालों और सॉफ्टवेयर ऑपरेटरों का नेटवर्क सक्रिय है। विभाग ने कुछ फर्मों के पंजीकरण रद्द किए और विभागीय अधिकारीयों को निलंबित व जांच के घेरे में लाया गया है। मगर यह सवाल बना हुआ है कि व्यापक स्तर पर क्यों नियमों का उल्लंघन हो रहा है और निगरानी प्रणाली क्यों असमर्थ दिख रही है।

फर्जी इनवॉइस तैयार करने के लिए रेट तय

- फर्जी इनवॉइस तैयार करने के लिए 5 हजार से 10 हजार प्रति बिल तक का 'कट' तय होता है। कुछ मामलों में ऑडिट में मदद के नाम पर अनौपचारिक रेट तय कर दिए जाते हैं। प्रश्न यह है कि जब तकनीक और सिस्टम मौजूद हैं तो जिम्मेदारी तय क्यों नहीं होती? यह सिर्फ भ्रष्टाचार का मामला नहीं, बल्कि राजस्व और विश्वसनीयता दोनों की चोरी है। अगर तत्काल कदम नहीं उठाए गए तो डिफेंस कॉरिडोर, इंडस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट और विकसित यूपी 2047 जैसे लक्ष्य साधना आसान नहीं होगा।

बागवानी में 390 घंटे का निःशुल्क प्रशिक्षण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रशिक्षण के लिए राज्य के विभिन्न मंडलों में केंद्र नामित

अमृत विचार : राज्य सरकार बागवानी क्षेत्र में रोजगार सृजन और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक योजना शुरू कर रही है। इसके लिए उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा वर्ष 2025-26 में निःशुल्क माली प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि आवास, भोजन, प्रशिक्षण सामग्री एवं यात्रा व्यय भी सरकार वहन करेगी। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण 390 घंटे (लगभग 50 दिन) का दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण के लिए राज्य के विभिन्न मंडलों में केंद्र नामित कर दिए गए हैं। नामित केन्द्रों में लखनऊ में मलिहाबाद केंद्र अंतर्गत अयोध्या, बरेली, देवीपाटन मंडल और आलमबाग केंद्र अंतर्गत लखनऊ, झांसी, वाराणसी मंडल, बस्ती केंद्र अंतर्गत बस्ती, गोरखपुर, आजमगढ़ मंडल, प्रयागराज केंद्र में प्रयागराज, मीरजापुर, चित्रकूट मंडल, सहारनपुर केंद्र अंतर्गत सहारनपुर, मुरादाबाद, मेरठ मंडल और कन्नौज केंद्र अंतर्गत कानपुर, आगरा, अलीगढ़ मंडल नामित किए गए हैं, इनमें किसी भी जिले का नागरिक अपने निकटतम प्रशिक्षण केंद्र पर पंजीकरण कर सकता है।

न्यूज ब्रीफ

महिला के खाते से निकाले रुपये, रिपोर्ट

बरेली, अमृत विचार : सुभाषनगर थाना क्षेत्र की बीडीए कॉलोनी निवासी मनी बांगा ने बताया कि उनके मोबाइल पर 17 अक्टूबर को पैसे कटने का मेसेज आया। उसके बाद उन्होंने बैंक खाता चेक किया तो पता लगा कि उसके खाते से 59 हजार 996 रुपये कट गए हैं। उन्होंने 1930 हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत की। महिला ने सुभाषनगर थाने में तहरीर दी।

परीक्षा को त्रुटि संशोधन का आखिरी मौका

बरेली, अमृत विचार : माध्यमिक शिक्षा विभाग ने हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों के शैक्षिक विवरण में हुई त्रुटियों के संशोधन के लिए अब और समय दिया गया है। यदि किसी विद्यार्थी के शैक्षिक विवरण में त्रुटियां हैं, तो वह अब पांच नवंबर तक ऑनलाइन संशोधित कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें माध्यमिक विभाग की वेबसाइट upmsp.edu.in पर जाना होगा। डीआईओएस डॉ. अजीत कुमार ने बताया कि बोर्ड परीक्षा की तैयारियां शुरू हो गई हैं और आवेदन के समय रह गई त्रुटियों को सुधारने का अवसर दिया जा रहा है। विद्यार्थियों को सलाह दी है कि वे अपने विवरण की जांच कर लें और आवश्यक संशोधन कराएं, ताकि बाद में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली ई-रिक्शा पर पलटी, दो की मौत, दो घायल

आरटीओ चेकिंग के दौरान घबराए चालक से अनियंत्रित हो गया ट्रैक्टर, जुटी भीड़

संवाददाता, डिलारी (मुरादाबाद)

हादसे के बाद मौके पर एकत्र बड़ी संख्या में लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचारः डिलारी–करनपुर मार्ग पर गांव आलियाबाद के पास ईंटों से भरी तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्राली अनियंत्रित होकर एक ई-रिक्शा से टकराकर सड़क किनारे गहरी खंती में पलट गई। ई-रिक्शा में सवार चार लोग ईंटों के नीचे दब गए, जिसमें दो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए। आरटीओ चेकिंग के दौरान ट्रैक्टर चालक घबरा गया और हादसा हो गया।

रविवार सुबह करीब 9:30 बजे आरटीओ मुरादाबाद की टीम डिलारी–करणपुर मार्ग पर आलियाबाद के निकट वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान ईंटों से भरी ट्रैक्टर ट्राली आ रही थी। आरटीओ चेकिंग देखकर ट्रैक्टर चालक घबरा गया और ट्रैक्टर की रफ्तार बढ़ा दी। इसी दौरान अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर

● **ई-रिक्शा में सवार लोग ईंटों के नीचे दलदल में दबे, निकालने में लगे घंटों**

ई-रिक्शा से टकरा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि ईंटों से लदी ट्राली ई-रिक्शा सहित गहरी खंती में पलट गई। ई-रिक्शा क्षतिग्रस्त हो गया और सवारियां ईंटों के नीचे दलदल में दब गईं। लोगों ने बमुश्किल दलदल में फंसी सवारियों को निकाला। तब तक ममता पत्नी राजेश सिंह, निवासी गांव भायपुर, थाना ठाकुरद्वारा व एक अज्ञात युवक की मौत हो चुकी थी जबकि गंभीर घायल रफीक और उसकी पुत्री आसमा, निवासी गांव रतुपुरा को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। हादसे के चलते लंबा जाम लग गया। एसपी देहात व सीओ ठाकुरद्वारा मौके पर पहुंचे और निरीक्षण किया। सीओ ने बताया कि ट्रैक्टर चालक के बारे में जानकारी नहीं हो सकी है।

यूपी बोर्ड : 12 किलो मीटर से दूर नहीं होगा केंद्र

बरेली, अमृत विचारः यूपी बोर्ड ने वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की परीक्षाओं के लिए केंद्र निर्धारण की नीति जारी कर दी है। इसके तहत सीसीटीवी कैमरों से लैस विद्यालय ही परीक्षा केंद्र बनाए जाएंगे। केंद्र निर्धारण की प्रक्रिया 10 नवंबर से शुरू होकर 30 दिसंबर तक पूरी कर ली जाएगी। नए मानकों के अनुसार जिन विद्यालयों में शिक्षकों और विद्यार्थियों की ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने की व्यवस्था है, उन्हें केंद्र निर्धारण में वरीयता दी जाएगी और इसके लिए 10 अंक निर्धारित किए हैं। इसके अलावा जिन विद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या अधिक है, उन्हें भी वरीयता दी जाएगी। परीक्षा केंद्रों में प्रधानाचार्य कक्ष से अलग सुरक्षित स्ट्रांग रूम बनाए जाएंगे, जिनमें प्रश्न पत्रों और उत्तर पुस्तिकाओं को रखने के लिए विशेष व्यवस्था होगी। परीक्षा केंद्रों में प्रवेश द्वार और प्रमुख स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य होंगे, जो बोर्ड और प्रशासन के कंट्रोल रूम से जुड़े होंगे। परीक्षा केंद्र परीक्षार्थियों के लिए 12 किमी की परिधि में ही निर्धारित किए जाएंगे।

बहराइच में बच्ची को उठा ले जाने वाले भेड़िए को मार गिराया

बहराइच, एजेंसी

जिले में कैसरगंज तहसील के कंदौली गांव में रविवार सुबह 15 माह की एक बच्ची को उठा ले जाने वाले मादा भेड़िए को वन विभाग के शूटरों ने मार गिराया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) राम सिंह यादव ने रविवार शाम को बताया कि रविवार सुबह करीब पांच बजे 15 माह की बच्ची शानवी को एक वन्यजीव उस समय उठा ले गया था जब वह घर के आंगन में अपनी मां के पास सो रही थी।

आसपास मिले पैरों के निशानों से प्रथम दृष्टया यह भेड़िए का हमला प्रतीत हुआ। पुलिस के अनुसार, बच्ची का अभी कुछ नहीं पता चला है, लेकिन घर से करीब एक किलोमीटर दूर खेत में मानव अवशेष और खून के निशान पाए गए हैं। ड्रोन और खोजी कुत्तों की मदद से वन्यजीव की तलाश की गई। डीएफओ यादव ने बताया कि जिस दिशा में भेड़िया बच्ची को लेकर गया था, उसी दिशा में शूटरों ने रणनीतिक रूप से खून के निशानों, पैर के निशानों का ड्रोन की मदद से उसका पीछा किया। उन्होंने बताया कि गांधीगंज गांव के निकट प्रधानपुरवा में भेड़िया भागता दिखाई दिया और शूटर ने निशाना साधकर गोली चला दी, जिससे वह घायल होकर बभननपुरवा की ओर भाग गया। अधिकारी ने बताया कि अपराह्न करीब साढ़े तीन बजे मादा भेड़िए मृत अवस्था में बभननपुरवा गांव से बरामद किया गया।

डीएफओ ने बताया कि भेड़िए को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की तैयारी की जा रही है। सुबह बच्ची पर हमले के बाद जिस दिशा में भेड़िया उसे लेकर भागा था, उसी दिशा में यह मादा भेड़िया मौजूद थी। इसलिए प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि यही भेड़िया बच्ची शानवी को उठा ले गया था। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम और फॉरेंसिक जांच रिपोर्ट से पुष्टि होगी। यदि भेड़िए के जबड़ों में मानव अवशेष या रक्त के अवशेष मिले तो यह साबित हो जाएगा कि हमला इसी ने किया था। डीएफओ यादव ने बताया कि पहले अनुमान था कि क्षेत्र में चार भेड़ियों का झुंड है, जिनमें से तीन को मारा जा चुका है पर अब लगता है कि उनकी संख्या अधिक हो सकती है।

उत्पात मचाने पर लगेगी लगाम, जंगलों में छोड़े जाएंगे 10 हजार बंदर

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● **शहर के 80 वार्डों के उत्पाती बंदरों को पकड़ने के लिए नगर निगम ने फिर शुरू की कवायद**

● **शहर से पकड़े गए बंदरों को पीलीभीत और शाहजहांपुर में छोड़ा जाएगा**

शहर में बंदरों को पकड़ने के लिए नया टेंडर जारी किया गया है और बंदरों को सुरक्षित रूप से जंगलों में छोड़ा जाएगा। वहीं बंदर छोड़ने की प्रक्रिया पारदर्शी हो इसके लिए जीओ टैगिंग की कराई जाएगी। – **संजीव कुमार मौर्य,** नगर आयुक्त।

अमृत विचार : शहर में प्रमुख समस्याओं में शामिल हैं कुत्तों और बंदरों का आतंक, लेकिन जल्द ही शहर में बंदरों का उत्पात कम हो जाएगा। इसके लिए नगर निगम ने कवायद तेज कर दी है। करीब 10 हजार बंदरों को पकड़कर पीलीभीत और शाहजहांपुर के जंगलों में छोड़ने की तैयारी नगर निगम ने की है। इसके लिए दोबारा से टेंडर प्रक्रिया दोबारा शुरू की गई है। निगम ने ई-निविदाएं मांगी हैं।

निगम अधिकारियों के अनुसार, चयनित एजेंसी को हर बंदर को पकड़ने और जंगल में छोड़ने की जीपीएस लोकेशन व फोटो रिपोर्ट देनी होगी, ताकि कार्रवाई की पारदर्शिता बनी रहे। निगम प्रशासन शनिवार से टेंडर प्रक्रिया शुरू कर चुका है जो 12 नवंबर तक चलेगी। इसके बाद तय की गई एजेंसी को काम सौंपा जाएगा। नगर निगम के अधिकारी ने बताया पहले चरण में करीब 1000 बंदरों को नवंबर के अंत तक पकड़कर सुरक्षित रूप से पीलीभीत के जंगलों में छोड़ा जाएगा। इसके बाद बाकी बंदर चरणबद्ध तरीके से जंगलों में भेजे जाएंगे। इतना ही नहीं टीमें किस प्रकार कार्य कर रही है इसके लिए खानापूर्ति न हो इसके लिए पकड़े गए और जंगलों में छोड़े गए हर बंदर की पुष्टि जीपीएस फोटो रिपोर्ट के जरिये करनी होगी। यानि ठेकेदार को हर बंदर को छोड़ने की जीओ टैगिंग करनी होगी। इससे यह स्पष्ट रहेगा कि बंदर वास्तव में जंगल में छोड़ा गया है, न कि शहर के किसी और इलाके में। ठेकेदार को मोबाइल ऐप या पोर्टल के माध्यम से यह रिपोर्ट नगर निगम और पशुपालन विभाग को तत्काल भेजनी होगी। इसके बाद रिपोर्ट की क्रॉस-वेरिफिकेशन टीम मौके से पुष्टि करेगी।

अभ्यर्थियों को सामान्य ज्ञान और गणित के प्रश्नों ने उलझाया

बरेली, अमृत विचार : यूपी पुलिस में उपनिरीक्षक (गोपनीय) और सहायक उपनिरीक्षक (लिपिक लेखा) भर्ती परीक्षा रविवार को जिले में 13 केंद्रों पर हुई। परीक्षा में 45 प्रतिशत अभ्यर्थियों की उपस्थिति रही। सामान्य ज्ञान और गणित के प्रश्न हल करने में अभ्यर्थियों को समय लगा। सुबह 10 से दोपहर 12:30 बजे तक परीक्षा हुई। परीक्षा में शामिल होने के लिए हरदोई, मथुरा, मैनपुरी अन्य कई जिलों के अभ्यर्थी रात में ही यहां आ गए थे। केंद्रों पर सुबह 8 बजे ही अभ्यर्थी पहुंच गए थे। परीक्षा देकर बाहर निकले अभ्यार्थियों ने बताया कि ज्यादातर सामान्य ज्ञान और गणित के प्रश्न कठिन थे। कुल पंजीकृत 6000 में से 2705 अभ्यर्थियों ने परीक्षा में भाग लिया, जबकि 3295 अनुपस्थित रहे।

तिगरी गंगा मेले में उमड़ रहा आस्था का सैलाब

संवाददाता, गजरौला

रविवार को स्नान करते बड़ी संख्या में श्रद्धालु। ● अमृत विचार

अमृत विचार : तिगरी गंगा मेले में स्नान कर पुण्य कमाने के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा है। ट्रैक्टर ट्रॉलियों में जरूरी सामान लाद कर श्रद्धालुओं के काफिले तिगरी की तरफ जा रहे हैं। सुबह से शाम तक मेले में सैकड़ों ट्रैक्टर-ट्रॉली पहुंच गए। उधर तिगरी चेक पोस्ट पर ट्रैक्टर ट्रॉली अंदर जाने से रोकने के लिए पुलिस कर्मी तैनात हैं।

तिगरी में गंगा तट पर लग रहे मेले में श्रद्धालुओं के जाने का सिलसिला कई दिन से जारी है। मगर रविवार को श्रद्धालुओं के सैकड़ों ट्रैक्टर ट्रॉली मेला के लिए रवाना हुए। सुबह से शाम तक ट्रैक्टर ट्रालियों की लाइन लगी रही। श्रद्धालुओं के परिवार ट्रैक्टर ट्रॉली में जरूरत का सभी सामान लाद कर गंगा में पुण्य कमाने जा रहे हैं। श्रद्धालुओं ने बताया कि कार्तिक पूर्णिमा पर भोर होते ही पतित पावनी में स्नान कर पुण्य कमाएंगे। उधर तिगरी गंगा मेले में स्नान कर पुण्य कमाने जा रहे श्रद्धालुओं के ट्रैक्टर-ट्रॉली सीधे नहीं जा रहे। उनको तिगरी चेक पोस्ट से मोहरका पट्टी वाले मार्ग से मेला भेजा जा रहा है। यहां पर मुस्तैद पुलिसकर्मी ट्रैक्टर ट्रॉलियों को उधर की तरफ मोड़ देते हैं। वहीं सुरक्षा के लिए मुस्तैद पुलिस ने शिव तिराहा पर भी बैरियर लगा दिया है। जिससे श्रद्धालुओं के ट्रैक्टर ट्रॉली अंदर तिगरी की तरफ न जा सकें।तिगरी गंगा मेले में अभी दो दिन तक लगातार सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रहेगी।

श्रद्धालु रागनी के साथ ही कवि सम्मेलन में नामचीन कवियों की रचनाओं का आनंद लेंगे। इसके लिए गंगा किनारे भव्य सांस्कृतिक स्थल बनाया गया है। तिगरी गंगा मेले को भव्य, दिव्य और अलौकिक बनाए जाने के लिए जिला प्रशासन कई दिन से खासी तैयारी में लगा था। इसलिए मेले में लोक कलाकारों को आमंत्रित किया गया है। वह मेले में अपनी प्रस्तुति से श्रद्धालुओं को लुभाएंगे। इससे मेले की रौनक बढ़ेगी। शाम को मेले में प्रतिदिन गंगा मैया की सामूहिक रूप से आरती की जा रही है।

महिला से 1.20 लाख ठगे

बरेली, अमृत विचार : किला थाना क्षेत्र के रामपुर रोड स्वालेनगर निवासी महक खेतान ने बताया कि वह स्वालेनगर में ब्यूटी पार्लर चलाती हैं। उसे ऋषि जायसवाल ने कहा कि वह बिजली कर्मचारी है। वह उनका बिजली का बिल किश्तों में जमा करा देगा। जिसके लिए पहले 60 हजार रुपये देने होंगे। महिला ने दो बार में 30- 30 हजार रुपये करके उनके खाते में डलवा दिए। उसके बाद बीस हजार रुपये और दो बार में नकद 40 हजार रुपये दिए लेकिन उसके बाद भी उनका बिजली का बिल जमा नहीं किया। पुलिस ने ऋषि जायसवाल और सनी जायसवाल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर तीन तलाक देकर निकाला

बरेली, अमृत विचारः प्रेमनगर थाना क्षेत्र निवासी फरहीन ने बताया कि उसका निकाह दो साल पहले इज्जतनगर थाना क्षेत्र के अशरफ खां छावनी निवासी नदीम मियां के साथ हुआ था। आरोप है कि निकाह के बाद से कम दहेज को लेकर ससुराल के लोग उसे प्रताड़ित करने लगे। ससुराल वाले बुलेट और 50 हजार रुपये मायके से लाने की मांग करने लगे। विरोध करने पर नदीम ने तीन तलाक देकर रिश्ता खत्म कर दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज ली है।

लुटेरी दुल्हन गिरोह की दो महिलाओं को किया गिरफ्तार

संवाददाता, पटवाई

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी।

अमृत विचार : पुलिस ने लुटेरी दुल्हन से जुड़े मामले में कार्रवाई करते हुए नितिन उर्फ अनिकेत की मां कंचन और मौसी सुमन को गिरफ्तार किया। दोनों को कोर्ट में पेश किया। जहां कोर्ट के आदेश पर दोनों जेल गईं।

28 अक्टूबर को शादी के नाम पर ठगी के मामले में थाना पटवाई में शिकायत दर्ज कराई थी। जिसमें बताया था कि 19 अक्टूबर सिविल लाइंस के आंबेडकर पार्क में नितिन उर्फ अनिकेत और शिवान्या सहित चार आरोपियों ने विकास की शादी शिवान्या से कराने के नाम पर झांसे में लिया था। लड़की दिखाने, गोद भराई और शादी के विभिन्न खर्चों के नाम पर कुल 1,77,450 की रकम ले ली थी। बाद में शादी से इंकार करने पर जब पीड़ित ने पैसे वापस मांगे तो नितिन उर्फ अनिकेत ने वादी को अपनी बहन से दुष्कर्म के झूठे मुकदमे में फंसाकर जेल भेजने की धमकी दी। पीड़ित की तहरीर पर थाना पटवाई पुलिस ने चार लोगों पर रिपोर्ट दर्ज की थी। रविवार को थाना पटवाई पुलिस ने दो महिला आरोपी को जीरो प्वाइंट कोसी पुल से गिरफ्तार किया। जिसमें कंचन निवासी कुराली मेरठ हाल निवासी मुरादाबाद जो नितिन उर्फ अनिकेत की मां है। सुमन पत्नी चुन्नीलाल दिवाकर निवासी गोट मुरादाबाद जो नितिन उर्फ अनिकेत की मौसी है। गिरफ्तार आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, कोर्ट के आदेश पर दोनों जेल चली गईं। पुलिस इससे पहले मुख्य आरोपी सहित दो को जेल भेज चुकी है।

तेज रफ्तार बाइक नाले में घुसी किशोर की मौत

बरेली, अमृत विचारः कैंट क्षेत्र में फूलबाग के पास शनिवार रात तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर नाले में गिर गई, जिसमें किशोर की मौत हो गई और उसका साथी घायल हो गया। पुलिस ने घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।

सिविल लाइंस, मिशन कंपाउंड निवासी 16 वर्षीय आयुष अपने साथी अरने के साथ शनिवार रात कैंट क्षेत्र में बाइक से घूमने गया था। फूल बाग के पास बाइक तेज रफ्तार होने के चलते अनियंत्रित होकर नाले में गिर गई। हादसे में आयुष की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अरने गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और घायल को अस्पताल में भर्ती कराया। आयुष की जेब में मिले पहचान पत्र और दस्तावेजों से परिजनों को सूचना दी गई।

बहन के अंतिम दर्शन को आ रहे मामा को मार डाला

संवाददाता, देवरनियां

● **रास्ते में कहासुनी होने पर गुस्साए भांजे ने हंसिया के ताबड़तोड़ किए कई वार, गिरफ्तार**

अमृत विचार : बहन की मौत के बाद उसके शव को देखने जा रहे मामा की रास्ते में भांजे से कहा-सुनी हो गई। मामा ने एक डंडा मार दिया। इससे गुस्साए भांजे ने हंसिया से ताबड़तोड़ वार कर मामा को मार डाला। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर देर रात उसे गिरफ्तार कर लिया।

देवरनियां कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला शाहाबाद निवासी कड़े राम ने बताया कि उनकी बहन सुशीला देवी और बहनोई पीलीभीत से आकर करीब ढाई माह से उनके यहां रह रहे थे। भांजा सोमपाल नशे का आदी था। बीती 26 अक्तूबर को उसने शराब के नशे में अपनी बाइक पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी थी, सुशीला देवी उसे बुझाने पहुंचीं तो वह गंभीर रूप से झुलस गईं। इलाज के लिए उन्हें बरेली के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान शनिवार को उनकी मौत हो गई। बहन के अंतिम दर्शन के लिए कड़े राम और उनके भाई मोतीराम जा रहे थे। रास्ते में भांजा सोमपाल मिल गया। मोतीराम ने गुस्से में कहा कि उसी की वजह से बहन की मौत हुई है और यह कहकर उसे डंडा मार दिया। इससे बौखलाए सोमपाल ने हाथ में पकड़े हंसिये से मामा मोतीराम पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। इससे मोतीराम की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने सुशीला देवी और मोतीराम दोनों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए बरेली भेजा। कड़े राम की तहरीर पर आरोपी सोमपाल के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया। देर रात पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

कार्यालय ग्रा.प. अगरास विकास खंड इस्लामनगर बदायूं

पत्रांक : निविदा/विज्ञप्ति/2025-26 01.11.2025

अल्पकालीन निविदा

समस्त सामग्री आपूर्ति यथा (सीमेंट, रेता, बजरी, बदरफुट ईंट, इन्टरलाक, सरिया, एंगिल, टीन, पेन्ट, रोडा) आदि को सूचित किया जाता है कि मनरेगा, राज्य वित्त, केन्द्र वित्त योजना (2025-26) के अंतर्गत प्राप्त धनराशि से ग्राम पंचायत अगरास विकास खण्ड इस्लामनगर बदायूं में निम्न कार्य हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती है। अतः समस्त संबंधित आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि निविदा की तारीख से सामग्री की दरे बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 04.11.2025 को शाम 3:00 बजे तक जमा करना सुनिश्चित करें व इसी दिवस को 4:00 बजे प्रधान व सचिव के सामने खोली जाएंगी

क्र.सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित धनराशि
1.	चंद्रभान गुप्ता के घर से लट्टरी जाटव के घर तक सीसी व नाली निर्माण कार्य	प्रा. के अनु.
2.	पान सिंह जाटव के घर से चंद्रभान जाटव के घर तक सीसी व नाली निर्माण कार्य	प्रा. के अनु.

सचिव प्रधान

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता

निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, बदायूँ।

ऑनलाइन ई–निविदा आमंत्रण सूचना

No. : 2283 / Nivida(E-T.)/ 2025 Date : 24-10-2025

1. महामहिम राज्यपाल, उ0 प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लोनिवि बदायूँ के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑनलाइन ई–निविदा दि0 05.11.2025 से दि0 15.11.2025 की दोपहर 12.00 बजे तक आमंत्रित की गयी हैं:–

2.

Sr. No.	District	Name of work	Estimated cost (in Rs. Lacs)	Bid Security (in Rs.lac)	Cost of Bid Document (Rs.)	Time of completion	Address of Executive Engineer Executing the work	Address of Superintending Engineer	Address of Chief Engineer	Eligible category of Contractor
1	2	3	0	5	6	7	8	9	10	11
1	Budaun	वर्ष 2025–26 में ग्रामीण मार्गों पर गडढा मुक्ति एवं पैच मरम्मत का कार्य।	30.40	3.04	Tender Cost+ Stationery Charges+ GST Rs.944.00	Four Month	C.D. P.W.D., Budaun	Budaun-Pilibhit Circle, P.W.D. Bareilly	Bareilly Zone P.W.D., Bareilly	A,B,C,D
2	Budaun	वर्ष 2025–26 में राज्य मार्ग/अजिमा पर गडढा मुक्ति एवं पैच मरम्मत का कार्य।	28.70	2.87	Tender Cost+ Stationery Charges+ GST Rs.944.00	Four Month	C.D. P.W.D., Budaun	Budaun-Pilibhit Circle, P.W.D. Bareilly	Bareilly Zone P.W.D., Bareilly	A,B,C,D
3	Budaun	वर्ष 2025–26 में पैच मरम्मत हेतु बिसौली स्थित विभागीय हॉट मिक्स प्लाण्ट पर ग्रिट आपूर्ति का कार्य।	22.60	2.26	Tender Cost+ Stationery Charges+ GST Rs.944.00	Four Month	C.D. P.W.D., Budaun	Budaun-Pilibhit Circle, P.W.D. Bareilly	Bareilly Zone P.W.D., Bareilly	A,B,C,D

3- बिड डाक्यूमेन्ट वेबसाइट http://etender.up.nic.in. पर दिनांक 05.11.2025 से 15.11.2025 तक उपलब्ध है, निविदाये दिनांक 15.11.2025 को दोपहर 12.00 बजे तक अपलोड की जा सकती हैं। इसकी तकनीकी बिड दिनांक 15.11.2025 को दोपहर 12.30 बजे खोली जायेगी।

निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

(देवपाल सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो.नि.वि., बदायूँ।

UP – 239710 दिनांक: 31/10/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,
लखीमपुर खीरी

पत्रांक– 3256 /16ए/ ई–टेण्डर– प्रा0खं0 /2025–26 दिनांक 27.10.2025

-शुद्धि पत्र-

इस कार्यालय के पत्रांक 3093/16ए/ई. टेण्डर–प्रा0खं0/2025–26 दिनांक 04.10.2025 द्वारा आमंत्रित निविदायें, जो दिनांक 25.10.2025 से 06.11.2025 की दोपहर 12.00बजे तक डाउनलोड/सबमिट तथा दिनांक 06.11.2025 को दोपहर 12.30 बजे खोली जानी है, वह निविदायें अपरिहार्य कारणों से अब दिनांक 06.11.2025 से 15.11.2025 की दोपहर 12.00 बजे तक डाउनलोड/सबमिट की जा सकेगी तथा उक्त निविदाओं की तकनीकी बिड दिनांक 15.11.2025 को दोपहर 12.30बजे खोली जायेगी।
निविदा की शेष शर्ते पूर्ववत् रहेगी।

(तरूणेन्दु त्रिपाठी)
अधिशासी अभियन्ताप्रान्तीय खण्ड,
लो0नि0वि0,लखीमपुर खीरी

UP – 239715 दिनांक: 31/10/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

एक ही चिंता, बेहतर हो महिलाओं का स्वास्थ्य

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● **एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में प्रथम प्रसूति एवं स्त्री रोग अपडेट कांफ्रेंस का समापन**

अमृत विचार : दो दिवसीय प्रथम प्रसूति एवं स्त्री रोग अपडेट कांफ्रेंस के दूसरे दिन महिलाओं के स्वास्थ्य पर गहन चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने महिलाओं के स्वास्थ्य की अनदेखी पर चिंता जताई और इसकी बेहतरी के लिए साथ मिलकर काम करने की अपील के साथ ही सरकार से भी योजनाएं बनाने का अनुरोध किया।

बरेली ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनोकोलॉजी सोसायटी के सहयोग से एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की ओर से आयोजित प्रथम प्रसूति एवं स्त्री रोग अपडेट कांफ्रेंस में रविवार को दो टापिक मृत जन्मदर की रोकथाम-गर्भ से लेकर दुनिया तक और यूरोगायनेकोलॉजी-स्वरूप का पुनर्स्थापन और कार्य विषय पर करीब एक दर्जन विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिया। एसजीपीजीआई चंडीगढ़ से डॉ. इंदु लता ने फेटल ग्रोथ रिस्ट्रिक्शन- मृत जन्म को रोकने के लिए साक्ष्य आधारित दृष्टिकोण और रणनीति पर व्याख्यान दिया।

डॉ. अपाला प्रियदर्शिनी ने समय से पहले और मृत जन्म जोखिम में संतुलन के लिए साक्ष्य और सुझाव विषय पर, डॉ. आयशा अहमद ने प्लासेंटा के स्वास्थ्य में जोखिम के लक्षण और उभरती प्रौद्योगिकी की भूमिका पर, डॉ. निधि ने गायनेकोलॉजी में गैर शल्य चिकित्सा संबंधी सौंदर्य प्रक्रियाएं- वर्तमान साक्ष्य और दीर्घकालिक परिणाम विषय पर व्याख्यान दिया। मेजर जर्नल डॉ. किशन कपूर ने महिलाओं में मूत्र असंयम और उपचार के लिए दृष्टिकोण, डॉ. अरुणा निगम ने पेल्विक प्रोलैप्स के आपरेशन के आधुनिक तरीके, एसआरएमएस मेडिकल कालेज के गायनो ओंकोलॉजिस्ट डॉ. मनोज टांगड़ी ने मूत्र जननांग में फिस्टुला के इलाज के विविध दृष्टिकोण पर व्याख्यान दिया और शांति मिशन पर कांगों प्रवास के दौरान वहां की केस स्टडी प्रस्तुत की। डॉ. आर के मिश्रा ने वर्चुअल रूप से गायनेकोलॉजी में रोबोटिक सर्जरी का विकास, कांसेप्ट और क्लीनिकल प्रैक्टिस पर अपना व्याख्यान दिया।

इस अवसर पर कांफ्रेंस की आर्गनाइजिंग चेयरपर्सन एवं एसआरएमएस मेडिकल कालेज के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभागाध्यक्ष डॉ. शशि बाला आर्य, आर्गनाइजिंग चेयरपर्सन एवं बरेली ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनोकोलाजी सोसायटी की प्रेसीडेंट डॉ. लतिका अग्रवाल, आर्गनाइजिंग कमेटी की को-चेयरपर्सन डॉ. नमिता अग्रवाल, डॉ. एसके सागर, कांफ्रेंस की आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. मृदु सिन्हा, साइंटिफिक चेयपर्सन डॉ. रुचिका गोयल, डॉ. भारती सरन, डॉ. मधुलिका शुक्ला, डॉ. शालिनी माहेश्वरी, डॉ. दरक्शां अब्बास, डॉ. वंदना नेगी, डॉ. रंजना गुप्ता, डॉ. रश्मि प्रसाद, डॉ. अनीता नाथ, डॉ. शिल्पी सिंह, डॉ. नम्रता अग्रवाल, डॉ. गीता कार्की, डॉ. गोदावरी जोशी, डॉ. मृदुला शर्मा, डॉ. गायत्री सिंह और डॉ. आयुषि शुक्ला, कमेटी के अन्य सदस्य, एडवाइजरी बोर्ड के सदस्य और पीजी स्टूडेंट मौजूद रहे।

अमृत विचार

सोमवार, 3 नवंबर 2025

भूख किसी किस्म की भी हो, बहुत ख़तरनाक है।

–सआदत हसन मंटो, उर्दू साहित्यकार

सजग हो श्रद्धा

आंध्र प्रदेश के मिनी तिरुपति कहे जाने वाले श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा स्थित वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में हालिया हादसे ने धार्मिक आयोजनों की सुरक्षा, मंदिरों में भीड़ प्रबंधन की विफलता, श्रद्धालुओं की सजगता और प्रशासनिक जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। राज्य सरकार ने अपनी जिम्मेदारी से यह कहकर किनारा करने की कोशिश की कि यह एक निजी मंदिर था, इसे धर्मस्व विभाग में पंजीकृत नहीं कराया गया था, किंतु तर्क महज बहानेबाजी है। मंदिर निजी हो या सार्वजनिक, जब किसी स्थान पर हजारों की भीड़ एकत्र होने की संभावना हो, तब प्रशासन की पहली जिम्मेदारी नागरिकों की सुरक्षा है। प्रशासन नितांत अनभिज्ञ भी नहीं था। उसे एकादशी के अवसर पर विशेष भीड़ जुटने की सूचना पहले से थी, फिर भी उसने एहतियाती कदम क्यों नहीं उठाए। माना, राज्य सरकार को औपचारिक सूचना नहीं थी, पर स्थानीय प्रशासन की खुफिया और नियंत्रण व्यवस्था को इस आशंकित भीड़ की जुटान का अंदाजा तो लगा ही होगा।

दो हजार वाले मंदिर परिसर की क्षमता से बारह गुना श्रद्धालु पहुंचना बताता है कि न तो भीड़ नियंत्रण की कोई योजना थी, न विभागों के बीच समन्वय। मंदिर में प्रवेश और निकास के लिए एक ही मार्ग की निर्माण संबंधी खामी का होना स्थानीय निर्माण विभाग की निगरानी में आती है। मंदिर नया था, तो निर्माण अनुमति देते समय इस तरह की सुरक्षा मानकों की जांच न करना तकनीकी और प्रशासनिक दोनों दृष्टिकोण से अपराध है। कार्यक्रम आयोजकों की भी जवाबदेही तय होनी चाहिए। इस अनुमान के बावजूद कि विशेष पर्व पर भारी भीड़ उमड़ेगी, उन्होंने न तो प्रशासन को सूचित किया, न पर्याप्त वालंटियर लगाए, न सीसीटीवी या लाउडस्पीकर जैसी मूलभूत व्यवस्था की। यह न केवल लापरवाही बल्कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा के प्रति असंवेदनशीलता का उदाहरण है। क्या उन्हें महज चढ़ावे से मतलब है! इसी वर्ष आंध्र प्रदेश के तिरुपति और सिम्हाचलम मंदिरों में ऐसी ही घटनाओं के बाद मुख्यमंत्री ने मंदिर प्रबंधन विभाग को बैरीकेड्स लगाने, प्रवेश और निकास मार्ग अलग करने, रेलिंग की व्यवस्था करने के निर्देश दिए थे, लेकिन वे सब कागजों तक सीमित रहे। यह लापरवाही ऐसी त्रासदियों की पुनरावृत्ति करता है। देश के दूसरे राज्यों यथा उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार या तमिलनाडु में भी धार्मिक भीड़ के दौरान ऐसी दुर्घटनाएं होती रही हैं। इस राष्ट्रीय समस्या का समाधान केवल संवेदना और मुआवजे से नहीं होगा। सरकारों को अनिवार्य भीड़ प्रबंधन नीति लागू करनी चाहिए, जिसमें प्रत्येक धार्मिक स्थल को अपनी अधिकतम क्षमता, आपात निकास योजना, अग्नि सुरक्षा, सीसीटीवी निगरानी की जानकारी धर्मस्व या स्थानीय प्रशासनिक पोर्टल पर दर्ज करनी हो।

इन हादसों का संदेश समाज के लिए भी एक चेतावनी है- श्रद्धा जरूरी है, लेकिन सजगता उससे भी अधिक आवश्यक है। जान है, तो भगवान है। यदि सरकारें केवल मुआवजा और शोक संदेशों तक सीमित रहेंगी, तो ऐसी त्रासदियां बार-बार घटेंगी। यह समय है कि शासन, समाज और श्रद्धालु- तीनों मिलकर यह सुनिश्चित करें कि भक्ति में भी व्यवस्था का अनुशासन बना रहे।

प्रसंगवश

महज एक नारा रह गया है 'स्वदेशी'

हम सात दशकों से 'स्वदेशी' के नारे सुन रहे हैं। आजादी से पहले भी यह आरएसएस का बुनियादी मुद्दा था। 1951 में 'जनसंघ' का गठन हुआ, तो संघ ने इस मुद्दे को राजनीतिक तौर पर ग्रहण किया। 'जनसंघ' का यह चुनावी मुद्दा भी होता था। जब 1980 में भाजपा का गठन हुआ, तो उसने भी 'स्वदेशी' का खूब प्रचार किया। दरअसल हम 'स्वदेशी' के विरोधी नहीं हैं, क्योंकि यह देश की आत्मनिर्भरता का प्राथमिक मुद्दा है। अब आरएसएस के शताब्दी समारोह और 'दशहरा संबोधन' में क्रमशः प्रधानमंत्री मोदी और सरसंघचालक मोहन भागवत ने एक बार फिर 'स्वदेशी' का गुणगान किया है। स्वदेशी और खादी को देश की आजादी से जोड़ा है, लेकिन सवाल है कि क्या 'स्वदेशी' से ही 146 करोड़ से अधिक आबादी वाले देश का गुजारा संभव है? क्या देश की अर्थव्यवस्था का विस्तार संभव है?

आकाश सपेलकर

अधिवक्ता, उच्चतम न्यायालय

वैश्विक उदारीकरण के दौर में 'स्वदेशी' के आधार पर ही अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, विदेशी निवेश, निर्यात और अंततः आत्मनिर्भरता संभव नहीं है। खादी का उत्पादन 3783 करोड़ रुपये का है और व्यापार 7146 करोड़ रुपये का है। वैश्विक व्यापार में भारत विश्व में 10वें स्थान पर है। हम चार ट्रिलियन डॉलर से अधिक की अर्थव्यवस्था हैं। महज इतनी व्यापारिक पूंजी से देश कैसे चल सकता है? भारत का कुल निर्यात 37 लाख करोड़ रुपये और आयात 61 लाख करोड़ रुपये का है। लिहाजा हमारा व्यापार घाटा करीब 9000 करोड़ रुपये का है। यदि 'स्वदेशी' को 100 फीसदी लागू करना है, तो सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यमों की चिंता स्पष्ट करें, जो 'स्वदेशी' की रीढ़ हो सकते हैं। कोरोना वैश्विक महामारी के दौरान तालाबंदी से 75082 लघु और कुटीर कंपनियां बंद हो गईं। उससे पहले वे नोटबंदी से व्यापक तौर पर प्रभावित हुईं।

अनुमान है कि ऐसे कुटीर उद्योगों की करीब छह लाख कंपनियां, फैक्टरियां बंद हो चुकी हैं। बेशक सरकार ने आर्थिक पैकेज और आसान बैंकिंग कर्ज घोषित किए, लेकिन एमएसएमई के अस्तित्व को बचाया नहीं जा सका। सरकार औपचारिक बयान देकर कुटीर उद्योगों की अद्यतन स्थिति स्पष्ट कर सकती है। मोदी सरकार ने देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में मैन्यूफैक्चरिंग के योगदान का लक्ष्य 23 फीसदी तय किया था। वह 16-17 फीसदी से घटकर करीब 13 फीसदी पर आ गया है। भारत मैन्यूफैक्चरिंग के क्षेत्र में फिलहाल पिछड़ा है, तो 'स्वदेशी' कैसे संभव है?

भारत में 'स्वदेशी' उत्पादन और अर्थव्यवस्था की सोच को 1991 से पहले ही लागू करना चाहिए था, जो भूमंडलीकरण और उदारीकरण 1991 में भारत में शुरू किया गया, उसे 1979 में ही चीन में लागू कर दिया गया था, नतीजतन उसे बहुत पहले आत्मनिर्भर होने में मदद मिली। आज उसकी औद्योगिक नीति ऐसी है कि वह किसी भी देश पर आश्रित नहीं है। अमरीका के साथ मात्र 13-14 फीसदी व्यापार की ही उसे जरूरत है। यदि वह भी नहीं हो, तो चीन की अर्थव्यवस्था डांवाडोल नहीं हो सकती।

भारत की ऐसी कोई पुख्ता औद्योगिक नीति नहीं है। आज दक्षिण पूर्व एशिया के देश अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भारत सरीखे शक्तिशाली देश को पछाड़ रहे हैं। अमरीका ने हम पर 50 फीसदी टैरिफ थोप रखा है। उससे उन कंपनियों पर विपरीत असर पड़ना तय है, जिन्होंने करोड़ों का माल बना रखा है। मसलन-कालीन और कपड़े तो 'स्वदेशी' हैं। यदि टैरिफ बढ़ने से अमेरिकी बाजार में उनकी खपत नहीं हो पा रही है, तो क्या सरकार कोई बंदोबस्त कर सकती है कि उनका 'स्वदेशी' माल देश में ही बिक सके?

जलवायु परिवर्तन और मच्छरों की विश्व विजय

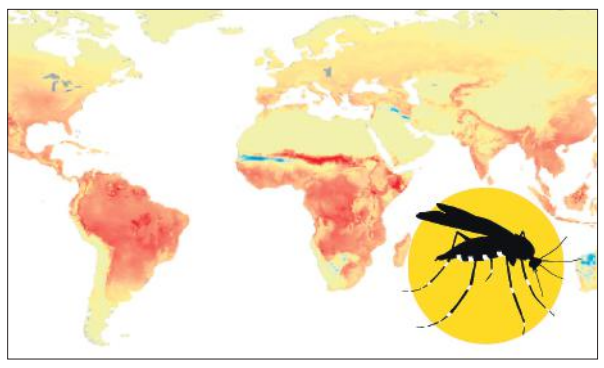

अनिल यादव

वरिष्ठ पत्रकार

यूरोप का एक देश है आइसलैंड। हाल में वहां तीन मच्छर मिले हैं। ज्ञान के हलकों में यह एक सनसनीखेज खबर बन गई है। सबसे अधिक चर्चा मच्छरों की जिजीविषा की हो रही है।

आइसलैंड के निवासियों को गुमान था कि यह दुनिया में ऐसी जगह है, जहां मच्छर नहीं पाए जाते, जिंदा ही नहीं रह सकते, लेकिन यह एक भ्रम साबित हुआ। हाल में वहां तीन मच्छर मिले हैं, जिसकी आधिकारिक घोषणा आइसलैंड के नेचुरल साइंस इंस्टीच्यूट ने की है। इसे प्राकृतिक विज्ञान के हलकों में एक सनसनीखेज खबर माना जा रहा है। वैज्ञानिक इसके कारण ग्लोबल वार्मिंग, उससे जनित क्लाइमेट चेंज और आइसलैंड जैसी सदियों से अलग-थलग रही जगह में ग्लोबलाइजेशन के नतीजे में बढ़ती पर्यटन और व्यापार की गतिविधियों में खोज रहे हैं, लेकिन सबसे अधिक चर्चा मच्छरों की जिजीविषा और हर नई परिस्थिति के अनुरूप खुद को ढाल लेने की क्षमता के कारण हो रही है।

अक्सर इन दिनों आम में असमय बौर आना और पशु-पक्षियों के व्यवहार के बदलने की खबरें कहीं न कहीं से आती रहती हैं, जिनसे विनाशकारी जलवायु परिवर्तन के दुनिया भर में फैलाव का पता चलता है। आइसलैंड में भी मच्छरों के मिलने के बाद वैज्ञानिकों को याद आया कि एक प्रमुख ग्लैशियर ओक्जोकुल पिघल कर खत्म हो चुका है, स्थानीय पौधों की कई प्रजातियां लुप्त हो चुकी हैं, ढेरों विदेशी पौधे और कुछ अब तक अज्ञात रहे कीट भी दिखाई देने लगे हैं, जिनमें से मच्छर भी एक हैं। मच्छर वहां काफी पहले पहुंच चुके थे, लेकिन उनकी उपस्थिति को स्वीकार काफी समय बाद अब किया गया है।

कीटों में दिलचस्पी रखने वाले एक स्थानीय निवासी ने अपने घर के बगीचे में एक रस्सी को वाइन में भिगाकर लटका दिया था, जिस पर ये मच्छर बसेरा करने लगे। इसे प्रमाण की तरह वैज्ञानिकों के सामने पेश किया गया। हर जानलेवा रसायन को पचा जाने और खुद को नई परिस्थितियों के अनुकूल ढालने की मच्छरों की क्षमता गजब है, लेकिन हमारे देश में मामला कुछ अलग है। हमारे यहां मच्छरों के विजय अभियान में सरकारी महकमे और उनमें काम करने वाले मनुष्य बहुत सहायक साबित हुए हैं, वरना ऐसी कामयाबी का मिलना संभव नहीं था।

एक आदमी के मन में कितनी इच्छाएं होती हैं! शायद इसे कभी जान लिया जाएगा, लेकिन इस रहस्य से कभी पर्दा नहीं उठेगा कि भारत में अब तक मलेरिया और डेंगू से वास्तव में कितने मनुष्य मर चुके हैं। विशेषज्ञों से अब तक इतना पता चल पाया है कि इन बीमारियों से बचने के लिए घरों के आसपास पानी इकट्ठा नहीं होने देना चाहिए। खुद को कपड़ों से ढक कर रखना चाहिए और मलेरिया होने पर चिकित्सकों से परामर्श लेना चाहिए आदि-इत्यादि।

इसके अलावा हम सब अपने अनुभव से जानते हैं कि मच्छर काटने से पहले गाना गाते हैं। इस गाने की महीन धुन में एक महान चुनौती है, एक हुंकार है। वे पूछते हैं कि आपने कई परमाणु परीक्षण कर दुनिया को बता दिया कि एटम बम बना सकते हैं, आपके डॉक्टरों की दुनिया भर में साख है और अब दुनिया के नक्शे पर विश्वगुरु बनने जा रहे हैं, लेकिन आप हमारा बाल-बांका क्यों नहीं कर पाए? यह गाना और गंभीर इसलिए हो जाता है, क्योंकि इसे ऐसा कीट गा रहा है, जिसने दुनिया में किसी भी जानवर की तुलना में सबसे ज्यादा मनुष्यों को मौत की नींद सुलाया है।

मच्छरों पर दुनिया भर में घूम कर शोध करने में जिंदगी लगा देने वाले हावर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एन्ड्रयू स्पीलमैन और पुलित्जर विजेता पत्रकार माइकेल डी। एंतोनियो ने एक अद्भुत किताब लिखी है। इस किताब, 'मस्कीटोः ए नेचुरल हिस्ट्री ऑफ अवर मोस्ट परसिस्टेंट एंड डेडली फो' में स्पीलमैन तथ्यात्मक ढंग से बताते हैं कि ये मच्छर ही थे, जिन्होंने सिकंदर और चंगेज खां की सेनाओं को हरा दिया था और उनके विश्वविजेता बनने के सपने धरे रह गए।

द्वितीय विश्वयुद्ध के समय डीडीटी (डाइक्लोरो डाइफिनाइल ट्राइक्लोरो ईथेन) आने के बाद वैज्ञानिकों ने मान लिया था कि मच्छर खत्म हो गए, लेकिन यह भ्रम था। वे ज्यादा ढीठ होकर नए क्षेत्रों में फैलते गए और आज भी सारी दुनिया में नरसंहार का गाना गाते मंडरा रहे हैं, लेकिन ये वैज्ञानिक हमारे भारतीय मच्छरों को नहीं जानते। पौन इंच से भी छोटे आकार के इन मच्छरों ने सरकारों, दवाओं और आदमियों का स्वभाव बदल डाला और उनसे अभयदान पा लिया है।

चार दशक पहले जब न तकनीक थी न इतने संसाधन, गांवों की दीवारों पर स्वास्थ्य विभाग के कारिंदे सफाई रखने और कुनैन की गोली खाने की सलाहें लिख रहे थे, बच्चों की जांच के लिए स्कूलों में खून की स्लाइडें बन रही थीं और छोटे कस्बों में दवाओं का छिड़काव हो रहा था। आम लोगों को लगता था कि सरकार को उनकी जान की फिक्र है और मलेरिया बस थोड़े दिनों का मेहमान है। जब से शेयर बाजार के रास्ते देश को सुपर पॉवर बनाने का रायता फैलना शुरू हुआ, सबकुछ बदल गया। मच्छर तो वही रहे, लेकिन वह आदमी बदल गया जो मलेरिया, डेंगू और कालाजार से लड़ने चला था। वह खुद मच्छर हो गया और सरकारी परियोजनाओं से रकम चूसने लगा।

उम्मीद की जगह हताशा ने ले ली और आम आदमी ने खुद को रामभरोसे छोड़ दिया। मच्छरों ने यह कारनामा कैसे किया? इसका रहस्य संगीत की उस स्वरलिपि में है, जिसमें उनके गाने की ताल, मात्राएं और राग दर्ज हैं। वह भ्रष्टाचार के संगीत की स्वरलिपि है, जिसे हम सब अच्छी तरह जानते हैं। मच्छर गा रहे हैं और उनके विनाश की परियोजनाएं चलाने वाले नेताओं, प्रशासकों, वैज्ञानिकों, चिकित्सकों, बुद्धिजीवियों का एक बड़ा तबका उस महीन धुन पर थिरक रहा है। विचित्र सांस्कृतिक समारोह जारी है।

आमने

दिल्ली की जनता ने केजरीवाल को राजधानी के 'शीश महल' से हटा दिया, लेकिन मानसिकता नहीं बदली। पंजाब में मुख्यमंत्री कोटे के तहत करदाताओं के पैसे से 'शीश महल 2.0' बनाया जा रहा है, क्योंकि केजरीवाल पंजाब के 'सुपर सीएम' हैं।

–शहजाद पूनावाला, बीजेपी प्रवक्ता

सामने

चंडीगढ़ के जिस घर को बीजेपी 'शीश महल' कह रही है, वह सरकारी आवास है और उनका कैंप कार्यालय है। वो भ्रामक प्रचार कर रही है। बीजेपी शीश महल देखना चाहती है, तो पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह का निजी आवास देखे। –भगवंत मान, मुख्यमंत्री, पंजाब

नई बसपाः दलित छोड़ मुस्लिम-पिछड़ों पर जोर

नवेद शिकोह

वरिष्ठ पत्रकार

सफलतम रैली के बाद पार्टी सुप्रीमो मायावती अपनी सक्रियता जारी रखे हैं। वो अकलियत के मुद्दों पर ज्यादा मुखर हैं। यही वजह है कि उन पर भाजपा की 'बी' टीम होने का आरोप भी लग रहा है।

सत्ता से बसपा के वनवास के चौदह साल होने वाले हैं। करीब तीन दशक तक सियासत के नीले आसमान पर अपनी असरदार मौजूदगी की चमक बिखेरती रही बसपा के दुर्दिन के कारण बहुत से हैं- निष्क्रियता, जमीनी संघर्ष न करना, सत्ता की नीतियों को लेकर आक्रामक तेवरों के बजाय सरकार के प्रति नर्म रवैया, सरकार के बजाय विपक्षी खेमों पर ही हमलावर होना, साथ छोड़ रहे अपने आधार, दलित समाज की वापसी की कोशिश के बजाय केवल मुस्लिम समाज पर बार-बार डोरे डालना। चुनावी हार के बाद मुस्लिम समाज पर हार का ठीकरा तोड़ना, इन तमाम कमजोरियों से जन्म लेने वाली एक तोहमत बसपा की नई नवेली सक्रियता पर भी पानी फेर सकती है।

इस घातक इल्जामों का शोर पार्टी के सर्वाइवल की सबसे बड़ी रुकावट बन रहा है। ये इल्जाम है कि बसपा अब सिर्फ भाजपा हित को समर्पित हो गई है। खुद की जीत के लिए नहीं बल्कि सपा को हराने और भाजपा को जिताने के लिए सत्तारूढ़ दल की बी टीम की अप्रत्यक्ष भूमिका निभा रही है बसपा! आरोपों के ऐसे चक्रव्यूह में फंसीं पार्टी सुप्रीमो मायावती की हालिया रैली की सफलता अकल्पनीय रही, ऐसे में विरोधियों की बेचैनी ने बसपा पर तोहमतों की बारिश तेज कर दी है। भाजपा की बी टीम जैसे जुमले का प्रमोशन कर कहा जाने लगा कि 'भाजपा का मायाजाल है बसपा'।

'इंडिया गठबंधन के समर्थन में एकजुट मुस्लिम समाज और पिछड़ी जातियों के वोट कतरने के लिए बसपा सक्रिय हुई है'- ऐसे बयान दे रहे बसपा विरोधियों का कहना है कि भाजपा की घबराहट की दलील है बसपा की सक्रियता। ये सच है कि अर्से बाद सफल रैली कर अपना शक्ति प्रदर्शन कर, जहां मायावती ने अपनी ताकत और मौजूदगी का एहसास कराया, वहीं बी टीम के हमलों को खुद ही गाढ़ा भी कर दिया। वो सत्ता पर कम और विपक्ष यानी सपा-कांग्रेस पर कुछ ज्यादा ही आक्रामक रहीं, बल्कि पार्क के रख-रखाव के मामले में तो उन्होंने यूपी की योगी आदित्यनाथ की सरकार की खूब तारीफ भी की और आभार तक व्यक्त कर दिया।

सफलतम रैली के बाद पार्टी सुप्रीमो मायावती अपनी सक्रियता जारी रखे हुए हैं। वो अकलियत के मुद्दों पर मुखर कुछ ज्यादा ही हैं। बुल्डोजर कार्रवाई से लेकर मुस्लिम लड़कियों पर अपशब्द बोलने वाले भाजपा के पूर्व विधायक के खिलाफ ताबड़तोड़ उन्होंने बयान दिए। मुस्लिम भाईचारा कमेटियों के बाद पिछड़ा वर्ग भाईचारा संगठन की बैठक भी की गई।

राजनीतिक पंडितों और बुद्धीजीवियों की मानें तो मुसलमान एकजुट होकर उस राजनीतिक शक्ति की ताकत बनता है, जो भाजपा को टक्कर देने के लिए सबसे अधिक बलवान हो। जिस भाजपा विरोधी दल के पास गैर मुस्लिम वोटों का आधार हो, मुस्लिम उसके साथ आकर एक और एक ग्यारह की ताकत बनना चाहता है। ऐसे में अकलियत का बसपा संग आना काफी मुश्किल है प्रतीत होता है। इस दौरान अपने आधार दलित समाज की वापसी की कोशिशों के बजाय केवल अकलियत पर डोरे डालने से ये परसेप्शन बनने लगा है कि मुस्लिम वोट में बंटवारा कराने की साजिशों को अंजाम देने की कोशिशें हो रही हैं।

यूपी की आबादी में बीस फीसद की तादाद वाला मुस्लिम समाज पिछले लोकसभा चुनाव से उत्साहित है। यहां इंडिया गठबंधन (सपा और कांग्रेस) ने 43 लोकसभा सीटें जीतकर इतिहास रच दिया था। एकजुट वोट ने ताकतवर भाजपा को यूपी में धराशाई कर दिया था और इंडिया गठबंधन ने 43.52 फीसदी वोट हासिल किए थे।

इधर बसपा ने निरंतर हारने और हाशिए पर आ जाने के बाद भी भाजपा से दलित वापसी के सार्थक प्रयास नहीं किए हैं। अपने पारंपरिक दलित वोटबैंक को मजबूत कर मुस्लिम, पिछड़े और ब्राह्मण को जोड़ने का सामाजिक समीकरण बनाया जाता तो यह बसपा के लिए काफी बेहतर होता। यह सफल प्रयोग वह पहले भी कर चुकी हैं।

अपने आधार वोट बैंक दलित समाज से जुड़ी अन्यायपूर्ण घटनाओं के खिलाफ शिद्दत से जमीन पर आवाज न उठाकर मुस्लिम और पिछड़ों की राजनीति में मुखर होती बसपा की रणनीति सपा को कमजोर करने की कोशिश ज्यादा प्रतीत हो रही है। राजनीति की आम समझ रखने वाला यूपी का आम आदमी भी ये जानता है कि यदि मायावती अपने पारंपरिक दलित वोट बैंक की सौ फीसद वापसी का संघर्ष करने के लिए दलितों के मुद्दों को लेकर जमीनी संघर्ष करें तो सफलता मिलना मुश्किल नहीं, जबकि पिछड़ी जातियों और मुसलमानों का कुछ वोट अपनी ओर लाने से लाभ की उम्मीद कम पर मुस्लिम वोटों के बिखराव से भाजपा को फायदे की संभावना अधिक है।

सरकार के प्रति ज्यादा आक्रामक न होकर सपा-कांग्रेस को घेरना और दलितों के मुद्दों को रफ्तार न देना उस वर्ग को नाखुश कर रहा है, जो सत्ता परिवर्तन चाहते हैं। खासकर यूपी का मुस्लिम समाज, जो पिछले लोकसभा चुनाव में इंडियन गठबंधन के साथ एकजुट था, उसे लगने लगा है कि भाजपा अपना 'माया जाल' बिछाकर बसपा के जरिए इंडिया गठबंधन को समर्पित एकजुट मुस्लिम वोट बैंक के बिखराव की साजिश कर रही है!

सोशल फोरम

मंगल पर दिखाई दी रहस्यमयी वस्तु

एक चौंकाने वाली खोज ने पृथ्वी से परे जीवन के बारे में सदियों पुरानी बहस को फिर से छेड़ दिया है। मंगल ग्रह की सतह पर नजर रख रहे वैज्ञानिकों ने लाल ग्रह पर एक गतिशील प्राणी जैसा कुछ देखा है। यह अजीबो-गरीब आकृति लगभग दो मीटर लंबी है और इसके अंग सामान्य से ज़्यादा लंबे लगते हैं, साथ ही इसकी शारीरिक संरचना मंगल ग्रह पर अब तक दर्ज की गई किसी भी चीज से अलग है। इस दृश्य ने दुनिया भर के वैज्ञानिक समुदाय और अंतरिक्ष प्रेमियों, दोनों को स्तब्ध कर दिया है।

एलसी सुथार

ब्लॉगर

कुछ शोधकर्ताओं का अनुमान है कि यह मंगल ग्रह पर आदिम या यहां तक कि संवेदनशील जीवन का संकेत हो सकता है, जबकि अन्य का तर्क है कि यह बस एक असामान्य भूवैज्ञानिक संरचना या प्रकाश और छाया का एक जादू हो सकता है। हालांकि, तस्वीरों में कैद असामान्य आकार और गति के कारण इसे पूरी तरह से खारिज करना बेहद मुश्किल है। इसने अलौकिक जीवन की संभावना के बारे में गहन चर्चा और बहस छेड़ दी है, जिसकी तलाश मनुष्य दशकों से कर रहा है।

इस रहस्य को और बढ़ाते हुए, प्रमुख अंतरिक्ष संगठनों द्वारा अभी तक इस आकृति के वास्तविक स्वरूप के बारे में कोई आधिकारिक टिप्पणी जारी नहीं की गई है। यह सन्नाटा जिज्ञासा को और बढ़ा रहा है, जिससे वैज्ञानिक और शौकिया अंतरिक्ष यात्री मंगल ग्रह की तस्वीरों, सिद्धांतों और पिछले डेटा पर गौर कर रहे हैं, ताकि यह समझने की कोशिश कर सकें कि क्या देखा जा रहा है।

चाहे वह पृथ्वी से परे जीवन का प्रमाण हो या मंगल ग्रह की एक दुर्लभ भूवैज्ञानिक घटना, मंगल ग्रह पर इस दो मीटर लंबे जीव की खोज मानवता को इस लाल ग्रह के बारे में हमारी जानकारी पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर कर रही है। उत्साह और अटकलें तेजी से फैल रही हैं और सभी को याद दिला रही हैं कि ब्रह्मांड में अभी भी अनगिनत रहस्य छिपे हैं, जिनका खुलासा होना बाकी है।

शोधकर्ता इस असाधारण दृश्य की जांच जारी रखेंगे, क्योंकि मंगल ग्रह पर ऐसे आश्चर्य छिपे हो सकते हैं, जो ब्रह्मांड में जीवन को देखने के हमारे नजरिए को हमेशा के लिए बदल सकते हैं।

–फेसबुक वाल से

सामयिकी

विडंबनाः शिक्षक तो हैं पर पढ़ाई नहीं होती

शिक्षा का अधिकार कानून लागू होने के बाद यह व्यापक अपेक्षा थी कि हर बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचेगी और सरकारी स्कूल समाज में समान अवसरों के वाहक बनेंगे, लेकिन ताजा आंकड़े, ऐसे चौंकाने वाले तथ्य दिखा रहे हैं, जिनसे स्पष्ट होता है कि देश की शिक्षा व्यवस्था में संसाधनों की उपलब्धता और उनके उपयोग के बीच भारी असंतुलन है। केंद्र सरकार की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, देश में लगभग 8,000 ऐसे सरकारी स्कूल हैं, जिनमें एक भी छात्र नामांकित नहीं है। इनमें 20,000 से अधिक शिक्षक अब भी पदस्थ हैं। यानी शिक्षक हैं, भवन भी मौजूद हैं, वेतन भी दिया जा रहा है, लेकिन पढ़ने वाला एक भी बच्चा नहीं। यह न केवल सरकारी धन के उपयोग पर सवाल खड़े करती है, बल्कि नीति-निर्माता सोच की जमीन से दूर होने का संकेत भी देती है।

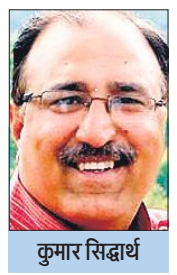

कुमार सिद्धार्थ

सामाजिक कार्यकर्ता

दूसरी ओर, कई राज्य- विशेषकर उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और मध्यप्रदेश, उन क्षेत्रों में हैं, जहां छात्र-शिक्षक अनुपात राष्ट्रीय मानक 30:1 से कई गुना अधिक है। कहीं शिक्षक खाली बैठे हैं और कहीं एक शिक्षक सौ-सौ बच्चों को सिखाने की जिम्मेदारी ढो रहा है। यह स्थिति त्रुटिपूर्ण नियुक्ति, अनुपयुक्त तैनाती और योजनागत नासमझी का सम्मिलित संकेत है। पिछले दशक में ग्रामीण इलाकों से शहरों की ओर तेजी से पलायन हुआ। रोजगार, स्वास्थ्य और शिक्षा- तीनों की तलाश ने अभिभावकों को कस्बों और महानगरों की ओर धकेला। इससे अनेक गांवों में जनसंख्या इतनी कम हो गई कि स्कूल प्रायः खाली हो गए। दूसरी ओर निजी विद्यालयों की चमक, अंग्रेजी माध्यम और बेहतर परिणामों के दावों ने अभिभावकों का विश्वास सरकारी विद्यालयों से दूर कर दिया। ऐसे में सरकारी स्कूलों में शिक्षक और भवन तो रह गए, पर बच्चे खोते चले गए।

आज देश में लगभग 97 लाख शिक्षक कार्यरत हैं, जिनमें लगभग 55 लाख सरकारी स्कूलों में तैनात हैं। इनमें से एक बड़ा हिस्सा मल्टी-ग्रेड शिक्षा जैसी कठिन परिस्थिति में काम कर रहा है, जहां एक ही कक्षा में कई स्तरों के बच्चे होते हैं। शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता एवं निरंतर सीखने के अवसरों की कमी शिक्षा-गुणवत्ता पर स्पष्ट असर डाल रही है। कई राज्यों में संविदा या अतिथि शिक्षक वर्षों तक अस्थिर सेवा परिस्थितियों में रहते हैं, जो उनके मनोबल और जिम्मेदारी दोनों को प्रभावित करती हैं।

वहीं ऐसे भी विद्यालय हैं जहां तीन-चार शिक्षक, छात्रों से कहीं अधिक संख्या में तैनात हैं। यह शिक्षक वितरण की गंभीर खामी है, जिसके समाधान के बिना शिक्षा की स्थिति सुधरना मुश्किल है। अगर हम मध्य प्रदेश की बात करें, यहां लगभग 1.2 लाख प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय हैं, जिनमें लाखों बच्चों का भविष्य आकार लेता है, लेकिन 'असर' और नेशनल अचीवमेंट जैसे सर्वे बताते हैं कि चौथी-पांचवीं कक्षा के अनेक बच्चे अपनी कक्षा-स्तर के हिसाब से सरल गणित नहीं कर पा रहे हैं और पढ़-समझने में असमर्थ पाए जा रहे हैं।

इससे स्पष्ट होता है कि शिक्षा केवल स्कूल जाने की क्रिया तक सीमित रह गई है, सीखना केंद्र में नहीं हो पा रहा है। बुनियादी ढांचे में भी असमानता है। कहीं शौचालय, पेयजल, बिजली जैसी सुविधाएं नहीं, तो कहीं शिक्षक व संसाधन बहुतायत में। भारत भर में शिक्षा नीति का अगला चरण यही होना चाहिए कि विद्यालयों में शिक्षक-मुख्य कर्तव्य (कक्षा-शिक्षण) पर हों, अन्य कार्य उनकी भूमिका को बाधित न करें और शिक्षा-संसाधनों का पुनर्वितरण इस दृष्टि से हो कि खाली स्कूल, शिक्षक-अवंटन की अनियमितताएं और गैर-शिक्षण जिम्मेदारियां हट कर वास्तविक सीखने-परिणामों पर केंद्रित हों।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

हांडा ने जापान मोबिलिटी शो-2025 में अपनी नई इलेक्ट्रिक एसयूवी Honda 0 Alpha का ग्लोबल डेब्यू किया है। कंपनी ने कंफर्म किया है कि इस मॉडल को भारत में साल 2027 तक लॉन्च किया जाएगा और देश में ही लोकल मैन्युफैक्चरिंग के जरिए तैयार किया जाएगा। यह हांडा की नई 0 Series ईवी लाइनअप का पहला मॉडल है, जो भारत में कंपनी के इलेक्ट्रिक मोबिलिटी सेगमेंट की औपचारिक शुरुआत करेगा। *-फीचर डेस्क*

भारत में बनेगी होंडा की एसयूवी ईवी कार

डिजाइन में मिलेगा फ्यूचर का टच

Honda 0 Alpha का डिजाइन कंपनी के नए 'Thin, Light and Wise' कॉन्सेप्ट पर आधारित है, जो इसे बेहद मॉडर्न और आकर्षक लुक देता है। इसका लो और वाइड स्टांस एसयूवी को स्पोर्टी अप्रोच देता है। फ्रंट में दिए गए इंटीग्रेटेड LED हेडलैम्प्स, इल्यूमिनेटेड होंडा लोगो और कनेक्टेड DRLs इसे प्रीमियम टच देते हैं। पीछे की ओर U-शेप्ड LED लाइट सिग्नेचर इसकी फ्यूचरिस्टिक डिजाइन को और निखारता है। साइज की बात करें, तो इसका व्हीलबेस 2750mm है, जो Honda Elevate से करीब 100mm ज्यादा है। वहीं, ट्रैक भी 20mm ज्यादा चौड़ा दिया गया है, जिससे ऑन-रोड स्टेबिलिटी और इंटीरियर स्पेस दोनों में बढ़त मिलती है।

केबिन होगा ज्यादा स्पेसियस और टेक-लोडेड

अंदर की ओर भी यह एसयूवी मॉडर्न फिलॉसफी पर तैयार की गई है। Thin Packaging के चलते फ्लैट फ्लोर मिलता है, जिससे केबिन में ज्यादा स्पेस और आराम होगा। इसमें उन्नत कनेक्टेड फीचर्स, एक क्लीन और प्रैक्टिकल लेआउट और एक हाई-टेक डिजिटल इंटरफेस देखने को मिल सकता है। कंपनी ने फिलहाल पावरट्रेन और बैटरी से जुड़ी जानकारी साझा नहीं की है, लेकिन उम्मीद है कि यह मॉडल फ्रंट-व्हील-ड्राइव लेआउट के साथ आएगा और रेंज भी इस सेगमेंट में प्रतिस्पर्धी होगी।

भारतीय मार्केट में किससे होगा मुकाबला

भारतीय मार्केट में लॉन्च के बाद भारत में हांडा 0 अल्फा का मुकाबला सीधे Mahindra BE 6, Tata Curvv EV, Hyundai Creta Electric और Maruti Suzuki eVitara से होगा। यह मॉडल Honda Elevate EV प्रोजेक्ट की जगह लेगा और कंपनी की इलेक्ट्रिक कार सेगमेंट में एंट्री का रास्ता खोलेगा। साथ ही यह मॉडल कंपनी के इलेक्ट्रिक पोर्टफोलियो को यहां मजबूत आधार भी देगा।

ड्राइविंग से मत डरिए, स्टीयरिंग पकड़िए और सपने चलाइए

कार चलाना सुनने में भले ही आसान लगता है, लेकिन जब खुद स्टेयरिंग पकड़ने की बारी आती है, तो हाथ-पैर फूल जाते हैं। सबसे बड़ी दिक्कत डर की होती है। कहीं ब्रेक की जगह एक्सीलेटर दब गया तो? ट्रैफिक में किसी ने पीछे से टक्कर मार दी तो? लेकिन याद रखिए- डर वहीं होता है, जहां भरोसा कम होता है। बस थोड़ा आत्मविश्वास और सही दिशा में अभ्यास और आप भी बन सकते हैं एक परफेक्ट ड्राइवर। आज आपको बताते हैं वो आसान टिप्स, जो आपकी ड्राइविंग जर्नी को मजेदार और सुरक्षित बनाएंगी।

कार से दोस्ती करें

कार चलाने से पहले उसे अच्छे से जानें। कौन-सा पैडल ब्रेक है? क्लच कहां है? गियर कैसे बदलते हैं? इंडिकेटर्स किस तरफ हैं? इन सबको समझने में थोड़ा वक्त दें। जिस कार को आप चलाते हैं, उसका फंक्शन जितना बेहतर समझेंगे, उतना ही आपका डर कम होगा और आत्मविश्वास बढ़ेगा।

फीचर्स को जानना भी जरूरी

आजकल की कारें कई स्मार्ट फीचर्स के साथ आती हैं- जैसे एसी, हीटर, क्रूज कंट्रोल, रियर सेंसर, एडीएएस सिस्टम आदि। इन्हें पहले ही सीख लें ताकि ड्राइविंग के दौरान आपको किसी बटन की तलाश न करनी पड़े।

पहले प्रैक्टिस, फिर ट्रैफिक

ड्राइविंग की शुरुआत किसी खाली ग्राउंड, पार्किंग एरिया या कम ट्रैफिक वाली सड़क पर करें। मैनुअल कार सीख रहे हैं, तो सबसे पहले क्लच-एक्सीलरेटर का बैलेंस सीखें। धीरे-धीरे क्लच छोड़ें, झटके से बचें, पहले-दूसरे गियर में ही चलाएं और ब्रेक लगाने से पहले एक्सीलेटर हटाएं। जैसे-जैसे आपका हाथ जमने लगे, थोड़ी-थोड़ी एक्टिव सड़क पर भी प्रैक्टिस बढ़ाएं।

सही सीट पोजीशन रखें

ड्राइविंग स्टार्ट करने से पहले सीट को इस तरह एडजस्ट करें कि क्लच और ब्रेक पूरी तरह दब सकें और स्टीयरिंग पर आपकी मजबूत पकड़ बनी रहे। साथ ही सीट बेल्ट पहनें, साइड और रियर मिरर सही सेट करें और चलते समय मिरर चेक करते रहें। यह छोटी आदतें बड़े हादसों से बचाती हैं।

स्टीयरिंग

स्टीयरिंग व्हील को घड़ी मानें। अपने हाथों को 9 बजे और 3 बजे की पोजीशन पर रखें। इससे आपको बेहतर कंट्रोल मिलेगा और मोड़ लेने में भी आसानी होगी।

मॉय फर्स्ट राइड

मुहल्ला ही नहीं, फिर तो पूरा शहर ही जान गया

छोटी उम्र में पहाड़ों के सफर में बस ड्राइवर को मोड़ काटते स्टेयरिंग घुमाने में ताकत लगाते देखना बड़ा रोमांचकारी होता था और खुद के भी गाड़ी चलाने की तीव्र इच्छा होती थी। उस दौर में पॉवर स्टेयरिंग नहीं हुआ करते थे। घर पर चेयर पर उल्टा बैठकर गाड़ी चलाने, गियर चेंज करने की मॉक ड्रिल करते-करते जब 12वीं में पहुंचा तो सबसे पहले चाचा की जीप को घर पर सिर्फ पार्क करना और बैक करने से गाड़ी चलाना सीखने की शुरुआत हुई। चाचा जी कभी-कभी प्लेन सड़कों पर ब्रेक, क्लच पर अपना नियंत्रण रखते हुए सिर्फ स्टेयरिंग देते थे, जिससे जीप को सड़क पर नियंत्रित रखने का अभ्यास हुआ।

गाड़ी चलाने का शौक, जुनून बन गया। चाचा की जीप को पार्क करने से शुरुआत हुई। फिर कभी-कभार खाली सड़कों पर या सुबह-सुबह गाड़ी चलाने को मिल जाती थी, जिससे सड़क पर गाड़ी चला लेने का स्वयं के भीतर आत्मविश्वास पैदा हुआ। उस समय पापा हर शनिवार को नौकरी से घर आते और ड्राइवर अंकल भी गाड़ी खड़ी कर अपने घर चले जाते थे। गाड़ी सीखने की असली शुरुआत शनिवार को ही फ्री हैंड होती थी। मैं ऐसे वक्त के इंतजार में हमेशा रहता था और तब भीषण गर्मी में जब सब आराम कर रहे होते थे, तो चुपके से बिना किसी को बताए चाबी लेकर बाहर निकल जाता और गाड़ी स्टार्ट कर घर के बाहर की सड़क पर निकल आता था। पहली शुरुआत में ही गाड़ी को धीरे-धीरे निकाला। उन दिनों सड़कों पर इतना ट्रैफिक नहीं होता था। पहली बार जब गाड़ी चलाई, सिर्फ फर्स्ट गियर में ही धीरे-धीरे घर से करीब एक किलोमीटर तक निकल आया था और ऐसी इच्छा प्रबल हुई कि मोहल्ले के दोस्त, परिचित, जानने वाले लोग मुझे गाड़ी चलाते हुए देख लें, जिसके लिए सड़क पर यदि कोई परिचित जाता हुआ दिखता था, तो हॉर्न बजाकर उनको यह दिखाने की कोशिश करता था कि वो मुझे देख लें कि मैं गाड़ी चला रहा हूं। ऐसे ही पहले दिन इसी उत्सुकता में ब्रेक और क्लच का तालमेल गड़बड़ाया और वापसी में गाड़ी पड़ोसी की दीवार से जा टकराई। फिर तो ऐसा शोर मचा कि पूरी हल्द्वानी को ही पता चल गया कि मैं गाड़ी चलाना सीख रहा हूं। गाड़ी चलाने के इस रोमांच को पाने के लिए सुबह उठते ही मैं रोज गाड़ी को साफ किया करता था। धीरे-धीरे इसी तरह गाड़ी चलाते-चलाते बिना किसी मोटर ड्राइविंग ट्रेनिंग संस्थान की मदद के स्वयं ही गाड़ी चलाना सीख लिया। हालांकि वो शुरुआती दिनों में खड़ी गाड़ी में गियर डालना, स्टेयरिंग घुमाना आज भी याद है और एक खुशनुमा एहसास देता है। ***-विनोद मेहरा**, हल्द्वानी*

कार के ब्लोअर की लाइफ बढ़ाने के स्मार्ट उपाय

सर्दियों के मौसम में जब तापमान तेजी से गिरता है, तब कार का हीटर और ब्लोअर हमारी सबसे बड़ी जरूरत बन जाते हैं। गर्म हवा मिलने से सफर आरामदेह होता है और विंडस्क्रीन पर जमा कोहरा भी जल्दी साफ होता है, लेकिन अक्सर लोग ब्लोअर की केयर पर ध्यान नहीं देते और बाद में हवा कम आना, मोटर जल जाना या डक्ट्स से बदबू आने जैसी परेशानियों का सामना करते हैं। इसी वजह से जरूरत है कि कुछ आसान उपाय अपनाकर ब्लोअर सिस्टम को लंबे समय तक बढ़िया स्थिति में रखा जाए।

ब्लोअर को तुरंत हाई न करें

सबसे पहले ध्यान रखें कि कार स्टार्ट करते ही ब्लोअर को तेज स्पीड पर न चलाएं। जब इंजन, डक्ट्स और मोटर पूरी तरह ठंडी हो, तो अचानक हाई स्पीड से उन पर दबाव बढ़ता है, जिससे नुकसान हो सकता है। इसलिए 30-60 सेकंड तक लो स्पीड रखें और फिर धीरे-धीरे स्पीड बढ़ाएं।

केबिन एयर फिल्टर की सफाई करें

केबिन एयर फिल्टर को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। यह फिल्टर हवा में मौजूद धूल को रोकता है, लेकिन समय के साथ चोक हो जाता है और ब्लोअर की परफॉर्मेंस गिर जाती है। हर 6-12 महीने में इसकी सफाई या बदलाव जरूर करवाएं। इससे न सिर्फ हवा की रफ्तार बढ़ेगी, बल्कि एसी व हीटर दोनों सुचारु रूप से काम करेंगे।

ब्लोअर चलाते समय एसी ऑन रखें (डिफॉग के लिए)

सर्दियों में विंडस्क्रीन पर नमी जमना आम समस्या है। ऐसे में ब्लोअर के साथ एसी चालू रखें। एसी नमी को कम करता है और शीशा जल्दी साफ होता है। शुरुआत में Windshield + Feet मोड चुनें ताकि अंदर की नमी घटे और केबिन जल्द गर्म हो। बाद में इसे अपनी सुविधा के अनुसार बदल सकते हैं।

हवा की सही दिशा सेट करें

कार के बोनेट के पास एयर-इनटेक एरिया होता है, जहां पत्तियां और धूल जमा होने पर ब्लोअर में घुस सकती हैं। यह स्थिति मोटर को नुकसान पहुंचाती है और अजीब आवाजें भी पैदा करती है। इसलिए कार वॉश के समय इस हिस्से की सफाई के लिए विशेष ध्यान दें।

पत्तियां/धूल ब्लोअर में न जाने दें

साल में कम से कम एक बार HVAC (हीटर, वेंटिलेशन, एसी) की पूरी सर्विस कराएं। इससे डक्ट्स में जमा फफूंदी व बैक्टीरिया हट जाएंगे और बदबू से भी छुटकारा मिलेगा। इसके अलावा ठंडे मौसम में इलेक्ट्रिकल वायरिंग और कनेक्शन ढीले या हार्ड हो सकते हैं, जिन्हें समय पर चेक कराना चाहिए।

रॉयल एनफील्ड की बिक्री 13% बढ़कर 1,24,951 इकाई पर पहुंची

नई दिल्ली। प्रीमियम मोटरसाइकिल बनाने वाली कंपनी रॉयल एनफील्ड की कुल बिक्री अक्टूबर में 13% बढ़कर 1,24,951 इकाई हो गई। कंपनी ने गत वर्ष 1,10,574 इकाई बेची थीं। रॉयल एनफील्ड ने कहा कि घरेलू बिक्री इस साल बढ़कर 1,16,844 इकाई हो गई, वहीं, 2024 में 101,886 थीं। हालांकि, अक्टूबर, 2025 में उसका निर्यात 7% घटकर 8,107 इकाई रह गया, जो पिछले साल इसी इसी अवधि में 8,688 इकाई था।

अमृत विचार

बरेली, सोमवार, 3 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2565, राज श्री 1820, फॉर्चून कि. 2245, रविन्द्रा 2475, फॉर्चुन 13 किग्रा 1980, जय जवान 2005, सचिन 2040, सूरज 1990, अवसर 1925, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1945, क्लासिक (किग्रा) 2160, मोर 2200, चक्र टिन 2330, ब्लू 2175, आशीर्वाद मस्टर्ड 2410, स्वास्तिक 2520 निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4300

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9500-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 12800, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7200, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 8600, मोटा हीरा 10700, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 10800

चीनी : डालमियां -, पीलीभीत 4400, सितारगंज 4300, धामपुर -

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 5000, मसूरी- 1400, बासमती- 9200, परमल- 3000

दाल दलहन : काला चना- 6000, साबुत चना दाल- 5800, मूंग साबुत- 7600, राजमा- 11100-14100, दाल उड़द- 8000, साबुत मसूर दाल- 6900, मसूर दाल- 5100, उड़द साबुत- 8000, काबुली चना- 10000, अरहर दाल- 10200, लोबिया/करमानी- 6500

वैश्विक रुख तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

कंपनियों के तिमाही नतीजों, व्यापक आर्थिक आंकड़ों की घोषणाओं का भी दिखेगा प्रभाव

नई दिल्ली, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह कंपनियों के तिमाही नतीजों, व्यापक आर्थिक आंकड़ों की घोषणाओं और वैश्विक रुख से तय होगी। यह सप्ताह घटनाक्रमों से भरा रहने की उम्मीद है, जिसमें कई आंकड़े जारी होंगे और प्रमुख कंपनियां तिमाही नतीजे भी जारी करेंगी।

गुरु नानक जयंती से बुधवार को बाजार बंद रहेंगे।

वृहद आर्थिक मोर्चे पर, एचएसबीसी विनिर्माण पीएमआई के अंतिम आंकड़ों के साथ एचएसबीसी सेवाओं और समग्र पीएमआई के आंकड़ों पर भी सबकी नजर रहेगी। रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष-शोध अजित मिश्रा ने कहा कि आय के मोर्चे पर, कई प्रमुख सूचकांक कंपनियां अपने तिमाही परिणामों की घोषणा करने वाली हैं। इनमें भारती एयरटेल, टाइटन कंपनी, अदाणी एंटरप्राइजेज, अदाणी पोर्ट्स, इंटरग्लोब एविएशन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारतीय स्टेट बैंक, ल्यूपिन, बजाज ऑटो और हिंडाल्को शामिल हैं।

- एचएसबीसी विनिर्माण पीएमआई के साथ एचएसबीसी सेवाओं और समग्र पीएमआई के आंकड़ों पर रहेगी नजर

उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर, व्यापार करार से जुड़े घटनाक्रमों और प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय बाजारों के रुझानों पर भी कड़ी नजर रखी जाएगी। एक विशेषज्ञ ने बताया कि निवेशक विदेशी निवेशकों की व्यापारिक गतिविधियों पर भी नजर रखेंगे। तीन महीने की निकासी के बाद अक्टूबर में विदेशी निवेशकों ने शेयरों में 14,610 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है।

ऑनलाइन ट्रेडिंग और संपदा प्रौद्योगिकी कंपनी एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर ने कहा कि इस सप्ताह बाजार व्यस्त वृहद कैलेंडर से संकेत लेगा, जिसमें भारत और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के लिए एसएंडपी वैश्विक विनिर्माण और सेवा पीएमआई आंकड़ों की एक श्रृंखला वैश्विक वृद्धि गति के बारे में नई जानकारी प्रदान करेगी। इनके अलावा डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल निवेशकों की धारणा और क्षेत्रीय रुझानों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि भारतीय बाजारों ने अक्टूबर के आखिरी सप्ताह का समापन मुनाफावसूली के साथ किया क्योंकि निवेशकों ने निरंतर तेजी के बाद कुछ दांव लगाए। बाजार अमेरिका के साथ कई देशों की व्यापार वार्ता और कंपनियों के तिमाही नतीजों पर नजर रखेगा।

एफपीआई ने 14,610 करोड़ रुपये का किया निवेश

नई दिल्ली। तीन माह तक निकासी के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) फिर लिवाल बने हैं। अक्टूबर में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में 14,610 करोड़ रुपये निवेश किए हैं। इस निवेश को कंपनियों के मजबूत तिमाही नतीजों, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती और अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता के जल्द साकार होने की उम्मीदों से बल मिला। डिपॉजिटरी के अनुसार, एफपीआई ने सितंबर में 23,885 करोड़, अगस्त में 34,990 करोड़ और जुलाई में 17,700 करोड़ रुपये निकाले थे।

शीर्ष चार कंपनियों की पूंजी 95,447 करोड़ रुपये बढ़ी

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से चार के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह 95,447.38 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। शीर्ष 10 में रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई। वहीं एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मूल्यांकन में सामूहिक रूप से 91,685.94 करोड़ रुपये की गिरावट आई।

सीसीआई के पास पेटेंट विवादों की जांच का अधिकार नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

- एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने कहा- पेटेंट अधिनियम प्रतिस्पर्धा अधिनियम से ऊपर

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने कहा है कि भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के पास पेटेंट मामलों से संबंधित विवादों की जांच करने का कोई अधिकार नहीं है। सीसीआई के उस आदेश के खिलाफ अपील को खारिज करते हुए, जिसमें नियामक ने स्विस फार्मा कंपनी विफोर इंटरनेशनल (एजी) के खिलाफ शिकायत बंद कर दी थी।

एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने कहा कि पेटेंट अधिनियम प्रतिस्पर्धा अधिनियम से ऊपर होगा। पहले के फैसलों का हवाला देते हुए, एनसीएलएटी ने कहा कि टेलीफोनैक्टीबोलागेट एलएम एरिक्सन (पीयूबीएल) मामले में दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले और विशेष अनुमति याचिका में सुप्रीम कोर्ट के फैसले को देखते हुए, यह स्पष्ट है कि सीसीआई के पास विफोर इंटरनेशनल (एजी) के खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच करने का अधिकार नहीं है। एनसीएलएटी, जो सीसीआई द्वारा पारित आदेशों पर अपीलीय प्राधिकरण है ने कहा कि विफोर इंटरनेशनल के पास फेरिक कार्बोक्सिमाल्टोज (एफसीएम) इंजेक्शन का पेटेंट है, जो आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया (आईडीए) के उपचार के लिए आवश्यक है। मामले के तथ्यों पर पेटेंट अधिनियम, प्रतिस्पर्धा अधिनियम से 'प्रबल' होगा, क्योंकि विवाद का विषय एफसीएम है।

पेट्रोल की बिक्री बढ़ी, डीजल की मांग रही स्थिर

नई दिल्ली, एजेंसी

त्योहारों के दौरान यात्रा में तेजी से अक्टूबर में भारत में पेट्रोल की बिक्री पांच महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। हालांकि, इस दौरान डीजल की खपत स्थिर रही जो इस रुझान के उलट है। यह जानकारी उद्योग के शुरुआती आंकड़ों से मिली है।

त्योहारों के सीजन की शुरुआत से ईंधन की मांग बढ़ने से अक्टूबर में पेट्रोल की खपत सालाना आधार पर 7% बढ़कर 36.5 लाख टन हो गई। सितंबर में पेट्रोल की बिक्री 34 लाख टन रही थी। देश में सबसे ज्यादा खपत वाले ईंधन डीजल की बिक्री अक्टूबर में मामूली गिरावट के साथ 76 लाख टन रही, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 76.4 लाख टन थी। ऐतिहासिक रूप से, जून में बारिश के मौसम के आगमन के साथ डीजल की खपत में गिरावट आती थी, क्योंकि सिंचाई पंप चलाने के लिए ईंधन की मांग कम हो जाती थी और वाहनों की आवाजाही भी प्रभावित होती थी। हालांकि, अक्टूबर से बिक्री बढ़ जाती थी क्योंकि बारिश कम होती है और त्योहारी सीजन की वजह से ट्रक की आवाजाही भी बढ़ती है। लेकिन इस साल, यह रुझान उलट गया है और अक्टूबर में खपत में बढ़ोतरी के बजाय मामूली गिरावट देखी गई।

- अक्टूबर में पेट्रोल की खपत सालाना आधार पर 7% बढ़कर 36.5 लाख टन हुई

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ की मासिक रिपोर्ट के अनुसार, पेट्रोल की खपत अक्टूबर, 2023 की तुलना में 16.3 प्रतिशत अधिक थी, जबकि इस साल डीजल की बिक्री अक्टूबर, 2023 की 76.3 लाख टन की मांग से कम रही। विमान ईंधन या एटीएफ की खपत में लगातार सुधार जारी रहा और अक्टूबर में यह 1.6 प्रतिशत बढ़कर 7,69,000 टन हो गई। यह अक्टूबर, 2023 की तुलना में 11.11 प्रतिशत अधिक है। 2019 से, एटीएफ की खपत 1.65 प्रतिशत सालाना दर से बढ़ी है।

एलपीजी की बिक्री 5.4% बढ़कर 30 टन हुई

अक्टूबर में रसोई गैस या एलपीजी की बिक्री 5.4 प्रतिशत बढ़कर लगभग 30 टन हो गई, क्योंकि घरेलू खाना पकाने की जरूरतें लगातार बढ़ रही हैं। इस वृद्धि का एक प्रमुख कारण ईंधन की घरेलू मांग है। भारत ने सब्सिडी वाली एलपीजी आपूर्ति योजना पीएमयूवाई में 25 लाख नए घर जोड़े, जिससे इसके अंतर्गत आने वाले परिवारों की संख्या 10.33 करोड़ से बढ़कर 10.58 करोड़ हो गई। अप्रैल, 2025 से शुरू हुए चालू वित्त वर्ष के पहले सात महीनों में पेट्रोल की खपत 6.8 प्रतिशत बढ़कर 2.48 करोड़ टन हो गई है, जबकि डीजल की बिक्री 2.45 प्रतिशत बढ़कर 5.33 करोड़ टन रही। इस वित्त वर्ष में एटीएफ की खपत एक प्रतिशत बढ़कर 52 लाख टन हो गई है, और एलपीजी की मांग 7.2 प्रतिशत बढ़कर 1.97 करोड़ टन हो गई है।

भंडार आधारित ई-कॉमर्स निर्यात पर वाणिज्य मंत्रालय ने विभिन्न विभागों से मांगे विचार

नई दिल्ली, एजेंसी

- छोटे खुदरा विक्रेताओं के कारोबार को प्रभावित किए बिना निर्यात को बढ़ावा देने का उद्देश्य

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों से ई-कॉमर्स के इन्वेंट्री (भंडार) आधारित मॉडल में केवल निर्यात उद्देश्यों के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति देने के प्रस्ताव पर विचार मांगे हैं। इस बारे में मंत्रालय ने एक नोट जारी किया

इस प्रस्ताव का उद्देश्य छोटे खुदरा विक्रेताओं के कारोबार को प्रभावित किए बिना भारत के निर्यात को बढ़ावा देना है। वर्तमान में, देश की एफडीआई नीति ई-कॉमर्स के भंडार-आधारित मॉडल में विदेशी निवेश की अनुमति नहीं देती है। केवल मार्केटप्लेस मॉडल के माध्यम से काम करने वाली कंपनियों, जैसे अमेजन और फ्लिपकार्ट में स्वतः मंजूर मार्ग से इसकी 100 प्रतिशत अनुमति है। अधिकारी ने बताया कि प्रस्ताव मौजूदा एफडीआई नीति के अनुपालन में, ई-कॉमर्स इकाइयों को ई-कॉमर्स के इन्वेंट्री-आधारित मॉडल में, विशेष रूप से भारत में निर्मित या उत्पादित वस्तुओं और उत्पादों के निर्यात के लिए अनुमति देने का है। एफडीआई नीति के अनुसार, ई-कॉमर्स के भंडार-आधारित मॉडल का अर्थ ऐसी ई-कॉमर्स गतिविधि है जहां वस्तुओं और सेवाओं की इन्वेंट्री का स्वामित्व ई-कॉमर्स इकाइयों के पास होता है।

दूसरी ओर, ई-कॉमर्स के बाजार-आधारित मॉडल का अर्थ है, किसी ई-कॉमर्स इकाई द्वारा डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक नेटवर्क पर एक सूचना प्रौद्योगिकी मंच प्रदान करना जो क्रेता और विक्रेता के बीच एक सूत्रधार के रूप में कार्य करे। नीति इन वस्तुओं को घरेलू बाजार में बेचने की बात करती है, निर्यात की नहीं। एफडीआई नीति में यह भी कहा गया है कि बाजार उपलब्ध कराने वाली कोई भी ई-कॉमर्स इकाई भंडार यानी बेचे जाने वाले सामान पर स्वामित्व या नियंत्रण नहीं रखेगी।

राष्ट्रीय

लालू के बेटे की सरकार बनी तो अपहरण हत्या व रंगदारी के तीन नए मंत्रालय होंगे

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने मुजफ्फरपुर की चुनावी रैली में राजद नेता पर बोला हमला

मुजफ्फरपुर (बिहार), एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार पर हमला बोलते हुए कहा कि अगर उनके बेटे को सत्ता मिली तो बिहार में हत्या, अपहरण और रंगदारी के तीन नए मंत्रालय बनाए जाएंगे। मुजफ्फरपुर में चुनावी रैली में शाह ने दावा किया कि अगर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बरकरार रही तो बिहार को बाढ़मुक्त बनाया जाएगा और इसके लिए एक अलग मंत्रालय का गठन किया जाएगा।

शाह ने कहा कि अगर राजग की सत्ता बरकरार रहती है तो बिहार को बाढ़मुक्त बनाया जाएगा। बाढ़ नियंत्रण के लिए एक अलग मंत्रालय स्थापित किया जाएगा। उन्होंने जनता से अपील की कि वे राजग को वोट देकर राजद शासन के दौरान देखे गए जंगलराज की पुनरावृत्ति को रोकें। अगर लालू जी के बेटे (तेजस्वी यादव) मुख्यमंत्री बने, तो बिहार में तीन नए मंत्रालय बनेंगे-एक हत्या के लिए, दूसरा अपहरण के लिए और तीसरा रंगदारी के लिए। आपके वोट बिहार को फिर से जंगलराज में जाने से बचाएंगे। नए चेहरों के साथ फिर से जंगलराज लाने की कोशिश हो रही है।

गृह मंत्री ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद और कांग्रेस नेता सोनिया गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि दोनों अपने बेटों को बिहार का मुख्यमंत्री और देश का प्रधानमंत्री बनाना चाहते हैं, जबकि दोनों पद खाली नहीं हैं।

वैशाली की सभा में शाह ने घोषणा की कि बिहार के सीतामढ़ी, जिसे माता सीता की जन्मभूमि माना जाता है, से उत्तर प्रदेश के अयोध्या तक एक विशेष वंदे भारत ट्रेन शुरू की जाएगी।यह सेवा सीतामढ़ी में 850 करोड़ में मंदिर निर्माण के बाद शुरू की जाएगी।

बिहार विस चुनाव

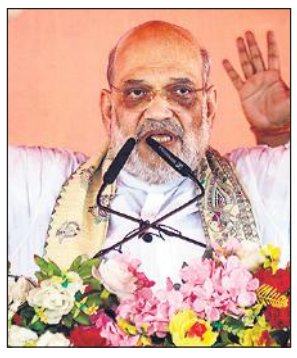

- शाह बोले- लालू और सोनिया अपने बेटों को मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री बनाना चाहते हैं

अडाणी-अंबानी के रिमोट से चलते हैं मोदी: राहुल

बेगूसराय। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह न केवल ट्रंप से डरते हैं, बल्कि बड़े कारोबारी घरानों के रिमोट कंट्रोल के इशारे पर काम करते हैं। गांधी ने बिहार के बेगूसराय जिले में चुनावी सभा में कहा कि बड़ी छाती होना ताकतवर होने की निशानी नहीं है। उन्होंने प्रधानमंत्री पर कटाक्ष करते हुए कहा कि हमारे नरेन्द्र मोदी जो 56 इंच की छाती का दावा करते हैं, लेकिन जब ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ट्रंप का फोन आया तो उन्हें घबराहट का दौरा पड़ गया और पाकिस्तान के साथ सैन्य टकराव दो दिन में खत्म हो गया। वह न सिर्फ ट्रंप से डरते हैं बल्कि अडाणी और अंबानी के रिमोट से चलते हैं।

भाजपा-जदयू ने युवाओं से अवसर छीना : खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को आरोप लगाया कि भाजपा और जदयू ने 20 वर्षों के अपने शासन में बिहार के युवाओं से हर अवसर और सपना छीन लिया, लेकिन अब राज्य के आत्मसम्मान को बहाल करने का समय आ गया है। खरगे ने कहा कि अब महागठबंधन के 'न्याय संकल्प' को दोहराने का समय आ गया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने एक्स पर कहा कि बिहार के लोग जहां भी जाते हैं, मेहनत और हुनर से उन शहरों की किस्मत चमका देते हैं, लेकिन वे अपने बिहार की तक़दीर अब तक क्यों नहीं बदल पाए? उन्हें मज़दूरी करने के लिए मजबूर कर दिया गया।

भाजपा की चुनावी रणनीति, जनसंपर्क अभियान के अध्ययन के लिए विदेशी राजनयिकों का बिहार दौरा

पटना। भाजपा को जानें पहल के तहत जापान, इंडोनेशिया, डेनमार्क, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, भूटान और दक्षिण अफ्रीका के राजनयिक आगामी दो और तीन नवम्बर को बिहार दौरे पर आ रहे हैं। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा शुरू की गई पहल का उद्देश्य विदेशी राजनयिकों को भाजपा की चुनावी प्रक्रिया, संगठन की कार्यशैली और पार्टी की जनसंपर्क शक्ति से अवगत कराना है। यह प्रतिनिधिमंडल बिहार के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव अभियानों का प्रत्यक्ष अनुभव करेगा और वरिष्ठ भाजपा नेताओं से मुलाकात भी करेगा। विदेशी राजनयिकों को भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था और बिहार में होने वाले चुनावी गतिविधियों की जमीनी हकीकत को समझने का अवसर भी मिलेगा। इससे पहले भी इसी तरह के राजनयिक प्रतिनिधिमंडलों ने गुजरात, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान के विधानसभा चुनावों के दौरान भाजपा की चुनावी रणनीति और प्रबंधन को समझने के लिए इन राज्यों का दौरा किया था। इस पहल की देखरेख भाजपा के विदेश मामलों के प्रभारी, डॉ. विजय चौथा वाले द्वारा की जा रही है।

दुलारचंद हत्या में अब तक 80 लोग गिरफ्तार

पटना। बिहार पुलिस ने जन सुराज पार्टी के समर्थक दुलारचंद यादव की हत्या में मोकामा से जदयू के उम्मीदवार अनंत सिंह समेत अब तक 80 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, अनंत सिंह को उनके सहयोगियों मणिकांत ठाकुर और रंजीत राम के साथ रविवार तड़के गिरफ्तार किया गया। पटना की अदालत ने तीनों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने बताया कि पांच प्राथमिकी दर्ज हुई हैं और यादव की हत्या से जुड़े मामले में 80 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

तेजस्वी को भरोसा, बताई शपथ लेने की तारीख

पटना। मुख्यमंत्री पद के लिए विपक्षी गठबंधन के उम्मीदवार एवं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने दावा किया कि विस चुनाव के बाद विपक्षी गठबंधन राज्य में अगली सरकार बनाएगा तथा चुनाव परिणाम आने के चार दिन बाद शपथ ग्रहण समारोह होगा। तेजस्वी ने कहा कि 14 नवम्बर को चुनाव के नतीजे आएंगे और 18 को शपथ ग्रहण होगा। उन्होंने यह टिप्पणी पूर्व विधायक अनंत सिंह की गिरफ्तारी को लेकर की। सिंह, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी के उम्मीदवार हैं और उनपर दुलार चंद यादव की हत्या में कार्रवाई हुई है। तेजस्वी ने कहा कि इतनी गंभीर घटना हुई थी, इसलिए यह होना ही था। उन्होंने कहा कि 26 नवम्बर से पहले हम यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी अपराधियों पर सबसे कड़ी कार्रवाई की जाए।

चौथी कक्षा की छात्रा स्कूल की चौथी मंजिल से कूदी, मौत

जयपुर। राजस्थान के जयपुर के प्रतिष्ठित नीरजा मोदी स्कूल में चौथी कक्षा की 12 वर्षीय छात्रा अमायरा ने चौथी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। यह घटना स्कूल में लगे सीसीटीवी में कैद हुई है।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में आत्महत्या की बात कही गई, लेकिन सीसीटीवी फुटेज के सामने आने के बाद कई सवाल उठे कि आखिर इतनी छोटी उम्र में बच्ची ने ऐसा क्यों किया? स्कूल प्रशासन की चुप्पी और जांच में असहयोग ने विवाद को और भड़का दिया है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने मामले की जांच के लिए समिति गठित कर दी है। अमायरा का क्लासरूम ग्राउंड फ्लोर पर था, लेकिन दोपहर 12 बजे वह चौथी मंजिल पर पहुंच गई। वहां रेलिंग पर चढ़कर उसने छलांग लगा दी। सीसीटीवी में ये साफ दिखाई दे रहा है। अमायरा को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मानसरोवर थाने के प्रभारी लखन खटाना ने बताया कि फुटेज आत्महत्या की ओर इशारा करता है, लेकिन पोस्टमॉर्टम और फोरेंसिक रिपोर्ट का इंतजार है।

मुझ पर दबाव बनाने को परिजनों पर दर्ज किए गए थे केस : पूर्व सीजेआई रमण

अमरावती, एजेंसी

पूर्व प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण ने कहा है कि उन पर दबाव डालने के लिए उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ मामले दायर किए गए थे। वीआईटी-एपी विश्वविद्यालय के पांचवें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए, पूर्व न्यायमूर्ति रमण ने राज्य की पूर्ववर्ती वाईएसआरसीपी सरकार का नाम लिए बिना शनिवार को कहा कि संवैधानिक सिद्धांतों को कायम रखने वाले न्यायपालिका के सदस्यों को भी दबाव और उत्पीड़न का सामना करना पड़ा।

उन्होंने कहा कि यहां उपस्थित अधिकांश लोग जानते हैं कि कैसे मेरे परिवार के सदस्यों को निशाना बनाया गया और उनके खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज किए गए। यह सब केवल मुझे मजबूर करने के लिए किया गया था, और मैं अकेला नहीं था। उस कठिन दौर में, किसानों के मुद्दों के प्रति सहानुभूति रखने वाले सभी लोगों को धमकी और दबाव का सामना करना पड़ा। न्यायमूर्ति रमण तत्कालीन वाईएस जगन मोहन रेड्डी सरकार के खिलाफ किसानों के आंदोलन का जिक्र कर रहे थे। अमरावती को आंध्र प्रदेश की एकमात्र राजधानी के रूप में रद्द करने और विशाखापत्तनम को प्रशासनिक राजधानी, अमरावती को विधायी राजधानी और कुरनूल को न्यायिक राजधानी बनाने के तीन राजधानियों के फॉर्मूले को अपनाने के तत्कालीन जगन मोहन सरकार के फैसले के खिलाफ आंदोलन किया गया था।

- वीआईटी-एपी विवि के समारोह पूर्ववर्ती वाईएसआरसीपी सरकार का नाम लिए बिना लगाया आरोप

पूर्व प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि ऐसे समय में, जब कई नेता कोई रुख अपनाने में हिचकिचा रहे थे या चुप्पी साधे हुए थे, तब इस देश के न्यायविद, वकील और अदालतें ही थीं, जो अपनी संवैधानिक शपथ पर अड़ी रहीं। उन्होंने कहा कि सरकारें भले ही बदलती रहें, लेकिन अदालतें और कानून का शासन स्थिरता का आधार बने रहते हैं, और कानून का शासन तभी कायम रहता है, जब लोग जनता के भरोसे पर खरे उतरते हैं और सुविधाओं के लिए अपनी ईमानदारी नहीं छोड़ते हैं।

पूर्व प्रधान न्यायाधीश ने अमरावती से अपने जुड़ाव को याद करते हुए कहा कि मैं अमरावती के किसानों के जज्बे को सलाम करता हूं, जिन्होंने सरकारी तंत्र की ताकतों का साहसपूर्वक सामना किया। मुझे किसानों के संघर्ष से बहुत प्रेरणा मिलती है। मैं न्यायिक व्यवस्था और लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर भरोसा जताने के लिए उनका आभार भी जताता हूं। आंध्र प्रदेश में मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता में आने के बाद, अमरावती राजधानी परियोजना को पुनर्जीवित किया गया और अब इसका काम तेज गति से आगे बढ़ रहा है।

नौ की मौत के बाद काशीबुग्गा मंदिर में प्रवेश पर लगी रोक

काशीबुग्गा (आंध्र प्रदेश)। आंध्र प्रदेश पुलिस ने श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा में स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में धार्मिक समारोह के दौरान नौ लोगों की मौत होने के एक दिन बाद रविवार को मंदिर में श्रद्धालुओं के प्रवेश पर रोक लगा दी। शनिवार को इस मंदिर में हुई दुर्घटना में आठ महिलाओं और एक बच्चे की मौत हो गई थी, जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मंदिर का एकमात्र द्वार बंद था और जिन श्रद्धालुओं को पहले दर्शन के लिए अंदर जाने दिया गया था, वे ग्रिल टूटने के कारण सीढ़ियों के नीचे इंतजार कर रहे लोगों पर गिर गए और यह भीषण हादसा हुआ। श्रीकाकुलम जिले के एसपी केवी महेश्वर रेड्डी ने कहा कि हमने इस त्रासदी को देखते हुए मंदिर में श्रद्धालुओं के प्रवेश पर रोक लगा दी है। नौ शवों को पोस्टमार्टम के बाद परिजन को सौंप दिया गया है। गंभीर रूप से घायल दो लोग अब स्थिर अवस्था में हैं और अन्य को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

सीएम कार्यालय का फर्जी लेटरहेड बनाने और मरीजों को ठगने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

- निजी अस्पतालों में मुफ्त इलाज कराने का वादा कर गरीबों को ठगता था

दिल्ली के मुख्यमंत्री कार्यालय का कथित तौर पर फर्जी आधिकारिक लेटरहेड बनाने और ईडब्ल्यूएस कोटे के तहत निजी अस्पतालों में मुफ्त इलाज का वादा कर गरीब मरीजों को ठगने के आरोप में एमसीडी के एक संविदा कर्मचारी को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस अधिकारी ने रविवार को बताया कि टैगोर गार्डन निवासी सोनू (27) को मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) से शिकायत मिलने के बाद 30 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया। ये मामला उस वक्त सामने आया, जब दिल्ली के महाराजा अग्रसेन अस्पताल के अधिकारियों ने सीएमओ को ईमेल भेजकर एक पत्र की पुष्टि का आग्रह किया, जिसमें उन्हें ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) श्रेणी के तहत श्याम शंकर नाम के मरीज के लिए मुफ्त इलाज की सिफारिश की थी। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) राजा बांठिया ने बताया कि पत्र पर मुख्यमंत्री कार्यालय के शीर्ष अधिकारियों के जाली हस्ताक्षर थे। अस्पताल अधिकारियों को संदेह हुआ क्योंकि पत्र में वर्तनी की अशुद्धियां थीं। उन्हें मुख्यमंत्री कार्यालय से खुद को बलबीर सिंह राठी बताने वाले व्यक्ति का फोन आया, जिसने उन्हें उपचार जारी रखने का निर्देश दिया। इस पत्र को संदिग्ध पाते हुए अस्पताल ने सत्यापन के लिए सीएमओ से संपर्क किया। इसके बाद मुख्यमंत्री के विशेषकार्य अधिकारी (ओएसडी) एससी वशिष्ठ ने सिविल लाइंस थाने में शिकायत दी।

वर्ल्ड ब्रीफ

ईरान दो हफ्तों में बना सकता है परमाणु बम

तेहरान। ईरान के पूर्व वरिष्ठ न्यायिक अधिकारी मोहम्मद-जवाद लारीजानी ने कहा है कि ईरान दो हफ्तों में परमाणु बम बनाने की क्षमता रखता है लेकिन फिर भी वह ऐसा नहीं करने का विकल्प चुनता है। लारीजानी ने कहा कि ईरान के सर्वोच्च नेता अली ख़ामेनेई ने परमाणु हथियारों के विरुद्ध जारी फतवा जारी किया है जो मजबूत शिया न्यायशास्त्र पर आधारित है। खामनेई के शीर्ष सलाहकार रहे लारीजानी ने कहा कि वह एक निवारक शक्ति के रूप में ईरान के परमाणु कार्यक्रम के विस्तार का समर्थन करते हैं लेकिन परमाणु हथियार बनाने का समर्थन नहीं करते।

मणिपुर में जब्त किए भारी मात्रा में हथियार

इंफाल। मणिपुर पुलिस और सुरक्षा बलों ने शनिवार को विभिन्न जिलों में चलाए गए अभियान में प्रतिबंधित सामग्री बरामद की और कई लोगों को गिरफ्तार किया। कांगपोकपी जिले के गमनोम सपेरमेइना पुलिस स्टेशन के अंतर्गत लुवांगसांगोल और फैलेंग गांवों के बीच के सामान्य क्षेत्र में एक अभियान में सुरक्षा बलों ने स्थानीय रूप से निर्मित बोल्ट एक्शन सिंगल-बैरल बंदूकें, कारतूस, वायरलेस सेट, सैन्य जूते, बेल्ट और सैन्य पोशाक बरामद की। एक अलग अभियान में पुलिस ने जिरीबाम पुलिस स्टेशन के अंतर्गत लींगंगपोकपी पुलिस चौकी पर नियमित जाँच के दौरान लगभग बहत्तर हज़ार रुपये मूल्य की 480 बीयर की कैन ज़ब्त की।

पाकिस्तान ने तोरखम सीमा फिर से खोली

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने अफ़ग़ान शरणार्थियों की स्वदेश वापसी के लिए उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में तोरखम सीमा को फिर से खोल दिया है। प्रांत के खैबर जिले के डिप्टी कमिश्नर बिलाल राव ने मीडिया से शनिवार को कहा कि आज सुबह सीमा पार से परिचालन फिर से शुरू किया गया जिससे उन अफगान परिवारों को वापस भेजा जा सके जो हफ्तों से पाकिस्तान में इंतजार कर रहे हैं। सैकड़ों अफ़ग़ानी आव्रजन केंद्र पर पहुंच चुके हैं जहां दस्तावेज बनाए जा रहे हैं।

ब्रिटेन में चाकू से हमले में दो लोग गिरफ्तार

लंदन। ब्रिटेन के कैम्ब्रिजशायर में एक ट्रेन में कई लोगों पर चाकू से हमला किया गया, जिसके बाद पुलिस ने शनिवार शाम को ट्रेन को रोककर घटना के सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। ब्रिटेन की पुलिस ने बताया कि इस घटना के बाद 10 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से नौ को जानलेवा चोटें आई हैं। आतंकवाद निरोधी पुलिस जांच में सहयोग कर रही है।

कनाडा और फिलीपीन में रक्षा समझौता, बढ़ाएंगे युद्धाभ्यास

मनीला (फिलीपीन), एजेंसी

- दोनों मिलकर समुद्र में चीन की आक्रामकता रोकेंगे

विवादित दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती आक्रामकता के कटु आलोचक कनाडा और फिलीपीन ने रविवार को एक महत्वपूर्ण रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य उनकी सेनाओं का संयुक्त सैन्य अभ्यास करना और आक्रामकता को रोकना है।

कनाडा एवं अन्य पश्चिमी देश कानून के शासन को बढ़ावा देने और क्षेत्र में व्यापार व निवेश बढ़ाने में मदद करने के लिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ा रहे हैं। फिलीपीन के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर अन्य देशों के साथ रक्षा संबंध स्थापित करने के प्रयास कर रहे हैं, ताकि उनके देश की सेना को विवादित जल क्षेत्र में सैन्य रूप से अपेक्षाकृत मजबूत चीन का सामना करने में मदद मिल सके। चीन ने इस मामले पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है। चीन ने फिलीपीन पर दक्षिण चीन सागर में अमेरिका और अन्य देशों के साथ संयुक्त गश्त और युद्ध अभ्यास करने को लेकर संकट पैदा करने वाला और क्षेत्रीय स्थिरता को नुकसान पहुंचाने वाला होने का आरोप लगाया है। बीजिंग इस जलमार्ग के चीन के होने का दावा करता है, जबकि 2016 के मध्यस्थता निर्णय में 1982 के संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन के आधार पर इन दावों को अमान्य करार दिया गया था।

गंभीर चिंता...खतरनाक संकेत

बच्चों में आत्महत्या की बढ़ती प्रवृत्ति

बच्चों में आत्महत्या की बढ़ती दर एक गंभीर और चिंताजनक मुद्दा है, जिस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। आत्महत्या एक ऐसी समस्या है जो न केवल बच्चे को प्रभावित करती है, बल्कि उसके परिवार और समुदाय को भी प्रभावित करती है। बच्चों में आत्महत्या के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं, परीक्षा का दबाव, सामाजिक दबाव, और घरेलू समस्याएं शामिल हैं। नकारात्मक ओटीटी प्लेटफार्म भी इसके पीछे एक कारक हो सकते हैं। बच्चों में आत्महत्या को रोकने के लिए, हमें उनकी मानसिक स्वास्थ्य जरूरतों को समझना और उन्हें समर्थन प्रदान करना आवश्यक है। इसके लिए हमें मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता बढ़ानी होगी, परीक्षा प्रणाली में बदलाव करना होगा, और बच्चों को सामाजिक समर्थन प्रदान करना होगा।

कारण

- **मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं :** अवसाद, चिंता, और अन्य मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं बच्चों में आत्महत्या के प्रमुख कारण हो सकते हैं।
- **परीक्षा का दबाव :** परीक्षा में असफलता या अच्छे अंक न लाने का दबाव बच्चों पर बहुत अधिक तनाव पैदा कर सकता है।
- **सामाजिक दबाव :** दोस्तों और परिवार के दबाव के कारण भी बच्चे आत्महत्या की ओर बढ़ सकते हैं।
- **घरेलू समस्याएं :** घरेलू हिंसा, पारिवारिक समस्याएं, और आर्थिक तनाव भी बच्चों में आत्महत्या के कारण बन सकते हैं।

समाधान

- **मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता :** बच्चों के लिए मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता बढ़ाना और उन्हें आसानी से सुलभ बनाना।
- **परीक्षा प्रणाली में बदलाव :** परीक्षा प्रणाली में बदलाव करना और बच्चों पर दबाव कम करना।
- **सामाजिक समर्थन :** बच्चों को सामाजिक समर्थन प्रदान करना और उन्हें आत्महत्या के खतरों के बारे में जागरूक करना।

ओटीटी के नकारात्मक प्रभाव

बच्चों पर ओटीटी प्लेटफार्मों के बढ़ते नकारात्मक प्रभावों को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। ओटीटी प्लेटफार्म युवाओं के लिए एक बड़ा आकर्षण बन गए हैं, लेकिन इनके अधिक उपयोग से कई नकारात्मक प्रभाव देखे गए हैं। एक अध्ययन के अनुसार ओटीटी प्लेटफार्मों पर बिंग-वॉचिंग करने से युवाओं में चिंता, अवसाद, और नींद की कमी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। हिंसक और अपमानजनक सामग्री देखने से युवाओं में आक्रामक व्यवहार बढ़ सकता है। अधिक समय तक स्क्रीन के सामने बैठने से शारीरिक स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

आए दिन हो रहीं घटनाएं

- राजस्थान के कोटा में कोचिंग केंद्रों में इंजीनियरिंग और मेडिकल की तैयारी कर रहे दर्जनभर छात्रों के आत्महत्या के मामले इस साल सामने आए हैं।
- जयपुर में निजी स्कूल में कक्षा 4 की छात्रा ने आत्महत्या कर ली। साल 2023 में 12 वर्षीय लड़के ने स्कूल में आत्महत्या कर ली, क्योंकि उसे माता-पिता द्वारा परीक्षा में अच्छे अंक न लाने के लिए डांटा गया था। 15 वर्षीय लड़की ने प्रेमी से धोखा खाकर जान दे दी थी। 10 वर्षीय लड़के ने आत्महत्या कर ली, उसे स्कूल में बदमाशी का सामना करना पड़ रहा था।

दक्षिण चीन सागर में चीनी गतिविधि का दृढ़तापूर्वक मुकाबला करे आसियान

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने दक्षिण पूर्व एशियाई देशों से की अपील

कुआलालंपुर, एजेंसी

अमेरिकी रक्षामंत्री पीट हेगसेथ।

अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों से अपील की है कि वे दक्षिण चीन सागर में चीन की अस्थिर करने वाली बढ़ती गतिविधियों का दृढ़तापूर्वक मुकाबला करने के लिए तैयार रहें और अपनी समुद्री सेनाओं को मजबूत बनाएं। हेगसेथ ने हालांकि इसके कुछ घंटे बाद सोशल मीडिया पर चीन के प्रति नरम रुख अपनाते हुए कहा कि अमेरिका-चीन संबंध कभी इतने अच्छे नहीं रहे और दोनों पक्षों ने सीधे तौर पर सैन्य संपर्क स्थापित करने पर सहमति जताई है।

शनिवार को मलेशिया में दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संघ (आसियान) के अपने समकक्षों के साथ हुई बैठक में हेगसेथ ने विवादित जल क्षेत्रों में चीन की आक्रामकता को लेकर अमेरिका की चिंताओं को दोहराया और जहाजों को टक्कर मारने जैसी घटनाओं का हवाला दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि चीन का उकसाने वाला व्यवहार उसके पड़ोसियों की संप्रभुता और क्षेत्रीय स्थिरता को खतरे में डाल सकता है। दक्षिण चीन सागर में चीन के व्यापक क्षेत्रीय एवं समुद्री दावे शांतिपूर्ण तरीके से विवादों को सुलझाने के वादों के विपरीत हैं। उन्होंने कहा कि हम शांति चाहते हैं। संघर्ष नहीं चाहते लेकिन हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि चीन आप पर या किसी और पर प्रभुत्व जमाने की कोशिश न करे। दक्षिण चीन सागर एशिया के सबसे अस्थिर विवादित क्षेत्रों में से एक बना हुआ है। चीन लगभग पूरे क्षेत्र पर दावा करता है, जबकि आसियान के सदस्य फिलीपीन, वियतनाम, मलेशिया और ब्रुनेई भी तटीय क्षेत्रों पर अपना दावा जताते हैं। अमेरिका के प्रमुख सहयोगी फिलीपीन के जहाजों का चीन के समुद्री बेड़े के साथ अक्सर टकराव होता रहा है। हालांकि रविवार तड़के हेगसेथ ने एक्स पर लिखा कि उन्होंने शनिवार को चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जुन से फिर बात की। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने किसी भी समस्या पर चर्चा करने के लिए सैन्य संचार चैनल स्थापित करने पर सहमति जताई है।

सीरिया के राष्ट्रपति की मेजबानी करेंगे ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा के साथ व्हाइट हाउस में वार्ता करेंगे। एक प्रशासनिक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में किसी सीरियाई राष्ट्रपति की पहली यात्रा होगी। इस बैठक की औपचारिक घोषणा नहीं की गई है। अधिकारी ने अपनी पहचान गोपनीय रखे जाने की शर्त पर बताया कि बैठक 10 नवंबर को होने की संभावना है। ट्रंप ने मई में सऊदी अरब में अल-शरा से मुलाकात की थी, जो अमेरिका और सीरिया के नेताओं के बीच 25 वर्षों में पहली मुलाकात थी। सीरिया दशकों से जारी अंतर्राष्ट्रीय अलगाव से उबरने के लिए संघर्ष कर रहा है। ट्रंप की खाड़ी सहयोग परिषद के नेताओं के साथ बैठक के इतर हुई इस बैठक को सीरिया के लिए एक बड़े घटनाक्रम के रूप में देखा गया।

शासन परिवर्तन की अमेरिकी रणनीति अब समाप्त : तुलसी गबार्ड

मनामा। अमेरिकी खुफिया विभाग की प्रमुख तुलसी गबार्ड ने अमेरिका द्वारा दूसरे देशों में सत्ता परिवर्तन के इतिहास को स्वीकार करते हुए कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शासन काल में अब यह रणनीति खत्म हो गयी है। गबार्ड ने शनिवार को बहरीन में 21वें मनामा संवाद में दावा किया कि अपने पूर्ववर्तियों के विपरीत ट्रंप प्रशासन तख्ता पलट की बजाय कूटनीति और आपसी समझौतों को प्राथमिकता देता है। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि अमेरिका की पुरानी सोच अब पीछे छूट गई है और यही हमें बहुत लंबे समय से पीछे धकेल रही है। दशकों से, हमारी विदेश नीति शासन परिवर्तन या राष्ट्र निर्माण के एक बेकारऔर अंतहीन चक्र में फँसी हुई है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका को लोकतंत्र को बढ़ावा देने या राष्ट्रीय हितों की रक्षा के नाम पर सरकारों को उखाड़ फेंकने की नीतियों को अपनाने के लिए लंबे समय से आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। वर्ष 2003 में इराक और 2011 में लीबिया से लेकर 2014 में यूक्रेन में 'रंगीन क्रांति' यानि अहिंसक तरीके से सत्ता पलटने का समर्थन करने तक अमेरिका की इस विदेश नीति की तीखी आलोचना हो रही है।

दिल्ली में यमुनोत्सव...

यमुना संसद अभियान के तहत यमुनोत्सव 2025 के पहले दिन रविवार को नई दिल्ली में यमुना के किनारे वासुदेव घाट पर पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाएं अनुष्ठान करने के लिए एकत्रित हुईं।

पाकिस्तान की इमारत में धमाका, एक की मौत

पेशावर। उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में रविवार को आतंकवाद निरोधक विभाग के पुलिस थाने में हुए विस्फोट में एक अधिकारी की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए।

पुलिस ने बताया कि विस्फोट प्रांत की राजधानी पेशावर के भीड़भाड़ वाले यूनिवर्सिटी रोड पर स्थित आतंकवाद निरोधक विभाग थाना के गोला-बारूद डिपो के अंदर हुआ। पुलिस ने बताया कि यह विस्फोट डिपो में रखे पुराने विस्फोटक पदार्थ के कारण हुआ। अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल यह घटना आतंकवादी कृत्य नहीं लगती। कैपिटल सिटी पुलिस अधिकारी डॉ. मियां सईद ने बताया कि कई विस्फोटों के बाद सीटीडी भवन का एक हिस्सा ढह गया, जिसके बाद आग अन्य गोला-बारूद भंडारों तक फैल गई।

रूस ने लांच की परमाणु ड्रोन से लैस पनडुब्बी

मॉस्को, एजेंसी

- घातक हथियारों और रोबोटिक प्रणाली से लैस है खाबरोवस्क

रूस ने अपने नए परमाणु पनडुब्बी का जलावतरण किया है, जो 'पोसेइडॉन' परमाणु ड्रोन से लैस है। इसे 'डूम्सडे मिसाइल (प्रलयकारी मिसाइल)' कहा जा रहा है, जो तटीय देशों को नष्ट कर देने में सक्षम है।। रूस के रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव ने सेवमाश शिपयार्ड के सेवेरोद्विंस्क में रूसी नौसेना प्रमुख एडमिरल अलेक्जेंडर मोइसेयेव और अन्य शीर्ष जहाज निर्माण अधिकारियों की उपस्थिति में एक भव्य समारोह में परमाणु पनडुब्बी खाबरोवस्क का जलावतरण किया।

बेलौसोव ने शनिवार देर रात टेलीविजन पर प्रसारित अपने संबोधन में कहा कि आज हमारे लिए एक महत्वपूर्ण घटना है- परमाणु ऊर्जा से चालित मिसाइल क्रूजर खाबरोवस्क का प्रसिद्ध सेवमाश से जलावतरण किया जा रहा है। सेवमाश शिपयार्ड में इससे पहले भारत के लिए विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य का नवीनीकरण किया गया था। रूस की समाचार एजेंसी 'तास' के मुताबिक, रक्षा मंत्री ने रेखांकित किया कि पानी के नीचे के हथियारों और रोबोटिक प्रणाली से लैस यह पनडुब्बी रूस को अपनी समुद्री सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और दुनिया के महासागरों के विभिन्न क्षेत्रों में अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने में सक्षम बनाएगी।

यूक्रेन के ओडेसा क्षेत्र में ड्रोन हमले में दो लोगों की मौत

कीव। यूक्रेन के दक्षिण-पश्चिमी ओडेसा क्षेत्र में ड्रोन हमले में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। इसके साथ ही रूस ने देश की ऊर्जा अवसंरचना पर भी हमला करना जारी रखा।

देश के आपातकालीन सेवा विभाग के अनुसार, रविवार तड़के यूक्रेन के काला सागर तट पर ओडेसा क्षेत्र में एक कार पार्किंग पर रूसी ड्रोन ने हमला किया, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। ओडेसा के क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह किपर ने बताया कि इस हमले में तीन अन्य लोग घायल हो गए। रूस द्वारा जपोरिज्जिया क्षेत्र पर ड्रोन और मिसाइल से हमला किए जाने के बाद अनेक निवासियों को बिजली के बिना रहना पड़ा। क्षेत्रीय गवर्नर इवान फेडोरोव ने बताया कि हमलों में लगभग 60,000 लोगों को बिजली आपूर्ति के बाधित होने का सामना करना पड़ा और दो लोग घायल हुए। उन्होंने टेलीग्राम पर मलबे में बदली इमारतों की तस्वीरें पोस्ट कीं। यूक्रेन के राष्ट्रीय ऊर्जा ऑपरेटर, उक्रेनेर्गो ने कहा कि यूक्रेन की विद्युत ग्रिड पर हमलों के परिणामस्वरूप, रविवार को कई क्षेत्रों में बिजली कटौती का सामना करना पड़ा।

केंद्र सरकार को और अधिक सहनशील होने की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

- ब्रिटिश प्रोफेसर के निर्वासन पर बोले कांग्रेस सांसद शशि थरूर

लंदन की प्रोफेसर फ्रांसेस्का ओरसिनी को वीजा शर्तों के कथित उल्लंघन के कारण दिल्ली हवाई अड्डे से निर्वासित किए जाने के कुछ दिनों बाद कांग्रेस नेता शशि थरूर ने रविवार को कहा कि भारत सरकार को अधिक सहनशील, व्यापक सोच और बड़ा दिल वाला होने की जरूरत है।

तिरुवनंतपुरम से सांसद ने कहा कि मामूली वीजा उल्लंघन के कारण विदेशी विद्वानों और शिक्षाविदों को निर्वासन के तहत वापस भेजने के लिए हवाई अड्डे के आव्रजन काउंटर पर असम्मानजक रवैया दिखाना देश को विदेशी शैक्षणिक पत्रिकाओं में प्रकाशित किसी भी नकारात्मक लेख से कहीं अधिक नुकसान पहुंचा रहा है।

थरूर की यह टिप्पणी भाजपा के पूर्व सांसद स्वपन दासगुप्ता के एक पोस्ट के जवाब में आई है, जिसमें उन्होंने एक अखबार में प्रकाशित अपने लेख को साझा करते हुए तर्क दिया था कि वीजा शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित करना सरकार का कर्तव्य है, लेकिन किसी प्रोफेसर की छात्रवृत्ति का मूल्यांकन करना उसका काम नहीं है।

अमेरिका ने फिर किया जहाज पर हमला, तीन तस्कर मारे गए

वेस्ट पाम बीच। अमेरिकी सेना ने कैरेबियाई सागर में मादक पदार्थों के तस्करों पर एक और घातक हमला किया है। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि जिस पोत पर हमला किया गया, उसका संचालन अमेरिका द्वारा आतंकवादी संगठन घोषित किया गया एक समूह कर रहा था, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि किस समूह को निशाना बनाया गया। उन्होंने बताया कि हमले में तीन लोग मारे गए। सितंबर की शुरुआत से कैरेबियाई या पूर्वी प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी सेना द्वारा किया गया यह कम से कम 15वां ऐसा हमला है।

हेगसेथ ने लिखा कि यह पोत, हर दूसरे पोत की तरह- हमारी खुफिया जानकारी के अनुसार अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल था। यह मादक पदार्थों की तस्करी के एक ज्ञात रास्ते से गुजर रहा था और मादक पदार्थ ले जा रहा था। अमेरिकी सेना के इस प्रकार के हमलों में अब तक कम से कम 64 लोग मारे गए हैं। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने इस क्षेत्र में असामान्य रूप से बड़ी संख्या में युद्धपोतों की तैनाती की है।

मेक्सिको में स्टोर में आग, 23 की मौत

मेक्सिको सिटी, एजेंसी

- झुलसे 12 लोगों को छह अस्पतालों में भर्ती कराया गया

उत्तर-पश्चिमी मेक्सिको में शनिवार को एक 'डिपार्टमेंटल स्टोर' में आग लगने और विस्फोट होने से बच्चों सहित 23 लोगों की मौत हो गई और 12 घायल हो गए। सोनोरा के गवर्नर अल्फोंसो दुराजो ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में बताया कि आग सोनोरा राज्य की राजधानी हर्मोसिलो शहर में लगी।

सोनोरा के अटॉर्नी जनरल गुस्तावो सालास चावेज ने बताया कि कम से कम 23 लोगों की मौत हो गई है और घायलों को हर्मोसिलो के छह अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। सालास चावेज ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि लोगों की मौत सांस के साथ जहरीली गैस शरीर में जाने के कारण हुई। उन्होंने कहा कि हमें फिलहाल ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है जिससे यह अनुमान लगाया जा सके कि आग जानबूझकर लगाई गई थी। उन्होंने यह भी बताया कि अधिकारी मामले की हर पहलू से जांच करेंगे। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीरों में 'वाल्डो' के स्टोर में भीषण आग लगी हुई दिखाई दे रही है। एक वीडियो में एक जला हुआ आदमी स्टोर के प्रवेश द्वार से कुछ मीटर की दूरी पर गिरा नजर आ रहा है।

केन्या में भूस्खलन में 21 की गई जान

नैरोबी। केन्या के पश्चिमी रिफ्ट घाटी क्षेत्र में भूस्खलन के बाद कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई और 30 अन्य लोग लापता हो गए। क्षेत्र में पिछले कई दिन से भारी बारिश हो रही है। पश्चिमी केन्या की एल्गेयो मारक्वेट काउंटी में चेसोनगोच के पहाड़ी इलाके में शनिवार को हुए भूस्खलन से 1,000 से अधिक मकान तबाह हो गए। सरकार ने घायल 30 लोगों को हवाई मार्ग से एल्डोरेट शहर के अस्पताल में पहुंचाया है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 3 नवंबर, सोमवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी 4 नवंबर 02.05 तक तत्पश्चात चतुर्दशी।

आज का पंचांग

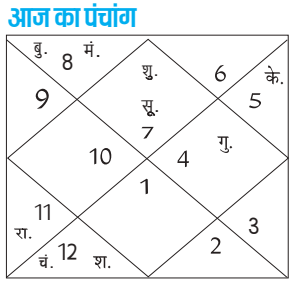

दिशाशूल- पूर्व, ऋतु- हेमंत। चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन। ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती। नक्षत्र- उत्तर भाद्रपद 15.05 तक तत्पश्चात रेवती।

मेष

आज दवाइयों पर धन खर्च हो सकता है। क्रोध पर नियंत्रण रखें। निरर्थक कार्यों में समय बर्बाद होगा। आपकी सोच के अनुसार काम नहीं होंगे। विद्यार्थियों को एकाग्रता में कमी महसूस होगी। माता के स्वास्थ्य की चिंता हो सकती है।

वृष

आज आय की स्थिति मजबूत रहेगी। पुराने मित्रों के माध्यम से आर्थिक सहयोग प्राप्त होगा। काम का दबाव कम होगा। कला जगत से जुड़े लोगों को सम्मान प्राप्त हो सकता है। काम के तरीके में परिवर्तन कर सकते हैं।

मिथुन

आज आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। प्रबंधन संबंधी कार्यों में सफलता मिलेगी। परिवार के लोगों को आप समय देंगे। स्वास्थ्य समस्याओं में सुधार होगा। वैवाहिक जीवन का तनाव दूर होगा। काम करने के तरीके में बदलाव ला सकते हैं।

कर्क

आज उधार दिया हुआ धन फंस सकता है। उच्च शिक्षा के लिए विदेश यात्रा कर सकते हैं। घरेलू खर्चों में वृद्धि होगी। कोई महत्वपूर्ण कार्य पूर्ण हो सकता है। अधीनस्थ कर्मचारियों से अधिक बहसबाजी न करें। विवादित मामले उभरने की आशंका है।

सिंह

आज शत्रु पक्ष को कमजोर आंकने की गलती न करें। घर में साफ-सफाई का ध्यान रखें। बच्चों की परेशानियों को समझें। स्वास्थ्य कमजोर रहने वाला है। शाम के समय जीवनसाथी के साथ डिनर के लिए जा सकते हैं।

कन्या

आज जॉब में आपको प्रशंसा प्राप्त होगी। साझेदारी में काम करने से लाभ मिलेगा। परिवार में विवाह को लेकर चर्चा हो सकती है। आपकी आय में वृद्धि होगी। नए कार्यों की शुरुआत करने के लिए दिन शुभ है।

तुला

आज कार्यक्षेत्र में अधिकारियों की आज्ञा का पालन करना पड़ेगा। गूढ़ विषयों का अध्ययन करने में रुचि जागृत होगी। सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेंगे। समाज में आपकी ख्याति में वृद्धि होगी। विरोधियों के साथ आपके संबंध मधुर होंगे।

वृश्चिक

आज विद्यार्थी कुछ नया सीखने का प्रयास करेंगे। सामाजिक कार्य में आपका मन लगेगा। आपकी सलाह से लोगों को लाभ होगा। आपकी अच्छी आदतों से लोग प्रसन्न होंगे। मित्रों से अपने प्रेम की अभिव्यक्ति कर सकते हैं।

धनु

आज शत्रुओं से आपको सावधान रहना चाहिए। शेयर मार्केट से लाभ प्राप्त होगा। व्यापार में नया प्रयोग करेंगे। परोपकार में धन खर्च करेंगे। अपनी क्षमताओं को विकसित करने का प्रयास करें। मित्र आपसे मिलने घर आ सकते हैं।

मकर

आज सरकारी कार्यों में आपको काफी अच्छा लाभ प्राप्त होगा। कार्यक्षेत्र में आपको उच्च पद सौंपा जा सकता है। आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा। अविवाहित लोगों का विवाह तय होगा। आप पिकनिक के लिए जा सकते हैं।

कुंभ

आज अति आत्मविश्वास के कारण नुकसान हो सकता है। परिजनों के साथ संवाद बनाकर रखें। मन का तनाव दूर होगा। दांपत्य संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। अचल संपत्ति की खरीदारी कर सकते हैं। इष्ट मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

मीन

आज धर्म कार्यों में मन लगेगा। जॉब में उच्च पद प्राप्त होने की संभावना है। मनोनुकूल काम होने से आप प्रसन्न रहेंगे। कारोबार में बढ़ोतरी होने के योग बन रहे हैं। आपका मूड काफी अच्छा रहेगा। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है।

सुडोकू-149

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1				2		3		
	4		5			6		
	2		6					
6				3				
7								4
5				9				3
		1			7		9	
		6	2					
				1				6

सुडोकू - 148 का हल

1	5	7	8	9	2	3	4	6
8	4	2	3	5	6	1	9	7
9	6	3	7	4	1	8	2	5
7	3	6	2	8	4	5	1	9
2	9	1	5	3	7	6	8	4
5	8	4	6	1	9	7	3	2
4	2	8	1	7	5	9	6	3
6	1	5	9	2	3	4	7	8
3	7	9	4	6	8	2	5	1

टॉस जीतना बहुत जरूरी था। हार का सिलसिला तोड़कर जीत की तरफ आकर अच्छा लगा। जिन लड़कों को आज मौका मिला वे कड़ा अभ्यास कर रहे थे। वॉशिंगटन सुंदर लचीलापन देने वाला बल्लेबाज है और बुमराह तथा अर्शदीप दोनों एक खतरनाक संयोजन हैं।
- सूर्यकुमार यादव

स्टेडियम

बरेली, सोमवार 3 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

विदेश में हो सकती है आईपीएल नीलामी

नई दिल्ली : आईपीएल नीलामी स्थल को लेकर सोच में बदलाव होता दिख रहा है, जिसके अब विदेश में आयोजित होने की संभावना है। हालांकि फ्रेंचाइजियों को अभी तक आधिकारिक तौर पर शहर के बारे में सूचित नहीं किया गया है, लेकिन उन्हें इसके बारे में संकेत जरूर दिए गए हैं। हमेशा की तरह, संभावित स्थल खाड़ी क्षेत्र में कहीं माना जा रहा है। संयुक्त अरब अमीरात में अबू धाबी एक मजबूत संभावना है, लेकिन ओमान और कतर जैसे अन्य मध्य पूर्वी स्थानों पर भी विचार किया जा रहा है। यह घटनाक्रम पहले की योजना से बिल्कुल अलग है, जब ऐसा लग रहा था कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) भारत में ही नीलामी आयोजित करने का इच्छुक है। हालांकि, अब एक आदर्श स्थान हासिल करने में चुनौतियाँ नजर आ रही हैं, क्योंकि निर्धारित समय देश में त्योहारों और शादियों के मौसम से टकरा रहा है।

हाइलो ओपन में भारतीय चुनौती समाप्त

सारब्रूकेन (जर्मनी) : उभरती बैडमिंटन खिलाड़ी उन्नति हुड्डा को यहां 475,000 डॉलर इनामी हाइलो ओपन के महिला एकल सेमीफाइनल में इंडोनेशिया की शीर्ष वरीय पुत्री कुसुमा वर्दानी से सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा, जिससे इस टूर्नामेंट में भारत की चुनौती भी समाप्त हो गई। रोहतक की 18 वर्षीय खिलाड़ी उन्नति ने इस सप्ताह प्रभावशाली प्रदर्शन किया, लेकिन वह वर्दानी की गति और सटीकता की बराबरी नहीं कर सकी और शनिवार रात 35 मिनट तक चले मुकाबले में 7-21, 13-21 से हार गई। उन्नति उस भारतीय टीम का हिस्सा थीं जिसने पिछले महीने गुवाहाटी में बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर मिश्रित टीम चैंपियनशिप में अपना पहला पदक (कांस्य) जीता था।

87 रन

शेफाली वर्मा।

शेफाली और दीप्ति की बदौलत भारतीय बेटियों ने छू लिया आसमां

आईसीसी महिला विश्व कप : फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराया

नवी मुंबई, एजेंसी :

हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इतिहास रचते हुए रविवार को यहां वनडे विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 53 रन से हराकर पहली आईसीसी ट्रॉफी जीती। भारत ने शेफाली वर्मा (78 गेंद में 87 रन) और दीप्ति शर्मा (58 रन) के अर्धशतक की बदौलत सात विकेट पर 298 रन बनाए। इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम दीप्ति शर्मा के पांच झटकों के सामने कप्तान लॉरा वोल्वार्ड (101 रन) के शतक के बावजूद 45.3 ओवर में 246 रन पर सिमट गई। दीप्ति ने 39 रन देकर पांच विकेट झटके। शेफाली वर्मा ने भी दो विकेट और श्री चरणी ने एक विकेट हासिल किया। इससे पहले शेफाली ने वनडे में अपनी सर्वश्रेष्ठ पारी के दौरान सात चौके और दो छक्के लगाये। दीप्ति ने 58 गेंद में तीन चौके और एक छक्का जड़ा। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने 45 रन और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष ने 34 रन का योगदान दिया।

इससे पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर शेफाली ने स्मृति मंधाना (58 गेंद में 45 रन) के साथ पहले विकेट के लिए शतकीय (106 गेंद में 104 रन) और जेमिमा रॉड्रिग्स (37 गेंद में 24 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 62 गेंद में 62 रन की साझेदारी कर टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। इससे पहले चार जुलाई 2022 को श्रीलंका के खिलाफ नाबाद 71 रन की पारी खेलने वाली शेफाली ने 21वें ओवर में सुने लुस की गेंद पर ऐनेक बॉश से मिले जीवनदान का फायदा उठाते हुए वनडे की अपनी सर्वश्रेष्ठ पारी के दौरान सात चौके और दो छक्के लगाये। भारतीय टीम 26वें ओवर के बाद लगातार अंतराल पर विकेट गंवाते रही जिससे टीम शानदार शुरूआत के बावजूद रन गति को तेज करने में नाकाम रही। दीप्ति शर्मा इस दौरान वनडे विश्व कप में 15 विकेट और 200 रन पूरे करने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनी। उन्होंने अपनी पारी में तीन चौके और एक छक्का लगाया जबकि रिचा ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए तीन चौके और दो छक्के जड़े। दक्षिण अफ्रीका के लिए आयोबोंगा खाका सबसे सफल गेंदबाज रही। उन्होंने 58 रन देकर तीन विकेट लिये। शेफाली और मंधाना ने भारत को शानदार शुरुआत दिलाई। स्मृति ने मारिजान काप के पहले ओवर में खेल परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने की कोशिश की तो वहीं शेफाली ने दूसरे ओवर में अपनी पारी का आगाज आयोबोंगा खाका की गेंद पर चौके साथ किया। मंधाना ने काप की गेंद पर प्वाइंट क्षेत्र में कट कर शानदार चौका लगाया। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड ने तेज गेंदबाजों के असरहीन दिखने के बाद आठवें ओवर में स्पिन का सहारा लेते हुए नोनकुलुलेको म्लाबा (47 रन पर एक विकेट) को गेंद थमाई लेकिन शेफाली ने उनका स्वागत भी चौके से किया। भारत ने शुरुआती 10 ओवर में बिना किसी नुकसान के 64 रन के साथ इस विश्व कप में पावरप्ले का अपना सर्वोच्च स्कोर बनाया। पावरप्ले के बाद भारत की रनगति पर थोड़ा अंकुश लगा लेकिन नाडिन डि क्लार्क (52 रन पर एक विकेट) की गेंद पर शेफाली ने अपनी पारी का पहला छक्का जड़ दबाव कम किया। मंधाना ने 18वें ओवर में क्लो ट्रायोन की गेंद पर चौके से साथ पहले विकेट के लिए 104 गेंद में शतकीय साझेदारी पूरी की।

दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड को आउट करने के बाद जश्न मनातीं दीप्ति शर्मा। एजेंसी

भारत

298/7 (50 ओवर)

स्मृति मंधाना का जाफ्ता बो ट्रायोन	45
शेफाली वर्मा का लुस बो खाका	87
जेमिमा का वोल्वार्ड्ट बो खाका	24
हरमनप्रीत कौर बो म्लाबा	20
दीप्ति शर्मा रन आउट	58
अमनजोत कौर का एवं बो डि क्लार्क	12
रिचा घोष का डर्कसेन बो खाका	34
राधा यादव नाबाद	03

गेंदबाजी : काप 10-1-59-0, खाका 9-0-58-3, म्लाबा 10-0-47-1, डि क्लार्क 9-0-52-1, लुस 5-0-34-0, ट्रायोन 7-0-46-1

दक्षिण अफ्रीका

246/10 (45.3 ओवर)

लॉरा वोल्वार्ड का अमनजोत बो दीप्ति	101
ताजमिन ब्रिट्स रन आउट	23
एनेक बॉश पगबाधा श्री चरणी	00
सुने लुस का एवं बो शेफाली	25
मरिजान काप का घोष बो शेफाली	04
सिनालो जाफ्ता का राधा बो दीप्ति	16
एनेरी डर्कसन बो दीप्ति	35
क्लो ट्रायोन पगबाधा दीप्ति	09
डि क्लार्क का हरमनप्रीत बो दीप्ति	18
आयोबोंगा खाका रन आउट	01
नोनकुलुलेको म्लाबा नाबाद	00

गेंदबाजी : रेणुका 8-0-28-0, क्रांति 3-0-16-0, अमनजोत 4-0-34-0, दीप्ति 9.3-0-39-5, श्री चरणी 9-0-48-1, राधा 5-0-45-0, शेफाली 7-0-36-2

नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में फाइनल मैच से पहले क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर आईसीसी महिला विश्व कप ट्रॉफी व अन्य लोगों के साथ फोटो सेशन कराते हुए। तिरंगा लहराकर प्रसन्नता व्यक्त करते भारतीय दर्शक। राष्ट्रगान गातीं बॉलीवुड गायिका सुनिधि चौहान। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर व दक्षिण अफ्रीकी कप्तान लॉरा वोल्वार्ड।

वाशिंगटन की तूफानी पारी से भारत ने टी-20 सीरीज में बराबरी की

होबार्ट, एजेंसी

- तीसरे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराया

अर्शदीप सिंह की उम्दा गेंदबाजी के बाद वाशिंगटन सुंदर की तूफानी पारी से भारत ने तीसरे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में रविवार को यहां ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराकर पांच मैच की शृंखला 1-1 से बराबर कर दी।

ऑस्ट्रेलिया के 187 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने वाशिंगटन की 23 गेंद में चार छक्कों और तीन चौकों से नाबाद 49 रन की पारी और जितेश शर्मा (13 गेंद में नाबाद 22) के साथ उनकी छठे विकेट की 25 गेंद में 43 रन की अटूट साझेदारी की बदौलत 18.3 ओवर में पांच विकेट पर 188 रन बनाकर जीत दर्ज की। तिलक वर्मा (29), अभिषेक शर्मा (25) और कप्तान सूर्यकुमार यादव (24) ने भी उपयोगी पारियां खेलीं।

वाशिंगटन को इस मैच में गेंदबाजी का मौका नहीं मिला, लेकिन उन्होंने बल्ले से एकादश में अपने चयन को सही साबित किया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से नाथन एलिस ने 36 रन देकर तीन विकेट चटकाए लेकिन अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाए। अर्शदीप (35 रन पर तीन विकेट) और वरुण चक्रवर्ती (33 रन पर दो विकेट) ने इससे पहले ऑस्ट्रेलिया का स्कोर चार विकेट पर 74 रन कर दिया था लेकिन टिम डेविड (74) और मार्कस स्टोइनिस (64) ने ताबड़तोड़ अर्धशतक जड़कर मेजबान टीम का स्कोर छह विकेट पर 186 रन तक पहुंचाया। डेविड ने 38 गेंद का सामना करते हुए पांच छक्के और आठ चौके मारे जबकि स्टोइनिस ने 39 गेंद की पारी में दो छक्के और आठ चौके जड़े।

लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने पावर प्ले में 64 रन जोड़े लेकिन फॉर्म में चल रहे अभिषेक और शुभमन गिल (15) के विकेट गंवा दिए। कप्तान सूर्यकुमार यादव (24) ने आते ही एलिस और एबट पर छक्के मारे लेकिन एलिस ने गिल को पगबाधा कर दिया। सूर्यकुमार भी स्टोइनिस की गेंद पर एलिस को आसान कैच दे बैठे। तिलक और अक्षर पटेल ने इसके बाद पारी को संभाला।

तूफानी पारी के दौरान शॉट लगाते वाशिंगटन सुंदर। एजेंसी

49 रनों की अपनी नाबाद पारी के दौरान वाशिंगटन सुंदर ने तीन चौके और चार छक्के लगाए, उन्होंने 23 गेंदों का सामना किया

ऑस्ट्रेलिया

186/6 (20 ओवर)

ट्रेविस हेड का सूर्यकुमार बो अर्शदीप	06
मिचेल मार्श का वर्मा बो चक्रवर्ती	11
जोश इंग्लिस का अक्षर बो अर्शदीप	01
टिम डेविड का वर्मा बो दुबे	74
मिचेल ओवेन बो चक्रवर्ती	00
स्टोइनिस का स्थानापन्न बो अर्शदीप	64
मैथ्यू शॉर्ट नाबाद	26
जेवियर बार्टलेट नाबाद	03

गेंदबाजी : अर्शदीप 4-0-35-3, बुमराह 4-0-26-0, चक्रवर्ती 4-0-33-2, अक्षर 4-0-35-0, शिवम 3-0-43-1, अभिषेक 1-0-13-0

भारत

188/5 (18.3 ओवर)

अभिषेक शर्मा का इंग्लिस बो एलिस	25
शुभमन गिल पगबाधा बो इंग्लिस	15
सूर्यकुमार का एलिस बो स्टोइनिस	24
तिलक वर्मा का इंग्लिस बो बार्टलेट	29
अक्षर पटेल का बार्टलेट बो एलिस	17
वाशिंगटन सुंदर नाबाद	49
जितेश शर्मा नाबाद	22

विकेट पतन : 1-33, 2-61, 3-76, 4-111, 5-145 **गेंदबाजी :** बार्टलेट 4-0-30-1, एबट 3.3-0-56-0, एलिस 4-0-36-3, कुहनेमन 4-0-31-0, स्टोइनिस 2-0-22-1, शॉर्ट 1-0-13-0

कुलदीप यादव को टीम से रिलीज किया गया

होबार्ट : भारतीय टीम प्रबंधन ने छह नवंबर से बेंगलुरु में भारत ए और दक्षिण अफ्रीका ए के बीच होने वाले दूसरे चार दिवसीय मैच के लिए रविवार को स्पिनर कुलदीप यादव को ऑस्ट्रेलिया में टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम से रिलीज कर दिया। यह मैच बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक बयान में कहा भारतीय टीम प्रबंधन ने कुलदीप यादव को ऑस्ट्रेलिया में चल रही टी20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज से रिलीज करने का अनुरोध किया है ताकि वह बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए सीरीज में भाग ले सकें।दूसरा चार दिवसीय मैच छह नवंबर से शुरू होगा।

अर्धशतक लगाने के बाद जश्न मनाते भारत ए के कप्तान ऋषभ पंत। एजेंसी

भारत ए की रोमांचक जीत

बेंगलुरु, एजेंसी

- पंत और पुछल्ले बल्लेबाजों के सामने दक्षिण अफ्रीका ए तीन विकेट से परास्त

कप्तान ऋषभ पंत की 90 रन की शानदार पारी और निचले क्रम के बल्लेबाजों की दमदार पारियों की बदौलत भारत ए ने रविवार को यहां पहले चार दिवसीय क्रिकेट मैच में दक्षिण अफ्रीका ए को तीन विकेट से हरा दिया। भारत ए अब दो मैचों की शृंखला में 1-0 से आगे हो गया है। दूसरा मैच अगले गुरुवार से बीसीसीआई सीओई मैदान पर ही खेला जाएगा।

भारत ए ने मैच के चौथे और अंतिम दिन सुबह अपनी दूसरी पारी चार विकेट पर 119 रन से आगे बढ़ाई। पंत (90 रन, 113 गेंद, 11 चौके, चार छक्के) और आयुष बडोनी (34 रन, 47 गेंद) ने सुबह अच्छी शुरुआत की और 12 ओवर में 63 रन जोड़े। भारत को 275 रन के लक्ष्य के सामने अंतिम दिन 166 रन की जरूरत थी।

पंत और बडोनी ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। पंत ने दिन की दूसरी ही गेंद पर तेज गेंदबाज ओकुहले सेले पर छक्का जड़ा और उसके बाद एक हाथ से शॉट लगाकर थर्ड मैन क्षेत्र में दो चौके लगाए। सेले ने दिन के पहले ओवर में 14 रन दिए। पंत हालांकि अपना शतक पूरा नहीं कर पाए। उन्हें तियान वान वुरेन की गेंद पर पुल करने का समय नहीं मिला और गेंद हवा में लहरा गई। लेसेगो सेनोक्वाने ने दूसरी स्लिप से दौड़ते हुए कैच लपका। सेनोक्वाने के लिए यह बड़ी राहत की बात थी क्योंकि उन्होंने प्रेनेलन सुब्रायन की गेंद पर फॉरवर्ड शॉर्ट लेग पर पंत का कैच छोड़ा था। पंत तब 80 रन पर खेल रहे थे। लेकिन जिस तरह से पंत ने दूसरी पारी में बल्लेबाजी की और मैच में 139.3 ओवर तक विकेटकीपिंग की, वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए सीनियर टीम की घोषणा करने से पहले चयनकर्ताओं के लिए एक सुखद संकेत हो सकता है।

निर्णय

न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ने 93 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में बनाए हैं 2575 रन

केन विलियम्सन ने टी-20 क्रिकेट से लिया संन्यास

ऑकलैंड, एजेंसी

न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियम्सन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज शुरू होने से कुछ दिन पहले रविवार को टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की।

न्यूजीलैंड के लिए 93 टी-20 मैच खेलने वाले विलियम्सन को हाल ही में 2026 के सत्र के लिए आईपीएल फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स का रणनीतिक सलाहकार नियुक्त किया गया था। संन्यास लेने की घोषणा करने के कारण इस 35 वर्षीय बल्लेबाज को बुधवार से यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू हो रही शृंखला के लिए 14 सदस्यीय टी-20 टीम में शामिल नहीं किया गया। विलियम्सन ने टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में 2575 रन बनाए, लेकिन वह एक भी शतक नहीं लगा पाए। वह कैरेबियाई टीम के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की तैयारी के सिलसिले में आगामी एकदिवसीय शृंखला में भी नहीं खेलेंगे। विलियम्सनने न्यूजीलैंड की तरफ से टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाए हैं। उनका औसत 33 है और उन्होंने 18 अर्धशतक लगाए हैं। इस प्रारूप में उनका उच्चतम स्कोर 95 रन है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सभी प्रारूपों में 19,000 से अधिक रन बनाने वाले इस क्रिकेटर ने 2011 में टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था और 75 मैच में टीम का नेतृत्व किया, जिसमें 2016 और 2022 में दो टी-20 विश्व कप सेमीफाइनल और 2021 में फाइनल में कप्तानी करना शामिल है। विलियम्सन ने न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) से कहा यह (टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलना) कुछ ऐसा है जिसका हिस्सा बनना मुझे शुरू से ही पसंद था। मैं इन यादों और अनुभवों के लिए बहुत आभारी हूं।

आगामी टेस्ट सीरीज की तरफ देंगे ध्यान

विलियम्सन ने कहा इस प्रारूप को अलविदा कहने का यह टीम और मेरे लिए सही समय है। इससे टीम को आगे बढ़ाने और टी-20 विश्व कप के लिए टीम तैयार करने में मदद मिलेगी। न्यूजीलैंड की तरफ से सर्वाधिक रन बनाने वाले विलियम्सन ने कहा कि टेस्ट और वनडे को लेकर उनकी राय स्पष्ट है और उनका ध्यान अभी वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली तीन टेस्ट मैच की सीरीज पर है जिसका पहला मैच दो दिसंबर से क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा। उन्होंने कहा मुझे इस टीम की बहुत परवाह है। न्यूजीलैंड की तरफ से खेलना बहुत मायने रखता है।